शाबरमन्त्रसागर

(उत्तर भाग)

गोपनीय एवं अद्भुत शाबर मन्त्रों का दुर्लभ संग्रह एवं प्रयोग विधि

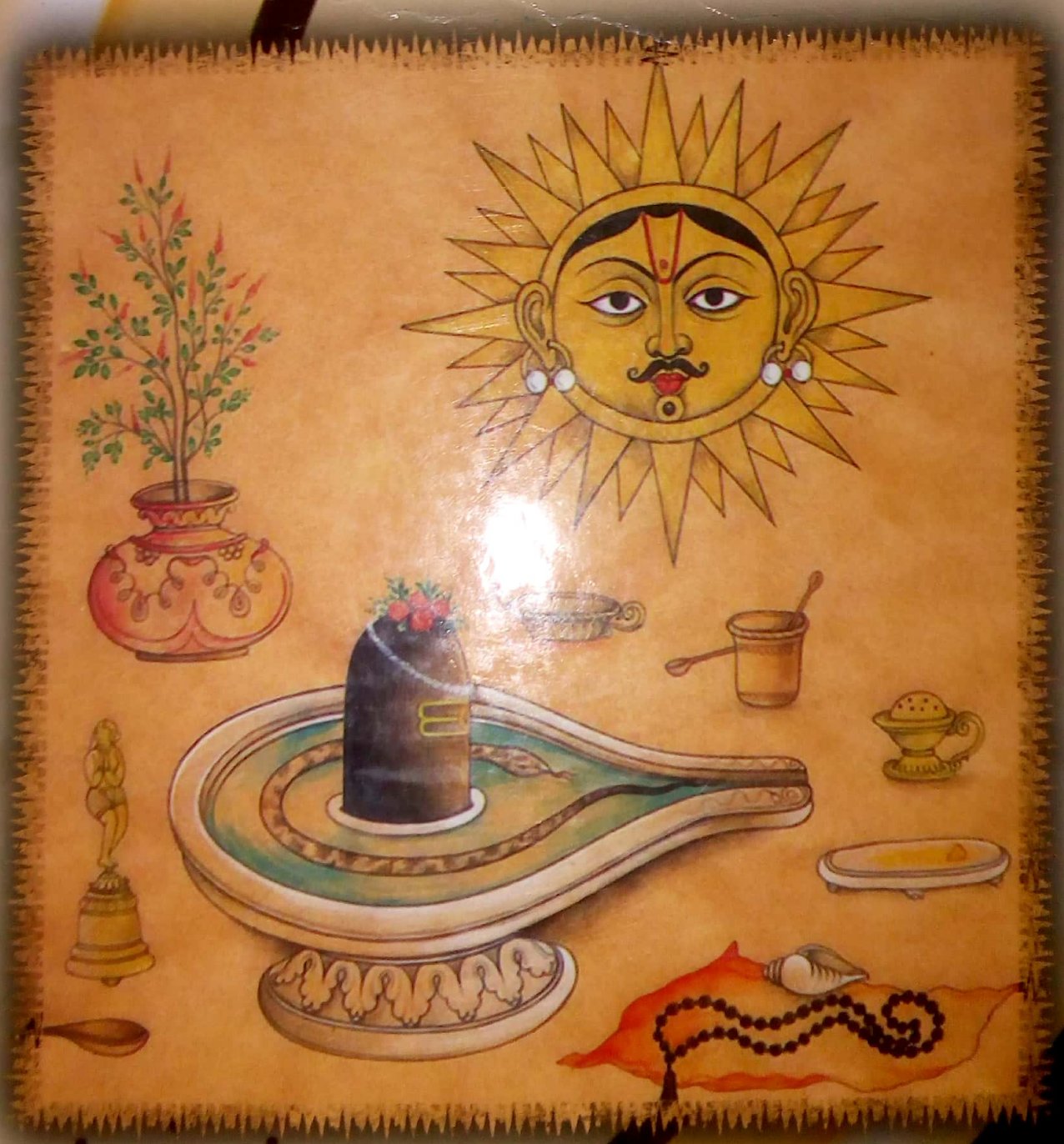

संग्रहकर्त्ता :

एस. एन. खण्डेलवाल

Scanned by CamScanner

॥ श्री ॥

चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला

[illegible]

[illegible]

शाबरमन्त्रसागर

(उत्तर भाग)

लेखक

श्री एस० एन० खण्डेलवाल

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
वाराणसी

Scanned by CamScanner

निवेदन

स्रष्टा द्वारा सृष्टि की अवधारणा के समनन्तर ही सृष्टि में विविध शास्त्रों का भी प्रादुर्भाव दृगोचर होता है। समस्त शास्त्रों का उपदेशस्वरूप आरम्भ भगवान् शिव द्वारा शिवा से कथनरूप में प्राप्त होता है। उन्हीं में तन्त्रशास्त्र का भी स्थान आता है। तन्त्रशास्त्र का प्रकाशन भगवान् शिव या ईश्वर द्वारा लोककल्याणार्थ किया गया था। उपदिष्ट तन्त्रों के सविधि अनुष्ठान से ईप्सित फल की अवश्यमेव प्राप्ति होती है। उपदेष्टा का ऐसा उद्घोष स्पष्टतया उद्घोषित है।

प्रचलित मान्यतानुसार शाबरतन्त्र भी भगवान् शिव द्वारा ही उपदिष्ट कहे जाते हैं। शिवोपदिष्ट शाबर तन्त्र का स्वरूप क्या था, यह काल के गर्भ में समाहित हो चुका है; अतः सम्प्रति सर्वथा अनुपलब्ध है। वर्तमान में उपलब्ध शाबरतन्त्र नाथसम्प्रदाय के स्वनामधन्य महायोगी गुरु गोरक्षनाथ द्वारा प्रवर्तित कहा जाता है; परन्तु यह उन्हीं के द्वारा प्रवर्तित है, इसका किञ्चिदपि साक्ष्य उपलब्ध नहीं होता। गोरक्षनाथ का समय क्या था? यह अद्यावधि अस्पष्ट है। प्रतीत होता है कि गोरक्षनाथ किसी मनीषी का नाम न होकर उपाधिरूप में प्रचलित प्रतिष्ठापरक अभिधान है, जो आदि गोरक्षनाथ द्वारा स्थापित पीठ के उत्तराधिकारी को परम्परानुसार अवाप्त होता रहा है; अतः किस गोरक्षनाथ द्वारा शाबरतन्त्रों का प्रणयन एवं प्रचलन किया गया, इस सन्दर्भ में इदमित्थं रूप से लेशमात्र भी कुछ कहना असम्भव ही है।

अस्तु; अपने उपदेष्टा के अज्ञात होते हुये भी वर्तमान में शाबरतन्त्र का अस्तित्व पूर्णतया स्थापित है एवं इनका प्रयोग भी बहुतायत में होता रहता है। सूक्ष्मतापूर्वक दृष्टिपात किया जाय तो इन शाबरमन्त्रों का कोई स्पष्ट अर्थ प्राप्त नहीं होता। प्रतीत होता है कि ये मन्त्र सिद्ध पुरुषों की अव्यक्त अस्फुट वाणी-मात्र ही हैं; फिर भी उनका प्रभाव होता है, यह अवश्यमेव स्वीकरणीय है। तन्त्रसम्प्रदाय में यद्यपि मन्त्रों को सार्थक ही स्वीकार किया गया है, लेकिन इस धारणा के विपरीत सर्वथा निरर्थक होते हुये भी शब्दस्पन्दनमात्र स्वरूप वाले ये शाबरमन्त्र पूर्णतया शक्तिशाली होने के साथ-साथ सिद्धिदायक भी हैं—यह निःसन्दिग्ध रूप से सत्य है। सिद्ध पुरुषों के अस्फुट उच्चारणस्वरूप इन सिद्धिप्रद मन्त्रों के सम्बन्ध में इसीलिये कहा गया है कि 'अनमिल आखर अरथ न जापू'।

Scanned by CamScanner

उक्त अलौकिक शाबरतन्त्र पुस्तकाकार किसी एक स्वरूप में प्राप्त न होकर सम्प्रदायानुसार विविध भाषाओं में निबद्ध असंख्य छोटे-छोटे पुस्तकों में वर्त्तमान में उपलब्ध होते हैं; अतः यह कहना कि 'शाबरमन्त्र इतने ही हैं' कथमपि सम्भव नहीं है। अपनी तत्सम्बद्ध वासना एवं वाराणसीस्थ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन के सातिशय आग्रह के परिणामस्वरूप इन सर्वजनोपयोगी शाबरमन्त्रों को यत्र-तत्र से यथासम्भव एकत्र कर विगत वर्ष 'शाबरमन्त्रसागर' अभिधान से पाठकों को उपलब्ध कराया गया था; उसी क्रम में उक्त अभिहित ग्रन्थ का यह उत्तरभाग प्रस्तुत किया जा रहा है। इस संगृहीत ग्रन्थ में वर्तमान में प्रचलित हिन्दू, मुस्लिम, सिख आदि सभी सम्प्रदायों के यथासम्भव उपलब्ध शाबरमन्त्रों का समावेश किया गया है; साथ ही साथ नाना प्रकार के सर्वदा उपयोगी टौटकों, अनिष्टकारी ग्रहों के प्रभाव को न्यूनातिन्यून करने वाले विविध उपायों, विभिन्न कष्टकारी रोगों के निवारणार्थ शुद्ध रूप से जड़ी-बुटियों पर आधारित चिकित्साओं, शकुन-अपशकुन आदि का भी विवेचन प्रकृत पुस्तक किया गया है; जो कि मानव समाज के लिये दैनन्दिन क्रियाकलापों हेतु अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होते हैं।

प्रकृत संग्रहग्रन्थ में शाबरमन्त्रों के अतिरिक्त अन्यान्य प्रयोग, औषधि-सम्बन्धित जड़ी-बूटियों के प्रयोग एवं अन्य कतिपय इस्लामिक तन्त्र के प्रयोग भी संकलित किये गये हैं; फिर भी इनमें से कोई भी प्रयोग लेखक (संग्राहक) द्वारा स्वानुभूत नहीं हैं; अपितु ये सभी परम्परागत रूप से विभिन्न अंचलों तथा लोकोक्तियों से अवाप्त किये गये हैं। इन प्रयोगों की क्या प्रामाणिकता है? यह गम्भीर गवेषणा का विषय है; अतएव पाठकों एवं प्रयोक्ताओं से अपेक्षा है कि यहाँ उल्लिखित किसी भी प्रयोग के सम्बन्ध में स्वयं पूर्ण परीक्षण करने के पश्चात् सर्वविध आश्वस्त होने के उपरान्त ही प्रयोग में प्रवृत्त हों। साथ ही यह भी ध्यातव्य है कि इन विहित प्रयोगों की अधिकांश सामग्रियाँ वर्त्तमान में अप्राप्य हैं एवं पशु-पक्षियों से सम्बद्ध कतिपय सामग्रियाँ राजाज्ञा द्वारा प्रतिबन्धित हैं; अतः राजकीय नियम-कानून तथा सामाजिक परिवेश के अनुसार ही इनको व्यवहार में लाना चाहिये। साथ ही पाठक अथवा प्रयोक्ता द्वारा देश-काल-परिस्थिति के अनुरूप ही स्वविवेक से इसकी ग्राह्याग्राह्यता का विनिश्चय करना चाहिये; एतदर्थ लेखक (संग्राहक) किसी भी प्रकार से कथमपि उत्तरदायी नहीं होगा।

अस्तु; आशा एवं विश्वास है कि पाठकगण इससे अवश्य ही लाभान्वित होंगे; साथ ही पाठकों को तत्सम्बद्ध सामग्री उपलब्ध कराकर स्वनामधन्य चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन भी यशःभागी होगा।

एस० एन० खण्डेलवाल

Scanned by CamScanner

विषयानुक्रम

विषय	पृष्ठांक	विषय	पृष्ठांक
आयतुल कुर्सी	१	सूरः हक्का	७
दुआए जमीला शरीफ	१	सूरः मुआरिज	७
सूरः नास	२	सूरः नूह	७
सूरः फलक	२	सूरः जिन्न	७
सूरः इख्लास	२	सूरः मुजम्मिल	७
सूरः फातिहा	२	सूरः मुदस्सिर	७
अहदनामा शरीफ	२	सूरः सजदा	७
अजमत	३	सूरः अल बीनः	७
दुआए जमीला शरीफ	३	सूरः सबा	७
सूरः अंकबूत	५	सूरः फातिर	७
सूरः आले इमरान	५	सूरः यासीन	७
सूरः जुमर	५	सूरः साफ्फात	८
सूरः हकाफ	५	सूरः स्वाद	८
सूरः कमर	५	सूरः तौबा	८
सूरः मुमतहिना	५	सूरः यूनुस	८
सूरः सफ्फ	५	सूरः हूद	८
सूरः जुमा	६	सूरः यूसुफ	८
सूरः मुनाफिकून	६	सूरः रअद	८
सूरः तगाबुन	६	सूरः इब्राहीम	८
सूरः तलाक	६	सूरः मुकर्रबिर (तकासुर)	८
सूरः तहरीम	६	सूरः हुमजा	८
सूरः मुल्क	६	सूरः फील	९
सूरः हिज	६	सूरः कुरैश	९
सूरः नहल	६	सूरः माऊन	९
सूरः इसरा	६	सूरः कौसर	९
सूरः कहफ	६	सूरः काफिरून	९
सूरः मरयम	६	सूरः ताहा	९
सूरः नून	७	सूरः अंबिया	९

Scanned by CamScanner

विषय	पृष्ठांक
वशीकरण का लाजवाब मन्त्र	३७
प्रेमिका के लिए मन्त्र	३८
नमकवशीकरण मन्त्र	३८
कतिपय अन्य उपयोगी प्रयोग	३८
किसी भी मन्त्र के लिए काट का मन्त्र	३९
रोजगार बाधानाशक मन्त्र	३९
आँख की फूली काटने के लिए मन्त्र	४०
गरीबी दूर करने हेतु मन्त्र	४०
औरत की छातियाँ गायब	४०
वशीकरण	४१
परियों का खलल दूर करने का मन्त्र	४१
भूत-वगैरह का गण्डा	४१
मुहम्मदापीर का मन्त्र	४२
आफत दूर करने का (दिग्बन्धन) मन्त्र	४२
मुसीबत टालने का मन्त्र	४३
कार्यसाधना मन्त्र	४३
पीर का कलमा	४४
बच्चों के लिए गंडा	४४
दिन के मन्त्र	४४
मोहताज न रखने वाला 'से' मन्त्र	४५
मनोभिलाषा-पूरक 'जीम' मन्त्र	४५
शत्रुभय-नाशक 'हे' मन्त्र	४६
मनुष्य को लौटाने वाला 'खे' मन्त्र	४६
शत्रुनाशक-धनवृद्धि-कारक 'दाल' त्र	४६
द्धि-वशीकरण-हेतु 'जाल' मन्त्र	४६
न प्राप्त करने का मन्त्र	४७
क 'जे' मन्त्र	४७
-प्रदायक 'सीन' मन्त्र	४७
र्भ-ज्ञान-प्रदायक	४८
शत्रुता-विनाशक एवं थकान-नाशक 'स्वाद' मन्त्र	४८
हृदयदौर्बल्यनाशक तथा शत्रु-जिह्वास्तम्भक 'ज्वाद' मन्त्र	४८
वशीकरणकारक एवं कार्यसाधक 'तोय' मन्त्र	४८
शत्रुभय-नाशक 'जोय' मन्त्र	४९
वणीकरणकारक 'ऐन' मन्त्र	४९
शत्रु-नाशक 'गैन' मन्त्र	४९
आकर्षण, वशीकरण तथा शत्रु-पीड़ाकारक 'फे' मन्त्र	५०
नींद हराम करने वाला 'काफ' मन्त्र	५०
विद्यावर्द्धक 'गाफ' मन्त्र	५१
सर्वप्रियता-दायक 'लाम' मन्त्र	५१
लोकप्रियता-दायक 'मीम' मन्त्र	५१
श्रेष्ठ विद्यादायक एवं स्वप्न में उत्तरदायक 'नून' मन्त्र	५१
मनोरथ-पूर्तिदायक 'वाव' मन्त्र	५१
भवनसुरक्षा-कारक 'हे' मन्त्र	५२
जिह्वा-स्तम्भनकारक 'ये' मन्त्र	५२
कामनापूरक मन्त्र	५२
गृहरक्षाकवच मन्त्र	५३
गृह-रक्षामन्त्र	५३
आग कम करने का मन्त्र	५३
देह-रक्षक मुस्लिम मन्त्र	५४
पीर-पैगम्बर बुलाने का मन्त्र	५४
पान वशीकरण मन्त्र	५५
मनोकामना-पूरक प्रयोग	५५
दरिद्रता-नाशक प्रयोग	५५
रोजी-प्राप्ति का प्रयोग	५५
रोजी-दायक प्रयोग	५६
रोजी-दायक प्रयोग	५६
मनोकामनापूर्ति मन्त्र	५६
राजसभा-मोहन प्रयोग	५६

विषय	पृष्ठांक
सभा-मोहन प्रयोग	५७
राज्य-कर्मचारी वशीकरण प्रयोग	५७
वशीकरणकारक काले कालवे का प्रयोग	५७
वशीकरण प्रयोग	५८
स्त्रीमोहन प्रयोग	५८
स्त्री-वशीकरण प्रयोग	५९
रजोवेदना-निवारण मन्त्र	६०
मासिक विकार-नाशक मन्त्र	६१
प्रसव कष्ट-निवारण मन्त्र	६१
मृगी रोग-हरण मन्त्र	६१
रतौंधी-विनाशक मन्त्र	६१
स्त्रीसौभाग्य-वर्द्धक मन्त्र	६१
चोरभय-हरण मन्त्र	६२
चोर पकड़ने का मन्त्र	६२
मुकदमा जीतने का मन्त्र	६२
द्यूत-विजय मन्त्र	६२
ऋद्धि-करण मन्त्र	६३
धन-प्राप्ति मन्त्र	६३
भूख-प्यास-निवारण मन्त्र	६३
पीलिया झारने का मन्त्र	६३
मारण-प्रयोग	६३
शत्रु-सन्तान-विनाशक मन्त्र	६४
वैरी-विनाशक मन्त्र	६४
प्राण-हरण मन्त्र	६५
मारण मन्त्र	६५
शत्रु-मनमोहन मन्त्र	६५
अश्व-मारण मन्त्र	६६
मारण मन्त्र	६६
उच्चाटन महामन्त्र	६६
उच्चाटन मन्त्र	६६
जगत् मोहन मन्त्र	६७
सर्वजनसम्मोहन मन्त्र	६७
मोहन मन्त्र	६८
मोहनमोहिनी मन्त्र	६८
ग्राममोहन मन्त्र	६९
कामिनी-मनमोहन मन्त्र	६९
आकर्षण मन्त्र	७०
स्त्री-आकर्षण मन्त्र	७०
कामिनी आकर्षण मन्त्र	७१
आकर्षण मन्त्र	७१
त्रैलोक्यवशीकरण मन्त्र	७१
वशीकरण मन्त्र	७२
भूतनाथ वशीकरण मन्त्र	७३
मित्र-वशीकरण मन्त्र	७३
पति-वशीकरण मन्त्र	७३
पुरुष-वशीकरण मन्त्र	७३
वशीकरण सिन्दूर मन्त्र	७३
वशीकरण महामन्त्र	७४
पति-वशीकरण प्रयोग	७४
कामिनी वशीकरण मन्त्र	७४
वशीकरण तन्त्र	७५
अग्निस्तम्भन मन्त्र	७५
अद्भुत अग्निस्तम्भन मन्त्र	७६
जलस्तम्भन मन्त्र	७६
मेघस्तम्भन मन्त्र	७७
बुद्धिस्तम्भन मन्त्र	७७
मुखस्तम्भन मन्त्र	७७
सिंहस्तम्भन मन्त्र	७७
आसन-स्तम्भन मन्त्र	७८
सर्प-स्तम्भन मन्त्र	७८
शस्त्र-स्तम्भन मन्त्र	७९
क्षुधास्तम्भन मन्त्र	७९
वीर्यस्तम्भन प्रयोग	७९
जलस्तम्भन मन्त्र	८०
खंजनस्वरज्ञान मन्त्र	८०
शृगालस्वर-ज्ञान मन्त्र	८०
मूषकसिद्धि मन्त्र	८१

Scanned by CamScanner

विषय	पृष्ठांक	विषय	पृष्ठांक
सर्प-विषनाशक मन्त्र	१२२	मुखव्रणनाशक योग	१३७
नजर उतारने का मन्त्र	१२३	केश को काला बनाने वाले योग	१३७
आमरक्त-नाशक मन्त्र	१२३	जूँ-नाशक प्रयोग	१३७
अतिसार-नाशक मन्त्र	१२३	इन्द्रलुप्तनाशक योग	१३७
विविध भाँति के रोगों का निवारण	१२३	देहरंजन	१३८
उदर-विकारनिवारण	१२४	मुखरञ्जन	१३९
नेत्ररंजनकरण	१२४	केशरंजन	१४१
समस्त रोगों का निवारण	१२४	स्नानद्रव्य	१४३
कुत्ता-विष निर्विषीकरण	१२४	जूँ आदि नाशक योग	१४३
विविध भाँति के जहरीले		इन्द्रलुप्त-नाश	१४४
जन्तुओं का विषनिवारण	१२४	वाजीकरण योग	१४५
सर्पविषनाशक औषधियाँ	१२५	नृसिंह चूर्ण	१४६
अपने स्वर को गानविद्या में		कामकलारस	१४७
सुरीला बनाना	१२६	अनङ्गसुन्दरी वटिका	१४७
नेत्ररोग-निवारण तथा रक्षण	१२६	महाकामेश्वर रस	१४८
श्रवण शक्तिवर्धन	१२७	कामाङ्गनायक चूर्ण	१४८
दाँतों का सुदृढ़ीकरण	१२८	कामामृत योग	१४९
रक्षा का उपाय	१२८	धात्रीलोह	१४९
भाग्यविहीनीकरण	१२९	स्त्रीसंगमकाल	१५०
विवादकारक प्रयोग	१२९	वाजीकरणीया नारी	१५१
घर से उत्पीड़क जीवों का विनाश	१२९	वीर्य-पुष्टिकरण हेतु अग्राह्य	
रोग-विनाशक योग	१३०	पदार्थों का निषेध	१५१
नष्ट रजोधर्म का पुनः ठीक होना	१३१	योनिसंकोच	१५१
मासिककाल में अत्यधिक		स्त्रीद्रावण	१५१
रजःस्राव का दूरीकरण	१३२	लिंग का स्थूलीकरण	१५३
जन्मजात बांझपन का निवारण	१३२	रोमविनाशक योग	१५४
काकवन्ध्या-निवारण	१३३	स्तनदृढ़ीकरण	१५५
मृतवत्सात्व-निवारण	१३३	योनिशोधन	१५६
सरलतापूर्वक प्रसवकरण	१३४	लिंग-उत्थापन	१५६
बलवर्धक योग	१३५	रुका रजोदर्शन पुनः होना	१५६
अनिद्रा-निवारक योग	१३५	गर्भ-निवारण	१५७
सौभाग्यवर्धन विधान	१३६	रक्त-निवारण	१५७
शरीरांजन विधि	१३६	सुखपूर्वक प्रसव	१५८
मुख का सुवासितीकरण	१३६	सूतिकागृह में भूत-प्रेतादि से बालरक्षण	१५९

विषय	पृष्ठांक	विषय	पृष्ठांक
विवादकारक प्रयोग	१६०	चौकी देने का मन्त्र	१७३
गृहक्लेश-शान्ति	१६१	आँखदर्द पर मन्त्र	१७३
बुद्धि-स्मृति-शक्ति आदि की वृद्धि	१६२	बिना चाबी के ताला खोलने का तन्त्र	१७४
गले को सुरीला करना	१६३	वशीकरण तन्त्र	१७४
नेत्रशक्ति-वर्द्धन	१६४	मोहिनी मन्त्र	१७४
बहरापन दूर करना	१६५	दुखती आँख ठीक होने का मन्त्र	१७५
दाँतों को सुदृढ़ बनाना	१६६	जुआ जीतने का तन्त्र	१७५
गण्डमाला रोगनाश	१६७	जुआ जीतने का मन्त्र	१७५
आहारवर्द्धक योग	१६७	लोना चमारिन की विद्या	१७५
भूख-प्यास रोकना	१६८	विधियाँ	१७६
लकवा-नाशक टोटका	१६८	मुठी रखने की विधि और समय	१८३
मस्सा-नाशक टोटका	१६८	मढ़िया दीवाल को सम्मुख बुलाना	१८५
ज्वरनाशक टोटका	१६८	मढ़िया दीवाल वालों को	
कीटाणु-रक्षक टोटका	१६८	परेशान करने का तन्त्र	१८६
आधा सिरदर्द-नाशक टोटका	१६९	भूत-प्रेत उतारने का मन्त्र तथा तन्त्र	१८६
प्रसवपीड़ा-हारी टोटका	१६९	गाय भैंस आदि पशु के दूध न	
कनखजूरे के काटने पर टोटका	१६९	देने का तन्त्र	१८७
अग्नि प्रज्वलित करने का टोटका	१६९	पशुओं की बीमारी झाड़ने का मन्त्र	१८७
पुत्र से पुत्री होने का टोटका	१६९	भूत-प्रेतों को भगाना	१८८
पेट के कीड़ों पर टोटका	१६९	अन्य मन्त्र	१८९
दस्त व उल्टी पर टोटका	१६९	बुद्धिवृद्धि तथा विद्या-प्राप्ति के	
कामण नष्ट करने का टोटका	१७०	लिये तन्त्र	१८९
हाथ में सिक्का जलाना	१७०	भैरव द्वारा मारण मन्त्र	१९०
गर्भ स्थापन-औषध स्नान	१७०	मोहनी मन्त्र	१९०
मासिक धर्म के लिए टोटका	१७०	धूल-वशीकरण मन्त्र	१९०
नजर उतारने के टोटके	१७०	वशीकरण मन्त्र और तन्त्र	१९१
गृहकीलन मन्त्र	१७१	लाई-भुंजे का तन्त्र	१९१
भिलावा निनवा झाड़ने का मन्त्र	१७१	पानी से भरे गुण्ड फूटे	१९
दूध उतारने का मन्त्र	१७१	खेतों का उपद्रव दूर करने हेतु	
कुसका झाड़ना मन्त्र	१७१	मन्त्र और तन्त्र	१९
आँख झाड़ने का मन्त्र	१७२	आग पर चलने का तन्त्र	१९
आँचल झाड़न मन्त्र	१७२	फूल नहीं मुरझाने का तन्त्र	१९
आधा सीसी का मन्त्र	१७३	मुँह के अन्दर से आग निकलने	
आँख झाड़ने का मन्त्र	१७३	का तन्त्र	१

Scanned by CamScanner

विषय	पृष्ठांक
दिग्बन्धन मन्त्र	२२८
यात्रा में देहरक्षा मन्त्र	२२८
आत्मरक्षा मन्त्र	२२९
व्याघ्र-सर्पादिक भय-निवारण मन्त्र	२३०
आपत्ति-निवारण मन्त्र	२३०
गृहबन्धन मन्त्र	२३०
चोरभय-निवारण मन्त्र	२३०
चोरभय-निवारण तन्त्र	२३०
चोर के धनसहित आने का मन्त्र	२३०
चोर पहचानने का मन्त्र	२३१
चोर के मुख से रक्त निकलने का मन्त्र	२३१
चोर का नाम निकालने का मन्त्र	२३१
कटोरी-चलावन मन्त्र	२३१
चोर के स्वप्न का मन्त्र	२३२
चोरबन्धन मन्त्र	२३२
युद्ध-विजयकरण मन्त्र	२३२
कुश्ती जीतने का मन्त्र	२३२
मुकदमा जीतने का मन्त्र	२३३
जुआ जीतने का मन्त्र	२३३
जुआ जीतने का तन्त्र	२३३
अत्याहार-करण मन्त्र	२३३
निधिदर्शन मन्त्र	२३३
अदृश्य धन जानने का मन्त्र	२३४
स्थान खोदने का मन्त्र	२३४
गड़े धन की परीक्षा	२३४
अन्नपूर्णा मन्त्र	२३४
ऋद्धि-सिद्धि का मन्त्र	२३४
ऋद्धिकरण लक्ष्मी मन्त्र	२३५
अनायास धनप्राप्ति का मन्त्र	२३५
ऋद्धिकरण तन्त्र	२३६
खर्चा हुआ धन फिर लाने का तन्त्र	२३६
स्त्री-पुरुष विद्वेषकरण मन्त्र	२३६
विद्वेषण तन्त्र	२३६
कान झारने का मन्त्र	२३७
कण्ठमाला झारने का मन्त्र	२३८
सिरपीड़ा झारने का मन्त्र	२३८
नकसीर दुःख-निवारण मन्त्र	२३८
नेत्रदुःख-निवारण मन्त्र	२३८
पीलिया (कमल) रोग झारने का मन्त्र	२३९
भूत झारने का मन्त्र	२३९
ज्वर झारने का मन्त्र	२३९
अतरा, तिजारी तथा चौथिया का मन्त्र	२४०
कठफोड़वा टोटका	२४०
कौवा टोटका	२४१
रक्त-अर्श चिकित्सा	२४१
बिबाई चिकित्सा	२४१
हार्निया चिकित्सा	२४१
चम्बल रोग चिकित्सा	२४१
चेहरे के धब्बे हटाना	२४२
रसौलियों की चिकित्सा	२४२
शतवर्षीय जीवन टोटका	२४३
निमोनिया रोग चिकित्सा	२४४
लंगरशूल चिकित्सा	२४५
गिल्टी-चिकित्सा	२४५
हिचकी रोग चिकित्सा	२४५
संग्रहणी रोग चिकित्सा	२४५
दमा-चिकित्सा	२४६
उन्माद-चिकित्सा	२४६
मधुमेह-चिकित्सा	२४७
तोतला-चिकित्सा	२४७
मिर्गी-चिकित्सा	२४८
अधिक मूत्र की चिकित्सा	२४९
उपदंश की चिकित्सा	२४९
नकसीर-चिकित्सा	२५०
केशहारी टोटका	२५०

विषय	पृष्ठांक
कण्ठमाला-चिकित्सा	२५०
फुलबहरी-चिकित्सा	२५१
प्रसवकष्ट दूर करने का उपाय	२५१
वस्त्रों के हर प्रकार के दाग-धब्बे दूर करना	२५१
अद्वितीय अंजन	२५१
चश्मा छुड़ाना	२५२
केश काला टोटका	२५२
केश उगाना	२५२
आधाशीसी चिकित्सा	२५३
मलेरिया बुखार-चिकित्सा	२५३
काली खाँसी-चिकित्सा	२५३
गठियाबाई चिकित्सा	२५३
आँख का फोला काटना	२५४
फोड़े की चिकित्सा	२५४
भगन्दर रोग की चिकित्सा	२५४
कुष्ठ रोग की चिकित्सा	२५५
सर्पदंश की चिकित्सा	२५५
पुत्रोत्पत्ति टोटका	२५५
मूत्रकृच्छ्र-चिकित्सा	२५५
फीलिया-चिकित्सा	२५६
यौवन टोटका	२५७
पागलपन-नाशक टोटका	२५७
नेत्रज्योतिवर्द्धक टोटका	२५७
चेचक से सुरक्षा	२५८
खोया बच्चा मिलने का टोटका	२५८
बच्चे की खाँसी दूर करने का टोटका	२५८
पशु का दूध न सूखने का टोटका	२५९
पशुओं की दुग्धवृद्धि का टोटका	२५९
घोड़े की चाल तेज करने का टोटका	२५९
उजड़ा बाग हरा करने का टोटका	२६०
आमों को मीठा करने का टोटका	२६०
फसल की रक्षा का उपाय	२६१
पारे की भस्म (कलई) बनाना	२६१
वर्षा बन्द करना	२६१
लाटरी जीतने का टोटका	२६२
गड़ा धन प्राप्त करने का टोटका	२६२
गड़ा धन दिखाई पड़ने का टोटका	२६२
प्यास न लगने का टोटका	२६२
वाक्-सिद्धि टोटका	२६३
चोर द्वारा चोरी न कर सकने का टोटका	२६४
भूत-प्रेत दूर करने का टोटका	२६४
भविष्यवाणी करने का टोटका	२६५
अदृश्य करने का टोटका	२६६
चोर का पता लगाने का टोटका	२६७
पुत्रप्राप्ति यन्त्र	२६७
त्रिपुरसुन्दरी यन्त्र	२६८
गर्भरक्षा यन्त्र	२६८
पुत्ररक्षक यन्त्र	२६९
आधाशीशी-नाशक यन्त्र	२६९
ज्वरनाशक यन्त्र	२७०
कर्णपीड़ाहारक यन्त्र	२७१
अर्शरोगनाशक यन्त्र	२७२
वायुगोलानाशक यन्त्र	२७२
प्रेतबाधानाशक यन्त्र	२७३
भूतभयनाशक यन्त्र	२७३
प्रेतबाधानाशक यन्त्र	२७४
बालकों के भूतग्रहनाशक यन्त्र	२७४
स्वप्न में भूतदर्शन	२७४
गृहभूत-बाधानाशक यन्त्र	२७५
शत्रुनाशक यन्त्र	२७५
शत्रु के घर में झगड़ा कराने का यन्त्र	२७६
घर छोड़े व्यक्ति को वापस लाने का यन्त्र	२७६

Scanned by CamScanner

विषय	पृष्ठांक
चोरी गये पशु वापस लाने का यन्त्र	२७७
बुरी नजर दूर करने का यन्त्र	२७७
व्यापारवृद्धि यन्त्र	२७८
व्यापार-वशीकरण यन्त्र	२७८
दुष्ट नजर से रक्षायन्त्र	२७९
संकटनाशक यन्त्र	२७९
सर्वसिद्धि यन्त्र	२७९
तिजरा ज्वरनाशक यन्त्र	२८०
स्मरणशक्तिवर्द्धक यन्त्र	२८०
त्वरित मनोकामनापूर्ति यन्त्र	२८०
सड़कदुर्घटना-निवारक यन्त्र	२८१
सर्वांगीण उन्नति हेतु यन्त्र	२८१
जुआ जीतने का यन्त्र	२८२
वचनसिद्धि यन्त्र	२८२
भयनाशक यन्त्र	२८२
सर्वसिद्धिदाता यन्त्र	२८३
बुरी नजर उतारने का मन्त्र	२८३
नजर उतारने का टोटका	२८३
कुछ उपयोगी टोटके	२८५
वशीकरण प्रयोग	२८७
रक्षा के लिये प्रयोग	२८७
श्वेत आक की कील का प्रयोग	२८७
टोने-टोटके से सुरक्षित रहने का प्रयोग	२८७
सफेद आक से वशीकरण प्रयोग	२८७
बवासीर दूर करने का प्रयोग	२८७
पीलपाँव को नष्ट करने का प्रयोग	२८७
सन्तानप्राप्ति का प्रयोग	२८८
वशीकरण तिलक	२८८
नजर दूर करने के लिये	२८८
मोहिनी काजल	२८८
अग्निदुर्घटना दूर करने के लिये	२८८
वीर्यस्तम्भन	२८८
मक्खियों को दूर करने के लिये	२८९
ज्वर-नाश के लिये	२८९
नेत्ररोग दूर करने के लिये	२८९
कण्ठमाला के लिये	२८९
ज्वरनाश के लिये	२८९
बिच्छू के विषनाश के लिये	२८९
दमा दूर करने के लिये	२८९
प्रसव के लिये	२८९
वशीकरण के लिये	२९०
वशीकरण तिलक	२९०
वेश्या-वशीकरण के लिये	२९०
मोहिनी काजल	२९०
सर्प दूर करने के लिये	२९०
मच्छर आदि को दूर करने के लिये	२९१
दर्द दूर करने के लिये	२९१
प्रसव के लिये	२९१
शत्रु-मुखस्तम्भन के लिये	२९१
शत्रु पराजित करने के लिये	२९१
उल्लू की पूँछ के पंख से सफलता	२९१
मोहन प्रयोग	२९१
ज्ञान-प्राप्ति	२९२
तैरने के लिये उल्लू का पंख	२९२
वशीकरण के लिये	२९२
दुष्ट ग्रहनाशक मन्त्र	२९२
मिर्गी दूर करने के लिये	२९२
घर सूना करने के लिये	२९२
अदृश्याञ्जन के लिये	२९२
उल्लू के पंखों से मोहन प्रयोग	२९२
रक्षा के लिये	२९३
व्याधिनाश के लिये	२९३
श्वेत कनेर के फूल	२९३
श्वेत कनेर की कील	२९३
श्वेत कनेर से आकर्षण	२९३
लाल कनेर की कील	२९३
काली कनेर के फूल	२९४

विषय	पृष्ठांक
काले कनेर की जड़	२९४
मारण के लिये	२९४
लकवा दूर करने के लिये	२९४
बाधा दूर करने के लिये	२९४
पथरी (अश्मरी) के लिये	२९४
ऊपरी शिकायत दूर करने के लिये	२९४
शनि दूर करने के लिये	२९४
भोजपत्र की रक्षा के लिये	२९४
भोजपत्र की धूप	२९५
अनार का बांदा	२९५
पति-वशीकरण के लिये	२९५
सन्तान के लिये	२९५
ग्रहदोष दूर करने के लिये	२९५
शनि दूर करने के लिये	२९५
नागदौन की जड़ (नागरमनी)	२९५
रोगनाश के लिये	२९५
दरिद्रता-नाश के लिये	२९६
नागदौन की कलम	२९६
अकालमृत्यु के लिये	२९६
वशीकरण के लिये	२९६
नागदौन का पौधा	२९६
नागदौन की माला	२९६
मेंहदी की छाल	२९६
क्रोधशान्ति के लिये	२९६
ग्रह दूर करने के लिये	२९६
मासिक स्राव बन्द करने के लिये	२९६
कीटाणु से रक्षा के लिये	२९७
ज्वरनाश के लिये	२९७
शोकनाश के लिये	२९७
सफलता के लिये	२९७
देवी को प्रसन्न करने के लिये	२९७
लाभ के लिये	२९७
स्त्री-रोगनाश के लिये	२९७
चिन्ता के लिये	२९७
धन के लिये	२९७
दारिद्र्यनाशक प्रयोग	२९७
अशोक का बांदा	२९७
धन के लिये	२९८
अशोक की कलम	२९८
भूख दूर करने के लिये	२९८
विषम ज्वर दूर करने के लिये	२९८
वातज ज्वर के लिये	२९८
उत्तम पति के लिये	२९८
पशु-पक्षी और शत्रु की गति अवरुद्ध करने के लिए	२९८
प्रसवपीड़ा दूर करने के लिये	२९९
सर्पविष दूर करने के लिये	२९९
बिच्छू के विष को दूर करने के लिये	२९९
पेट के कीड़ों को दूर करने के लिये	२९९
मासिक धर्म के लिये	२९९
मारण के लिये	२९९
कलह के लिये	२९९
सर्वजन-वशीकरण मन्त्र	२९९
पति-वशीकरण मन्त्र	३००
विवाह के लिये	३००
मतभेद (गृहस्थबाधा) दूर करने के लिये	३००
ग्रहदोष दूर करने के लिये	३००
मिर्गी दूर करने के लिये	३०१
वशीकरण के लिये	३०१
धन वृद्धि के लिये	३०१
युद्ध में विजय के लिये	३०१
मैथुन के लिये	३०१
दुर्भाग्य के लिये	३०१
पीपल का बांदा	३०१
पीपल की कील	३०१

Scanned by CamScanner

विषय	पृष्ठांक
ज्वर दूर करने के लिये	३०१
कामना के लिये	३०१
प्रेत सिद्ध करने का मन्त्र	३०१
बिल्ली द्वारा काटने पर	३०२
तिल का हवन	३०२
भूत-प्रेत दूर करने के लिये	३०२
मृत्यु के लिये	३०२
मक्खियाँ दूर करने के लिये	३०२
दाँत का कीड़ा दूर करने के लिये	३०२
पृथ्वी में छिपा धन देखने के लिये	३०२
स्वप्नदोष दूर करने के लिये	३०२
गर्भरक्षक टोटका	३०२
सर्प दूर करने के लिये	३०३
पुत्रप्राप्ति के लिये	३०३
ताबीज के लिये	३०३
विजय के लिये	३०३
स्वप्नदोष के लिये	३०३
वीर्यस्तम्भन के लिये	३०३
उच्चाटन के लिये	३०३
प्रसव के लिये	३०३
वशीकरण के लिये	३०४
रक्तगुञ्जा कल्प	३०४
श्वेत गुञ्जा	३०६
विष दूर करने के लिये	३०६
पुत्रप्राप्ति के लिये	३०६
गुप्त शक्तियों के दर्शन के लिये	३०६
आकर्षण के लिये	३०७
रक्त चन्दन	३०७
शत्रु के यहाँ झगड़े के लिये यन्त्र	३०७
व्यापारवृद्धि के लिये यन्त्र	३०७
दुष्ट नजर से रक्षा के लिये यन्त्र	३०८
सूखा रोग दूर करने के लिये यन्त्र	३०८
श्वेत चंदन	३०८
बुरी नजर दूर करने के लिये	३०९
शीतला देवी का मन्त्र	३०९
कर्णपीड़ा दूर करने के लिये	३१०
गोदड़सिंगी	३१०
एरण्ड वशीकरण मन्त्र	३१०
दिन में तारे देखने के लिये	३११
झगड़े के लिये	३११
रोग दूर करने के लिये	३११
ज्वर दूर करने के लिये	३११
वन्ध्या होने के लिये	३११
पुत्रप्राप्ति के लिये	३११
चैतन्यता के लिये	३११
बेरी का बांदा	३११
बेरी की कील	३१२
सीरीष की कील	३१२
रीठा से गर्भनिरोध	३१२
दृष्टिदोष दूर करने के लिए	३१२
हिंगोट का प्रयोग	३१२
बकुम्बर का प्रयोग	३१३
लाल दुधी का प्रयोग	३१३
दिव्य तन्त्र	३१३
करामाती अँगूठी तथा दर्पण	३१३
अद्भुत तन्त्र (स्तनहीनता)	३१४
बैंगन का प्रयोग	३१४
वीरवहूटी का प्रयोग	३१४
कौंच का प्रयोग	३१४
कासमर्द (कसौंदी) का प्रयोग	३१५
स्तम्भन तन्त्र	३१५
ऊँट की हड्डी का प्रयोग	३१५
दुमुही सर्प का प्रयोग	३१६
मेढ़क पारद की गोली	३१६
निर्गुण्डी का प्रयोग	३१६
सूअर का दाँत	३१६
व्याधिनाशक तन्त्र प्रयोग	३१६
ज्वरनाशार्थ-प्रयोग	३१६

विषय	पृष्ठांक
मिर्गी रोग के लिये प्रयोग	३१७
तरुण वृक्ष (बरना) का प्रयोग	३१७
बिलाव एवं सिंह के नख का प्रयोग	३१७
लाजवन्ती का प्रयोग	३१७
सहदेवी का प्रयोग	३१७
झिझोरा का प्रयोग	३१८
उल्टा बालक या तान्त्रिक शिशु	३१८
लालण का प्रयोग	३१८
धतूरा का प्रयोग	३१९
जलकुम्भी का प्रयोग	३१९
काकलहरी का प्रयोग	३१९
अश्वभेदी (घोड़ामार) का प्रयोग	३१९
आक का प्रयोग	३२०
नजर लगने में प्रयोग	३२०
मकोय का प्रयोग	३२०
भगरा (घमरा) का प्रयोग	३२०
गुँजा का प्रयोग	३२१
हुलहुल का प्रयोग	३२१
इन्द्रायण का प्रयोग	३२१
कटहली (अपराजिता, गिरीकर्णी) का प्रयोग	३२१
सिरदर्द	३२१
साँप का भगाना	३२२
श्वेत खरैटी का प्रयोग	३२२
स्तन कठोर, स्थिर करे, स्तनहीनता	३२२
मोरैठी (मधुक, गुल-दुपहरी) का प्रयोग	३२२
षड्बिन्दु तेल (चक्रदत्त) नस्य	३२२
चमत्कारी नस्य	३२२
अगद तन्त्र	३२३
अगदपताका तन्त्र	३२३
मेंहदी का प्रयोग	३२३
काले घोड़े की पैरों की पगतली (नाल)	३२४
स्तम्भन (गाय का सींग)	३२४
बैल के सींग का अंकुर (बवासीर, आतशक)	३२४
बैल के पेशाब का तान्त्रिक प्रयोग	३२४
चेचक का फूला	३२५
आँख के पानी का तान्त्रिक योग	३२५
कान के मैल का तान्त्रिक योग	३२५
मृगचिड़ा का तान्त्रिक योग	३२५
कौवे की बीट	३२५
विजोरा नीम्बू	३२५
शुक्रस्तम्भन योग	३२५
बालक का दाँत (तान्त्रिक प्रयोग)	३२५
कुत्ते की हड्डी (मृगी रोग)	३२६
हाथी दाँत (तान्त्रिक प्रयोग)	३२६
करेले की जड़ और केले की जड़	३२६
गंवारा (गँवार)	३२६
गम्भारी (तान्त्रिक प्रयोग)	३२६
ततैये का विष	३२६
पलाश का बांदा	३२६
बेर, अनार, कीकर का बांदा	३२६
लिसोड़ा	३२७
लक्ष्मीप्राप्ति के लिए आम का बांदा	३२७
जीविकाप्राप्ति कमे लिये पीपल का बांदा	३२७
धान्यभण्डार-हेतु पलाश का बांदा	३२७
रंग-परिवर्तन	३२८
अग्निस्तम्भन	३२८
दिन में तारे दिखाना	३२८
तिलस्मात	३२८
तिलस्म (शुक्रस्तम्भन)	३२८
शुक्रस्तम्भन	३२९
हाजरात	३२९
उदयभास्कर तन्त्रयोग	३२९

Scanned by CamScanner

विषय	पृष्ठांक	विषय	पृष्ठांक
[illegible]	३२९	विद्या-प्राप्ति मन्त्र	३४२
[illegible] एवं [illegible] [illegible] मन्त्र	३३०	कर्णेश्वरी मन्त्र	३४२
[illegible] मन्त्र	३३०	सर्वकार्य साधक काली मन्त्र	३४२
[illegible] का अनुभूत मन्त्र	३३१	डमरू वादन मन्त्र	३४२
[illegible] मन्त्र	३३२	कारण अघोर मन्त्र	३४३
[illegible]	३३२	भूत-प्रेत झाड़ा मन्त्र	३४३
[illegible]-भूत एवं रोगनिवारण मन्त्र	३३२	ज्वरनाशक मन्त्र	३४३
[illegible] मन्त्र	३३३	अग्निशमन मन्त्र	३४३
[illegible] झाड़ने का मन्त्र	३३३	दुग्धवृद्धि मन्त्र	३४३
[illegible] झाड़ने का मन्त्र	३३३	भूतादि को मारने का मन्त्र	३४३
[illegible] मन्त्र	३३३	गुप्त बात जानने का मन्त्र	३४३
[illegible] मन्त्र	३३३	बुखार-नाशक प्रयोग	३४४
टोना झाड़ने का मन्त्र	३३४	सिर की पीड़ा दूर करने का मन्त्र	३४४
टोना लगाने का मन्त्र	३३४	आधासीसी दूर करने का मन्त्र	३४४
भूत-प्रेत बाँधने का मन्त्र	३३४	नेत्ररोग-शमन का मन्त्र	३४४
[illegible]-नाशन मन्त्र	३३५	कर्णमूल की पीड़ा दूर करने का मन्त्र	३४५
शत्रुस्तम्भन मन्त्र	३३५	बिच्छू का विष उतारने का मन्त्र	३४५
शत्रुपीड़ाकारक मन्त्र	३३५	अण्डवृद्धि दूर करने का मन्त्र	३४५
गर्भस्तम्भन मन्त्र	३३६	भूत-प्रेत बाधा दूर करने का मन्त्र	३४५
टोना झाड़ने का मन्त्र	३३६	चूहे दूर करने का मन्त्र	३४६
निरोग-दीर्घायुकारक मन्त्र	३३६	सूअर और चूहा दूर करने का मन्त्र	३४६
चमत्कारी महाकाली सिद्ध अनुभूत मन्त्र	३३९	शरीररक्षा का मन्त्र	३४६
सङ्कट-निवारक काली मन्त्र	३४०	अर्शरोग-निवारक मन्त्र	३४६
यात्रा की सफलता का मन्त्र	३४१	पीलियारोग-निवारक मन्त्र	३४६
यात्रा के गन्तव्य स्थान में सुविधा का मन्त्र	३४१	दाँत का कीड़ा झाड़ने का मन्त्र	३४६
कार्य की सफलता का मन्त्र	३४१	नेत्ररोग-शामक मन्त्र	३४७
भण्डार अक्षय करने का मन्त्र	३४१	अग्निबन्धन करने का मन्त्र	३४७
गृहरक्षा मन्त्र	३४२	प्रेतबाधा-निवारक मन्त्र	३४७
भूत-प्रेत से रक्षा का मन्त्र	३४२	विष उतारने का मन्त्र	३४७
कारामुक्ति का मन्त्र	३४२	शत्रुसंकट-निवारक मन्त्र	३४७
हनुमान के अखाड़े का वीर मन्त्र	३४२	महामारी, अमङ्गल ग्रहदोष एवं भूत-प्रेतादिनाशक मन्त्र	३४८
		हनुमान वीर-साधना मन्त्र	३४८

विषय	पृष्ठांक	विषय	पृष्ठांक
वशीकरण प्रयोग	३४९	वशीकरण मन्त्र	३६१
रक्षा-प्रयोग	३५०	बवासीर मन्त्र	३६१
मोहनी-प्रयोग	३५१	आकर्षण मन्त्र	३६१
सर्वकार्यसिद्धि जञ्जीरा मन्त्र	३५१	नेत्रदर्द दूर करने का मन्त्र	३६१
आसन-बन्धन मन्त्र	३५२	वशीकरण मन्त्र	३६१
लाठी या शस्त्रबन्धन	३५२	सफलता-लाभ-धन-पुत्र-अन्नप्राप्ति	
टोना-निवारण	३५२	का मन्त्र	३६२
शत्रुनाशक मन्त्र	३५२	सुख-सुविधाप्राप्ति का मन्त्र	३६३
रोगनाशक मन्त्र	३५३	भोजन मँगवाने का मन्त्र	३६३
महाकाली बाँध मन्त्र	३५३	मृतवत्सा के पुत्र जीवित रहने	
हनुमान बाँध मन्त्र	३५३	का मन्त्र	३६३
उच्चाटन मन्त्र	३५३	समस्त ऐश्वर्यदायक मन्त्र	३६३
आकर्षण मन्त्र	३५४	सुखप्रसव-हेतु मन्त्र	३६३
पुष्पमाला पर आकर्षण मन्त्र	३५५	अधिक रज:स्राव को रोकना	३६३
शत्रुहन्ता प्रयोग	३५६	हिचकी बन्द करना	३६४
शान्तिकारक मन्त्र	३५७	स्वप्न में उत्तर पाने हेतु	३६४
चोट, मोच, दर्द दूर करने का मन्त्र	३५७	श्वास-रोग-निवारण	३६४
दाँत-दर्द दूर करने का मन्त्र	३५७	देहरक्षा मन्त्र	३६४
बजरङ्ग वशीकरण शाबर मन्त्र	३५८	शत्रुस्तम्भन हेतु	३६४
फुलै रोगनाशक मन्त्र	३५८	रक्षा मन्त्र	३६४
बुध भैरो मन्त्र	३५८	मन्त्र-जँजीरा	३६४
मोहनी सिन्दूर मन्त्र	३५८	वशीकरण पुत्तलिका मन्त्र	३६५
आकर्षण मन्त्र	३५९	मोहनी मन्त्र	३६५
रोगनाशक मन्त्र	३५९	शाबर शक्ति मन्त्र	३६६
दुर्जन मनुष्य को वश में करना	३५९	गुरु मन्त्र	३६६
कार्य में सफलता-हेतु	३५९	शाबर मेरु मन्त्र	३६६
धनप्राप्ति मन्त्र	३५९	तन्त्र-मन्त्र-यन्त्र जागृत करने	
ऋणमुक्ति-हेतु मन्त्र	३६०	का मन्त्र	३६६
वशीकरण हेतु प्रयोग	३६०	शरीर-बन्धन मन्त्र	३६७
शत्रु भगाने हेतु प्रयोग	३६०	प्रेत भगाने का मन्त्र	३६७
शत्रु को भ्रमण कराने का प्रयोग	३६०	प्रेत उतारने का मन्त्र	३६८
कवित्व-शक्ति प्राप्त करने का मन्त्र	३६०	गृहबन्धन मन्त्र	३६८
रक्षा-मन्त्र	३६०	बान वापस करने का मन्त्र	३६८
मोहन-मन्त्र	३६०	प्रेत पलटने का काली कामाक्षा मन्त्र	३६९

Scanned by CamScanner

विषय	पृष्ठांक
रक्षा-रेखा मन्त्र	३६९
वशीकरण मन्त्र	३७०
विद्वेषण मन्त्र	३७०
रक्षबन्धन मन्त्र	३७०
स्वामी मन्त्र प्रयोग (कर्नाटकी मन्त्र)	३७१
इच्छित कार्य में सफलता दायक शाबर मन्त्र	३७१
अर्थ-लाभादि हेतु शाबर मन्त्र	३७१
कड़ा-भूत-प्रेत का दोष मिटाने का मन्त्र	३७२
मूठी-निवारण मन्त्र	३७२
नजर दूर करने का मन्त्र	३७२
वशीकरण	३७२
मोहिनी मन्त्र	३७३
कन्या-विवाह हेतु अनुभूत प्रयोग	३७३
अभिचार-निवारक प्रयोग	३७३
चोरी की खबर पाने के लिये प्रयोग	३७४
चोरी की खबर पाने के लिए प्रयोग	३७४
बवासीर दूर करने का मन्त्र	३७४
ज्वर नाशक प्रयोग	३७५
पेटदर्द के लिए मन्त्र	३७५
दरगाह-सिद्धि का प्रयोग	३७५
वशीकरणार्थ भगमालिनी मन्त्र	३७६
भूतबाधा दूर करने के लिये सिद्ध मन्त्र	३७६
पीलिया झाड़ने का मन्त्र	३७६
बायगोले का दर्द झाड़ना	३७६
हाजरात का मन्त्र	३७७
स्वप्न में प्रश्न का उत्तर प्राप्त करने का मन्त्र	३७७
सुशुद्ध नृसिंह मन्त्र	३७७
हनुमानजी का रक्षा-कारक मन्त्र	३७८
शीतलादेवी का बाधानाशक मोहन-विधान	३७८
अग्नि-शमन का हनुमान-विधान	३७८
सर्वकार्यसिद्धि एवं रक्षाकारक चौंतीसा मन्त्र	३७८
चोर पहचानने का शाबर मन्त्र	३७९
सरस्वतीदेवी का सिद्ध शाबर मन्त्र	३७९
अभीष्ट व्यक्ति को बुलाने का मन्त्र	३७९
आकर्षण मन्त्र	३८०
वशीकरण मन्त्र	३८०
मनोवाञ्छित कार्य पूरा कराने का मन्त्र	३८०
क्रोध-प्रशमन मन्त्र	३८०
पैंतीस अक्षरी मन्त्र	३८०
तैल से मोहन या वशीकरण	३८२
गुड़ से मोहन या आकर्षण	३८३
लौंग से मोहन और वशीकरण	३८३
सुपारी द्वारा वशीकरण	३८३
पान द्वारा वशीकरण	३८३
स्व-भोजन द्वारा वशीकरण	३८४
भूतनाथ का वशीकरण मन्त्र	३८४
प्रेत-वशीकरण मन्त्र	३८४
खाने-पीने की वस्तुओं से वशीकरण	३८४
विवाह के प्रयोग	३८५
कन्या की शादी में रुकावट को दूर करने का मन्त्र	३८७
नहरुवा मिटाने का मन्त्र	३८७
गठिया अथवा वातवेदना-निवारण	३८७
शूल-रोगनाशक मन्त्र	३८८
सर्व-शूलनाशक मन्त्र	३८८
सर्व-ज्वरनाशक मन्त्र	३८८
भूत-ज्वरनाशक मंत्र	३८९
स्वयं ज्वरग्रस्त के लिए जपनीय मन्त्र	३८९
ज्वर-निवारक विशेष मन्त्र	३८९
दन्तपीड़ा झारने का मन्त्र	३९०

विषय	पृष्ठांक
डाढ़ के दर्द का मन्त्र	३९१
दाँत की व्यथा झारने का मन्त्र	३९१
दाँतों का दर्द दूर करने का मन्त्र	३९१
ड़ाढ़ की पीड़ा का मन्त्र	३९२
आँख का फूला काटने का मन्त्र	३९२
उठी आँख झारने का मन्त्र	३९३
नेत्रपीड़ा-हारक मन्त्र	३९३
मस्तकपीड़ा-निवारक मन्त्र	३९३
शिरःशूल-निवारक मन्त्र	३९३
आधाशीशी-निवारक मन्त्र	३९४
अधकपारी-नाशक मन्त्र	३९५
अभिचार-नाशक मन्त्र	३९६
रोगनिवारक शाबर मन्त्र	३९६
कर्णमूल पीड़ा-निवारक मन्त्र	३९७
कण्ठवेल या कण्ठमाला-निवारण मन्त्र	३९७
कखलाई-निवारक मन्त्र	३९८
कमरपीड़ा-निवारक मन्त्र	३९८
पीलिया या सुखड़ा रोग-निवारक मन्त्र	३९९
शिशुरोग-निवारक मन्त्र	४००
पेट की बीमारी के लिए	४००
ज्वर, दस्त और खाँसी के लिए	४००
नकसीर रोकने का मन्त्र	४००
दाद झारने का मन्त्र	४०१
ममरषी झारने का मन्त्र	४०१
पेटदर्द-निवारक मन्त्र	४०२
घाव की पीड़ा मिटाने का मन्त्र	४०२
अदीठ का मन्त्र	४०२
वाला अथवा बाला का मन्त्र	४०२
निनाई का मन्त्र	४०२
रतौंधी झारने का मन्त्र	४०३
रजोदोष-निवारक मन्त्र	४०३
सिया का मन्त्र	४०३
बवासीर मिटाने का मन्त्र	४०४
मृगी रोगहारक मन्त्र	४०४
मद्य वाय-नाशक मन्त्र	४०५
रोधन वाय-नाशक मन्त्र	४०५
हूक झारने का मन्त्र	४०५
सर्वविध जहर-निवारक मन्त्र	४०६
सर्पविष उतारने का मन्त्र	४०६
सर्प खोलने का मन्त्र	४०७
सर्प भगाने का मन्त्र	४०७
सर्पविष झारने का मन्त्र	४०७
बिच्छू विषनाशक मन्त्र	४०७
बिच्छू झाड़ने का मन्त्र	४०८
पागल कुत्ते का विष झारने का मन्त्र	४०९
गण्डा देने का मन्त्र	४१०
गुरु गोरखनाथ का सरभङ्गा (जञ्जीरा) मन्त्र	४१०
श्री भैरव मन्त्र	४११
महालक्ष्मी मन्त्र	४१२
लक्ष्मीपूजन मन्त्र	४१२
दुकान की बिक्री अधिक करने का मन्त्र	४१३
अघोर गोरी मन्त्र	४१३
पीलिया मन्त्र	४१४
दाद का मन्त्र	४१४
आँख की फूली काटने का मन्त्र	४१४
मोहिनी मन्त्र	४१४
सुपारी-मोहनी मन्त्र	४१५
वशीकरण मन्त्र	४१५
पान वशीकरण मन्त्र	४१५
श्री नारसिङ्गी देवी का साबर मन्त्र	४१६
हनुमान जी का साबर मन्त्र	४१६
साबर हनुमान जञ्जीरा	४१६
बाबा नानकाजी का साबर मन्त्र	४१६
लोगों को बस में करना	४१७

Scanned by CamScanner

विषय	पृष्ठांक	विषय	पृष्ठांक
मुहब्बत के लिए	४२१	सर के बाल	४६२
दुश्मनी के लिये	४३६	सर की बनावट	४६२
[illegible]-प्रयोग	४३८	पेशानी	४६२
रोजी में तरक्की के लिये	४३९	पेशानी पर तिल व रेखा	४६२
रोजी, तरक्की का उपाय	४४०	भौंवे	४६३
आधे सर के दर्द के लिये	४४०	आँख	४६३
दूध बढ़ाने के लिए अमल	४४२	आँख की पलकें	४६३
बुखार से बचने के अमल	४४३	नाक	४६३
दिल की धड़कन के लिये अमल	४४५	नाक के सुराख	४६४
मिर्गी-चिकित्सा	४४५	कान और कानों की लो	४६४
चेचक-चिकित्सा	४४७	चेहरा	४६४
बुरी नजर हटाना	४४७	जुबान	४६४
कमर के दर्द के लिए	४४९	होंठ	४६४
दुखती आँखों के लिए अमल	४५०	दाँत	४६४
मकान की हिफाजत के लिए अमल	४५१	आवाज	४६४
दुकान की तरक्की के लिए अमल	४५२	दाढ़ी	४६५
चोर के लिए अमल	४५५	मुँह का शिगाफ	४६५
आज्ञा-पालन के लिए	४५८	ठोढ़ी	४६५
हर जरूरत के लिए	४५८	गर्दन	४६५
एहतलाम (स्वप्नदोष) के लिए	४५८	गले की रेखायें	४६५
रुकावट के लिए	४५८	पीठ	४६५
रोगों से मुक्ति के लिए	४५९	बाजू	४६५
जहरीले जानवर से बचने के लिए	४५९	हाथ	४६५
कोढ़-फुन्सी से बचाव के लिए	४५९	कोहनी	४६६
गैर मुस्लिमों के लिये तावीज	४६०	उंगलियाँ	४६६
लाइलाज बीमारी के लिए	४६०	पेट	४६६
शेर व कुत्ते के हमले से बचने		सुंडी	४६६
के लिए	४६०	रान	४६६
मुहब्बत के लिए	४६०	पिंडली	४६६
हर मकसद में कामयाबी	४६१	पाँव	४६६
बीमारी से अच्छा होने के लिए	४६१	फायदे के लिये	४६६
आसेब के लिए	४६१	दौलत कमाने के लिये	४६७
आसेब मालूम करने के लिए	४६१	काली बिल्ली के बालों द्वारा	
शरीर की बनावट से हालात जानना	४६२	मुहब्बत में सफलता	४६७

विषय	पृष्ठांक	विषय	पृष्ठांक
सर का दर्द दूर करने के लिए	४६८	भूत आदि भगाना	४७९
लम्बे समय तक अपने महबूब		बिच्छू आदि भगाना	४८०
को अपना कैदी बनाये रखना	४६८	जान की हिफाजत के लिए	४८०
मुहब्बत का अमल	४६८	सांप के जहर की शान्ति	४८०
मुहब्बत का तिलस्म	४६९	बिच्छू के काटे के लिए	४८१
बिगड़ी बात बनाने के लिये	४६९	सर्वकार्य-साधक एवं विघ्नविनाशक	
दुश्मनी के लिये	४६९	मन्त्र	४८१
हमजाद द्वारा मुहब्बत का अमल	४७०	युद्धजयी मन्त्र	४८१
बेशर्मी को दूर करने के लिये	४७०	अघोर मन्त्र	४८१
खो गये रिश्तेदारों को मालूम करना	४७१	भैरव मन्त्र	४८२
मुहब्बत के लिए	४७१	मुद्रिकाचालन तन्त्र	४८२
चूड़ियों द्वारा मुहब्बत	४७२	कटोरी चालन मन्त्र	४८३
गुलाब के फूल का अमल	४७२	भूत-प्रेतादिक वशीकरण मन्त्र	४८३
अजीबोगरीब टोटका	४७२	बुद्धिकरण मन्त्र	४८३
आँखों में चुम्बकीय चमक	४७३	श्रीनामशब्द अलील बीजमन्त्र	४८३
दोस्त बनाने के लिए	४७३	अघोर गायत्री मन्त्र	४८४
मुहब्बत के लिये कामयाब नक्श	४७३	ऋषिमन्त्र अघोर गायत्री	४८४
लोगों को वश में करना	४७४	अन्नपूर्णा मन्त्र	४८५
रोगों की चिकित्सा	४७५	शत्रुगृह को मलापूरित करना	४८५
फ़ाजिल व लक्वा के लिए	४७५	स्तम्भनकारी मन्त्र	४८५
सूर:हश्र की अन्तिम आयतें	४७५	शत्रुमुख-स्तम्भन मन्त्र	४८६
गंज दूर करने के लिए	४७५	शत्रुस्तम्भन मन्त्र	४८६
मानसिक शक्ति के लिए	४७६	शस्त्रस्तम्भन मन्त्र	४८६
मिर्गी के लिए	४७६	मेघस्तम्भन मन्त्र	४८६
आँखों की बीमारी	४७६	सैन्य-स्तम्भन मन्त्र	४८७
दाढ़ के दर्द के लिए	४७६	बालरक्षा मन्त्र	४८७
दर्दनाशक प्रयोग	४७७	भूतदर्शन मन्त्र	४८७
पैदाइश के समय का दर्द	४७७	भूतिनी-साधन मन्त्र	४८७
छाती का दर्द	४७७	देहरक्षा मन्त्र	४८७
जिन्न का अमल	४७७	लक्ष्मी मन्त्र	४८८
जिन्न व आसेब को भगाना	४७८	स्वप्नसिद्धेश्वरी मन्त्र	४८८
दफअ आसेब का अमल	४७८	धनदायक मन्त्र	४८८
दफअ उम्मुसुबियान के लिये	४७९	तेजी-मन्दीसूचक मन्त्र	४८८
नाफ की तकलीफ के दफन के लिए	४७९	ऋद्धि-सिद्धिप्रदायक मन्त्र	४८८

Scanned by CamScanner

विषय	पृष्ठांक
अग्निस्तम्भन मन्त्र	४८९
अपस्मार (मृगी)-नाशक मन्त्र	४८९
कार्यसिद्धि मन्त्र	४८९
शत्रुपीड़न मन्त्र	४८९
शत्रुमारक मन्त्र	४८९
वृश्चिक विष-निवारक मन्त्र	४८९
प्रेतनाशन मन्त्र	४९०
गोरख मन्त्र	४९०
कामपिशाचिनी-सिद्धि मन्त्र	४९०
भैरव मन्त्र	४९०
सर्वभय हरण यन्त्र	४९१
हनुमान मन्त्र	४९१
अन्नपूर्णा बीजमन्त्र	४९२
सर्वव्याधि-विनाशक मन्त्र	४९२
गणेश मन्त्र	४९२
उच्छिष्ट गणपति नवार्ण मन्त्र	४९३
प्रसन्नताकारक सरस्वती मन्त्र	४९३
प्रसन्नताकारक लक्ष्मी मन्त्र	४९३
ब्रह्मदेवता का मन्त्र	४९४
रुद्रदेवता का मन्त्र	४९४
विष्णुदेव का मन्त्र	४९४
विष्णुदेव का मन्त्र (वेदोक्त)	४९४
शिवमन्त्र (वेदोक्त)	४९४
चन्द्रदेव का मन्त्र	४९४
श्रीजीवदेवता का मन्त्र	४९४
हंसदेव का मन्त्र	४९४
गौतृणभक्षण मन्त्र	४९५
अजपा गायत्री माहात्म्य	४९५
प्रसन्नताकारक गणेश मन्त्र	४९५
स्नानीय मन्त्र	४९५
तिब्बी चुटकुले	४९६
आधासीसी के दर्द के लिए	४९६
दाद, कब्ज के लिए	४९६
दूध की कमी के लिए	४९७

विषय	पृष्ठांक
मुँह से खून आने के लिए	४९७
पीलिया के लिए	४९७
सर की खुश्की के लिए	४९७
दिमाग की कमजोरी के लिये	४९७
पसली चलना	४९८
पेट के दर्द के लिए	४९८
जुये मार कपड़ा	४९८
पथरी के लिए	४९८
अफीम का नशा उतारने के लिए	४९८
बाल उगाने के लिए	४९८
बच्चे की पैदाइश के आसानी के लिए	४९९
चाँदी का जेवर साफ करने के लिए	४९९
पेट के कीड़ों के लिए	४९९
फोता का बड़ा हो जाना	४९९
सफेद दाग के लिए	४९९
दाँत आसानी से निकले	५००
आँखों की रोशनी के लिए	५००
पुरानी खाँसी के लिए	५००
पेशाब रुकना	५००
भूख हेतु	५००
जुयें मार	५००
अफीम का जहर दूर करने के लिए	५००
बवासीर के लिए	५००
मुँह के जख्मों के लिए	५०१
पेशाब की ज्यादती के लिए	५०१
दाँतों के दर्द के लिए	५०१
अफीम छोड़ने के लिए	५०१
हैज की दुरुस्तगी के लिए	५०१
हर किस्म के दर्द के लिए	५०२
बिच्छू के काटे का इलाज	५०२
तन्त्रोक्त नाना विधान	५०२
सूर्य-शान्ति के उपाय	५१०
चन्द्र-शान्ति के उपाय	५१०

विषय	पृष्ठांक
मंगल-शान्ति के उपाय	५११
बुध-शान्ति के उपाय	५११
गुरु-शान्ति के उपाय	५१२
शुक्र की शान्ति के उपाय	५१२
शनि की शान्ति के उपाय	५१३
राहु की शान्ति के उपाय	५१३
केतु-शाान्ति के उपाय	५१४
ग्रह का अशुभ प्रभाव दूर करना	५१४
अशुभ ग्रहों की शान्ति-हेतु अन्य उपाय	५१५
ग्रहों की दशा में वर्जित नियम	५१७
कुण्डली सूर्य-स्थित ग्रहोपाय	५१९
लग्नस्थ सूर्य का उपाय	५१९
द्वितीय भावस्थ सूर्य का उपाय	५१९
तृतीय भावस्थ सूर्य का उपाय	५१९
चतुर्थ भावस्थ सूर्य का उपाय	५१९
पंचम भावस्थ सूर्य का उपाय	५१९
षष्ठ भावस्थ सूर्य का उपाय	५२०
सप्तम भावस्थ सूर्य का उपाय	५२०
अष्टम भावस्थ सूर्य का उपाय	५२०
नवम भावस्थ सूर्य का उपाय	५२१
दशम भावस्थ सूर्य का उपाय	५२१
एकादश भावस्थ सूर्य का ठपाय	५२१
द्वादश भावस्थ सूर्य का उपाय	५२२
चन्द्र-लग्नस्थ का उपाय	५२२
द्वितीय भावस्थ चन्द्र का उपाय	५२२
तृतीय भावस्थ चन्द्र का उपाय	५२३
चतुर्थ भावस्थ चन्द्र का उपाय	५२३
पञ्चम भावस्थ चन्द्र का उपाय	५२३
षष्ठ भावस्थ चन्द्र का उपाय	५२३
सप्तम भावस्थ चन्द्र का उपाय	५२४
अष्टम भावस्थ चन्द्र का उपाय	५२४
नवम भावस्थ चन्द्र का उपाय	५२४
दशम भावस्थ चन्द्र का उपाय	५२५

विषय	पृष्ठांक
एकादश भावस्थ चन्द्र का उपाय	५२५
द्वादश भावस्थ चन्द्र का उपाय	५२५
भौम (मंगल)	५२६
प्रथम भावस्थ मंगल का उपाय	५२६
द्वितीय भावस्थ मंगल का उपाय	५२६
तृतीय भावस्थव मंगल का उपाय	५२६
चतुर्थ भावस्थ मंगल का उपाय	५२७
पञ्चम भावस्थ मंगल का उपाय	५२७
षष्ठ भावस्थ मंगल का उपाय	५२७
सप्तम भावस्थ मंगल का उपाय	५२८
अष्टम भावस्त मंगल का उपाय	५२८
नवम भावस्थ मंगल का उपाय	५२९
दशम भावस्थ मंगल का उपाय	५२९
एकादश भावस्थ मंगल का उपाय	५२९
द्वादश भावस्थ मंगल का उपाय	५२९
बुध	५३०
प्रथम-भाव स्थित बुध का उपाय	५३०
द्वितीय-भाव स्थित बुध का उपाय	५३०
तृतीय-भाव स्थित बुध का उपाय	५३०
चतुर्थ-भाव स्थित बुध का उपाय	५३१
पञ्च-भाव स्थित बुध का उपाय	५३१
षष्ठ-भाव स्थित बुध का उपाय	५३१
सप्तम-भाव स्थित बुध का उपाय	५३१
अष्टम-भाव स्थित बुध का उपाय	५३२
नवम-भाव स्थित बुध का उपाय	५३२
दशम-भाव स्थित बुध का उपाय	५३२
एकादश-भाव स्थित बुध का उपाय	५३२
द्वादश-भाव स्थित बुध का उपाय	५३३
गुरु	५३३
प्रथम-भाव स्थित गुरु का उपाय	५३३
द्वितीय-भाव स्थित गुरु का उपाय	५३३
तृतीय-भाव स्थित गुरु का उपाय	५३४
चतुर्थ-भाव स्थित गुरु का उपाय	५३४
पञ्चम-भाव स्थित गुरु का उपाय	५३४

Scanned by CamScanner

विषय	पृष्ठांक
षष्ठ-भाव स्थित गुरु का उपाय	५३४
सप्तम-भाव स्थित गुरु का उपाय	५३५
अष्टम-भाव स्थित गुरु का उपाय	५३५
नवम-भाव स्थित गुरु का उपाय	५३५
दशम-भाव स्थित गुरु का उपाय	५३६
एकादश-भाव स्थित गुरु का उपाय	५३६
द्वादश-भाव स्थित गुरु का उपाय	५३६
शुक्र	५३७
प्रथम-भाव स्थित शुक्र का उपाय	५३७
द्वितीय-भाव स्थित शुक्र का उपाय	५३७
तृतीय-भाव स्थित शुक्र का उपाय	५३७
चतुर्थ-भाव स्थित शुक्र का उपाय	५३८
पञ्चम-भाव स्थित शुक्र का उपाय	५३८
षष्ठ-भाव स्थित शुक्र का उपाय	५३८
सप्तम-भाव स्थित शुक्र का उपाय	५३८
अष्टम-भाव स्थित शुक्र का उपाय	५३९
नवम-भाव स्थित शुक्र का उपाय	५३९
दशम-भाव स्थित शुक्र का उपाय	५३९
एकादश-भाव स्थित शुक्र का उपाय	५३९
द्वादश-भाव स्थित शुक्र का उपाय	५३९
शनि	५४०
प्रधम-भाव स्थित शनि का उपाय	५४०
द्वितीय-भाव स्थित शनि का उपाय	५४०
तृतीय-भाव स्थित शनि का उपाय	५४०
चतुर्थ-भाव स्थित शनि का उपाय	५४०
पञ्चम-भाव स्थित शनि का उपाय	५४१
षष्ठ-भाव स्थित शनि का उपाय	५४१
सप्तम-भाव स्थित शनि का उपाय	५४२
अष्टम-भाव स्थित शनि का उपाय	५४२
नवम-भाव स्थित शनि का उपाय	५४२
दशम-भाव स्थित शनि का उपाय	५४२
एकादश-भाव स्थित शनि का उपाय	५४३
द्वादश-भाव स्थित शनि का उपाय	५४३
राहु	५४३
प्रथम-भाव स्थित राहु का उपाय	५४३
द्वितीय-भाव स्थित राहु का उपाय	५४४
तृतीय-भाव स्थित राहु का उपाय	५४४
चतुर्थ-भाव स्थित राहु का उपाय	५४४
पञ्चम-भाव स्थित राहु का उपाय	५४४
षष्ठम-भाव स्थित राहु का उपाय	५४४
सप्तम-भाव स्थित राहु का उपाय	५४५
अष्टम-भाव स्थित राहु का उपाय	५४५
नवम-भाव स्थित राहु का उपाय	५४५
दशम-भाव स्थित राहु का उपाय	५४६
एकादश-भाव स्थित राहु का उपाय	५४६
द्वादश-भाव स्थित राहु का उपाय	५४६
केतु	५४६
प्रथम-भाव स्थित केतु का उपाय	५४६
द्वितीय-भाव स्थित केतु का उपाय	५४६
तृतीय-भाव स्थित केतु का उपाय	५४७
चतुर्थ-भाव स्थित केतु का उपाय	५४७
पञ्चम-भाव स्थित केतु का उपाय	५४७
षष्ठ-भाव स्थित केतु का उपाय	५४७
सप्तम-भाव स्थित केतु का उपाय	५४७
अष्टम-भाव स्थित केतु का उपाय	५४७
नवम-भाव स्थित केतु का उपाय	५४८
दशम-भाव स्थित केतु का उपाय	५४८
एकादश-भाव स्थित केतु का उपाय	५४८
द्वादश-भाव स्थित केतु का उपाय	५४८
प्रमुख टोटके	५४८
अन्य उपाय	५४९
उपाय-हेतु दान के लिए अनुपयुक्त समय	५४९
सन्तान-सम्बन्धी उपाय	५५०
रोग मुक्ति के उपाय	५५०
विविध लाभप्रद उपाय	५५१
औषधि प्रकरण	५५२
पुत्र-प्राप्ति	५५२
गर्भपतन	५५२
अवरुद्ध रजोधर्म	५५२
मासिकस्राव की अधिकता	५५२

विषय	पृष्ठांक
वन्ध्याकरण	५५२
मृगी (अपस्मार)	५५२
आमवात	५५२
वृश्चिक-दंश	५५२
हिचकी	५५३
कर्णपाली-वृद्धि	५५३
आँखों की फूली, जाला एवं धुंध	५५३
नेत्र से होने वाला जलस्राव	५५३
नेत्रज्योतिवर्धन	५५३
मूत्रकृच्छ्र	५५३
नामर्दी	५५३
स्वर को सुरीला बनाना	५५३
बुद्धिवर्धन	५५३
कर्णरोग	५५४
विशेष रोगों की कतिपय अचूक औषधियाँ	५५४
बवासीर (अर्श)	५५४
धातुबन्ध	५५४
वमन	५५५
नकसीर	५५५
पैर की बिवाई	५५५
मस्सा-उन्मूलक लेप	५५५
रोमनाशक चूर्ण	५५५
सूजाक	५५५
गर्भ-स्थापन	५५५
गर्भस्राव	५५५
जलोदर (उदर में जलवृद्धि)	५५६
शिरदर्द-नाशक लेप	५५६
नेत्रपीड़ा	५५६
मुख की झाँई	५५६
कम्पज्वर	५५६
जीर्णज्वर (पुराना बुखार)	५५६
तिजारी ज्वर	५५६
चौथिया या चातुर्थिक ज्वर	५५६
सर्दी-जुकाम	५५६
उदरशूल	५५७
फुंसी-फोड़ा	५५७
चर्मरोग	५५७
आग से जलने पर	५५७
पसीना निकलने पर	५५७
श्वास फूलना	५५७
कास (खाँसी)	५५७
दाद-खाज	५५७
धातु-पुष्टि	५५८
दन्त-कृमि	५५८
दन्तरोग	५५८
बहरापन	५५८
अजीर्ण एवं आमशूल	५५८
मन्दाग्नि	५५८
हैजा	५५८
भस्मक	५५८
बालकों की खांसी, श्वास	५५९
रोगों की घरेलू चिकित्सा	५५९
गुर्दे का दर्द	५५९
गुर्दे और मसाना की पत्थरी	५६०
बहुमूत्र	५६०
पेशाब का बार-बार आना	५६१
पेशाब का रुक जाना	५६१
सोते वक्त पेशाब करना	५६१
पेशाब में खून आना	५६२
सूजाक	५६२
पेशाब की जलन	५६३
वीर्य पतन	५६३
स्वप्नदोष	५६३
जनाना बीमारी	५६४
माहवारी का रुक जाना	५६४
सफेद पानी आना	५६५
माहवारी की ज्यादती	५६५
सफेद पानी आना	५६६
माहवारी का दर्द के साथ आना	५६६
इखतिनाकुर्रहम (हिस्टीरिया)	५६६
आम बुखार	५६७

Scanned by CamScanner

विषय	पृष्ठांक
तैयारशुदा दवायें (ये दवायें हकीमी दूकान में मिलेगी)	५६७
चेचक	५६८
खसरा	५६८
फोड़े-फुनसियाँ	५६८
खुश्क व तर खारिश	५६९
दाद	५६९
मुँहासे	५६९
जोड़ों का दर्द	५७०
लंगड़ी का दर्द	५७०
इन्तशारे शेर (बालों का गिरना)	५७१
मोटापा	५७१
कुछ मुख्य तान्त्रिक प्रयोग	५७१
बुद्धि स्तम्भन का तान्त्रिक प्रयोग	५७१
शत्रु को पराजित करने का तांत्रिक प्रयोग	५७२
आश्चर्य में डालने वाले प्रयोग	५७२
मारण विधि	५७२
अदृश्य करने की विधि	५७३
मोहनकरण विधि	५७३
अग्निस्तम्भन की विधि	५७३
जलस्तम्भन की विधि	५७४
उन्मत्त बनाने वाली विधि	५७४
दूरदेश-गमन के साधन	५७५
बुद्धि को भ्रम में डालने वाले योग	५७५
भूख बढ़ाने वाले योग	५७६
भूख को रोकने वाले योग	५७६
चोर आदि का भय दूर करने की विधि	५७६
सभी कार्यों को सिद्ध करने की विधि	५७७
नाड़ियों को पोषण करने वाला गण	५७७
वमन कराने वाले गण	५७७
अतिसार	५७८
संग्रहणी	५७८

विषय	पृष्ठांक
खांसी	५७९
हिचकी का उपचार	५७९
छर्दि (उल्टी) एवं प्यास	५८०
वायुशूल	५८०
शरीर की सूजन	५८१
मुँह के छाले	५८१
मूत्रकृच्छ्र	५८२
विविध रोगों के उपचार	५८२
मक्षिका-निवारण प्रयोग	५८४
मूषक-निवारण प्रयोग	५८४
मत्कुण-निवारण प्रयोग	५८५
सर्प-निवारण प्रयोग	५८५
मशक-निवारण प्रयोग	५८५
क्षेत्रोपद्रव-नाशन प्रयोग	५८५
स्त्रीरोग-नाशक प्रयोग	५८५
वन्ध्यात्व-नाशन प्रयोग	५८६
गर्भ-स्तम्भन	५८७
तान्त्रिक षट्कर्म	५९०
मारण-प्रयोग	५९०
वशीकरण-प्रयोग	५९०
कुचकाठिन्य	५९२
योनि-संस्कार	५९२
रोम-नाशन	५९२
योनि-संकोचन	५९३
स्त्री-द्रावण	५९३
मृतसञ्जवनी-प्रयोग	५९४
विद्याधर-सिद्धि	५९४
इन्द्रजाल-प्रयोग	५९४
शीतलारोग निवारक अर्क	५९५
शीतला ज्वरनाशक अर्क	५९५
वीर्यस्तम्भन योग	५९५
जगत् को वश में करने वाली औषध	५९५
तान्त्रिक औषधि चिकित्सा	५९६
शीतला व्रणनाशक मन्त्र	५९६
शगुन-वर्णन	६०५

Scanned by CamScanner

।। श्रीः ।।

शाबरमन्त्रसागर

(उत्तरभाग)

आयतुल कुर्सी

अल्लालु ला इलाह इल्ला हुवल हय्युल कय्यूम ला ताखुजुहू सि ना तुंव व ला न व म लहु मा फिस्समावाति व मा फिल अर्जम नजल्लजी यशफअु अिन दहू इल्ला बिइज्निही यअ्लमु मा बैनाऐ दीहिम व मा खल् फहुम वला युहीत् न बिशैइम मिन अिल्मिही इल्ला बिमा शान्आ व सित्आ कुर्सी युहुस्समावाति वल् अर ज वला यऊदुहू हिफ्जु हुमा व हुवल अलीयुल अजीम ।

जो व्यक्ति नमाज के बाद इसका पाठ करता है, उसे जन्नत नसीब हो जाता है। उस पर अल्ला मेहरबान हो जाता है और उसे सुख-शान्ति प्रदान करता रहता है। प्रात: उठकर एक बार आयतुल कुर्सी का पाठ कर लिया जाय तो शांति के साथ दिन बीत जाता है। रात में सोने से पहले इसका पाठ अवश्य करना चाहिये।

दुआए जमीला शरीफ

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम या जमीलु या अल्लाहु या करीबु या अल्लाहु या अजीबु या अल्लाहु या मुजीबु या अल्लाहु या रऊफु या अल्लाहु या मऊरफु या अल्लाहु या मन्नानु या अल्लाहु या दय्यानु या अल्लाहु या बुराहानु या अल्लाहु या सुलतानु या अल्लाहु या मुस्ताआनु या अल्लाहु या मुहसिनु या अल्लाहु या मुतआलि या अल्लाहु या रहमानु या अल्लाहु या रहीमु या अल्लाहु या हलीमु या अल्लाहु या मजीदु या अल्लाहु या हकीमु या अल्लाहु या गफूरु या अल्लाहु या गफ्फारु या अल्लाहु या मुबदियु या अल्लाहु या राफिऊ या अल्लाहु या शकूरु या अल्लाहु या खबीरु या अल्लाहु या बसीरु या अल्लाहु या समीऊ या अल्लाहु या अन्वलू या अल्लाहु या आखिरु या अल्लाहु या जाहिरु या अल्लाहु या बातिनु या अल्लाहु या कुद्दसू या अल्लाहु या सलामु या अल्लाहु या मुहयमिनु या अल्लाहु या अजीजु या अल्लाहु या मुतकाब्बिरु या अल्लाहु या खालिकु या अल्लाहु या बरिअु या अल्लाहु या मुसव्विर या अल्लाहु या

Scanned by CamScanner

काबिजु या अल्लाहु या जब्बारु या अल्लाहु या हय्यू या अल्लाहु या कय्यूमु या अल्लाहु या काबिजु या उल्लाहु या बासितु या अल्लाहु या मुजिल्लु या अल्लाहु या काविय्यु या अल्लाहु या शहीदु या अल्लाहु या मुस्तिफा या अल्लाहु या सानिऊ या अल्लाहु या खाफिजु या अल्लाहु या राफिउ या अल्लाहु या वकीलु या अल्लाहु या जल जलालि इकरामी या अल्लाहु या रशीदु या अल्लाहु या सबूरु या अल्लाहु या फताहु या अल्लाहु ला इलाहा इल्ला उन्ता सुब्हानका इन्नी कुन्तुमिन जिज्जालिमीना व सल्लल्लाहु तआला अला खयरि व खलकिहि मुहम्मदिन व आलि व असहा बिहि अजमआीना बिरहमति का या अरहमर्रा-हिमीन ।

दुआए जमीला शरीफ का पाठ प्रातः की नमाज के बाद किया जाता है।

सूरःनास

कुल अजूजु बिरिबिब्बनासि० मलिकिन्नासि० इलाहिन्नासि० मिन शर्रिल वस्वा-सिल खन्नासि० ल्लजी युवस्विसु फी सुदूरिननासि० मिनल जिन्नति वन्नास०।

सूरःफलक

कुल अजूजु बिरिब्बिल फल कि० मिन शर्रि मा खलक० मिन शर्रि गासिकिनि इजा व क ब० वमिन शर्रिन्नफ्फासाति फिल अुकद० वमिन शर्रि हासिदिन इजा हसद०।

सूरःइख्लास

कुल हुवल्लाहु अहद० अल्ला हुस्समद० लम यलिद० व लम यूलद० व लम युकुल्लहू कुफुवन अहद०।

सूरःफातिहा

अल्हम्दु लिल्लाहि रब्बिल आलमीन० अर्रहमानिर्रहीम० मालिकि० यौमिद्दीनि० इय्याका नअबुदु व इय्या का नस्तअीन० इहिदनस्सिरातल मुस्तकीम० सिरा-तलजी न अन अमता अलैहिम गैरिल मग्जूबि अलैहिम व लज्जाल्लीन।

अहदनामा शरीफ

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम अल्ला हुम्मा फातिरस्समावाति वल अर्जि आलिमुल गजबि वश्शहादाति अन्नरहमानुर्रहीमु अल्ला हुमा इन्नी आहदु इलयका फीहाजिही लहयातिद दुनिया व अश्हदु अल्ला इलाहा इल्ला अन्ता वहदहू ला शरीका लका व अश्हदु अन्ना मुहम्मदन अब्दुका व रसूलु का फला ताकिलनी इला न फसि फइन्नका इन तकिलनी इला नफसि तुक रिबनी इलाश्शर्रि व तुबा-ञिदनी मिनल खयरि व इन्नी ला अत्तकिलु इल्ला बिरह मतिका फजअल लीअि-

न्दिका अहदन तुवफ्फीहि इल्ला यवमत कियामति इन्नका ला तुखलिफुल मीआद० व सल्लल्लाहु तआला अला खयरि खल किहि मुहम्मदिव्य इलाहि व असहाविहि अजमअीन० बिरह मतिका या अरहमर्राहिमीन०।

इस अहदनामा शरीफ को पढ़ने वाले व्यक्ति की सारी मुश्किलें खत्म हो जाती हैं तथा हर प्रकार की मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं।

अजमत

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम अल्ला हुम्मा इन्नी असअलोका बिहक्के इस्काइकल व सिफातिकल अलया या रज्जाको या समीओ अनतकदो हाजतो अकसमतो अलैकुम। या अईयो हलूम लायक तिल मवक्किलतो अल हाजिल हुरू फित्ता-माति ताहिरात या दरदाईलो या किल काईलो बिहक्के सईयदि कुमूवा अमी-निकुम अल अजीयत नहायूसो इन्नमा अमरूहइजा आरादा शैयन अनयकूलो लहू कुन यफ कुनफ सुबहानल्लजी ये यद्दहिन कुतोकुल्लश अहन अलै हेतु-र्जऊन ।

दुआए जमीला शरीफ

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम या जमीलु या अल्लाहु या करीबु या अल्लाहु या अजीबु या अल्लाहु या मुजीबु या अल्लाहु या रऊफु या अल्लाहु या मऊरूफु या अल्लाहु या मन्नानु या अल्लाहु या दय्यानु या अल्लाहु या बुराहानु या अल्लाहु या सुलतानु या अल्लाहु या मुस्ताआनु या अल्लाहु या मुहसिनु या अल्लाहु या मुतआलि या अल्लाहु या रहमानु या अल्लाहु या रहीमु या अल्लाहु या हलीमु या अल्लाहु या अलीमु या अल्लाहु या करीमु या अल्लाहु या जलीलु या अल्लाहु या मजीदु या अल्लाहु या हकीमु या अल्लाहु या गफूरू या अल्लाहु या गफ्फारू या अल्लाहु या मुबदियु या अल्लाहु या राफिऊ या अल्लाहु या शकूरू या अल्लाहु खबीरू या अल्लाहु या बसीरू या अल्लाहु या समीऊ या अल्लाहु या अन्वलू या अल्लाहु या आखिरू या अल्लाहु या जाहिरू या अल्लाहु या बातिनु या अल्लाहु या कुद्दूसु या अल्लाहु या सलामु या अल्लाहु या मुहयमिनु या अल्लाहु या अजीजु या अल्लाहु या मुतकाब्बिरू या अल्लाहु या खालिकु या अल्लाहु या बरिअु या अल्लाहु या मुसव्विरू या अल्लाहु या जब्बारू या अल्लाहु या हय्यू या अल्लाहु या कय्यूमु या अल्लाहु या काबिजु या अल्लाहु या बासितु या अल्लाहु या मुजिल्लु या अल्लाहु या कविय्यु या अल्लाहु या शहीदु या अल्लाहु या मुस्तिफा या अल्लाहु या सानिऊ या अल्लाहु या खाफिजु या अल्लाहु या राफिऊ या अल्लाहु या वकीलु या अल्लाहु या जलजलालि वल इकरामी या अल्लाहु या रशीदु या अल्लाहु या

Scanned by CamScanner

सबूरू या अल्लाहु या फत्ताहु या अल्लाहु ला इलाहा इल्ला उन्ता सुब्हानका इन्नी कुन्तुमिन ज्जालिमीना व सल्लल्लाहु तआला अला खयरि व खलकिहि मुहम्मदिन व आलि व असहा बिहि अजमअीना बिरहमति का या अर्रहमर्रा-हिमीन० ।

दुआए जमीला शरीफ का इस्लाम धर्म में अत्यधिक महत्त्वपूर्ण स्थान है। प्रातः-काल की नमाज के पश्चात् इस दुआ को पढ़कर ही अपनी दिनचर्या का आरम्भ किया जाता है। कहते हैं कि पूर्ण श्रद्धा से इस दुआ को पढ़ने वाले की हर मनो-कामना पूर्ण होती है।

●

हजरत ईमाम मुहम्मद विन सिरीन० रह० की रिवायत के मुताबिक सपने में कुरआन की सूरतें पढ़ने का फल

सूरः अंकबूत

जो कोई भी शख्स स्वप्न में सूरः अंकबूत की तिलाबत करे तो समझ लें कि जल्द ही उसे कोई बड़ी खुशखबरी मिल जायेगी।

सूरः आले इमरान

जो कोई भी शख्स स्वप्न में सूरः आले इमरान को पूरी तरह अथवा उसका कोई अंश पढ़े तो उसका बुढापा परेशानी में गुजरेगा और ताउम्र उसे सफर करना पड़ेगा। उसकी जिन्दगी दौड़-भाग में गुजरेगी।

सूरः जुमर

यदि कोई स्वप्न में सूरः जुमर की तिलाबत करे तो उसकी उम्र में बढ़ोत्तरी होती है और वह अपने नाती-पोतों को अपनी गोद में खिलाएगा। यह भी मुमकिन है कि वह अपने वतन से दूर कहीं गैर मुल्क में रहने लगे।

सूरः हकाफ

जो कोई भी शख्स स्वप्न में सूरः हकाफ को पढ़े तो वह अपने वाल्दैन (माता-पिता) का कहना नहीं मानने वाला होगा। लेकिन उम्र के आखिर में उसे अक्लमंदी आ जायेगी।

सूरः कमर

जो कोई भी शख्स स्वप्न में सूरः कमर की तिलाबत करे तो उस पर किसी भी प्रकार के जादू-टोने, नजरदोष अथवा ऊपरी व्याधि का असर नहीं रहेगा।

सूरः मुमतहिना

इस सूरः को पढ़े तो आने वाली परेशानियों का संकेत होता है।

सूरः सफ्फ

इस सूरः को पढ़े तो वह किसी कार्य में शहीद हो जायेगा।

Scanned by CamScanner

सूरः जुमा

इस सूरः को पढ़े तो अल्लाहतआला उसकी नेकियों में वृद्धि करेगा।

सूरः मुनाफिकून

इस सूरः को पढ़े तो वह निफाक से बरी रहेगा।

सूरः तगाबुन

इस सूरः को पढ़े तो वह सदा ईमानदारी का जीवन बिताएगा।

सूरः तलाक

इस सूरः को पढ़े तो शीघ्र ही उसका अपने जीवनसाथी से झगड़ा होगा और तलाक की नौबत आ जायेगी।

सूरः तहरीम

इस सूरः को पढ़े तो अपने उसूल-कायदों का पक्का होगा।

सूरः मुल्क

इस सूरः को पढ़े तो अल्लाहतआला उसकी भलाईयों को बढ़ाएगा।

सूरः हिज

जो कोई स्वप्न में सूरः हिज को पढ़े तो वह परिवारजनों का प्रिय तथा सम्मानीय होगा।

सूरः नहल

जो कोई स्वप्न में सूरः नहल पढ़े तो उसका व्यापार अच्छा चलने लग जायेगा। अगर वह बेरोजगार है तो उसे अच्छी नौकरी मिल जायेगी।

सूरः इसरा

जिसने स्वप्न में सूरः इसरा को पढ़ा तो वह किसी सरकारी मामले में फंसने का संकेत है। हालांकि बाद में वह उसमें बरी हो जायेगा।

सूरः कहफ

जो शख्स स्वप्न में सूरः कहफ पढ़ता है तो वह लम्बी और स्वस्थ जिन्दगी का भरपूर आनन्द उठाएगा।

सूरः मरयम

जिसने स्वप्न में सूरः मरयम पढ़ा तो वह तंगहाली में रहेगा। मगर शीघ्र ही उसका समय अच्छा आ जायेगा।

सूरः नूर

इस सूरः को पढ़े तो वह जीवन में सफलतायें प्राप्त करेगा।

सूरः हक्का

इस सूरः को पढ़े तो वह डरपोक होगा।

सूरः मुआरिज

इस सूरः को पढ़े तो वह इंसाफ और शांतिप्रिय होगा।

सूरः नूह

इस सूरः को पढ़े तो वह बुराईयों का विरोध करने वाला तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने वाला होगा।

सूरः जिन्न

इस सूरः को पढ़े तो वह जिन्नों से बचा रहेगा।

सूरः मुजाम्मिल

इस सूरः को पढ़े तो धैर्यवान और सहनशील रहेगा।

सूरः मुहस्सिर

इस सूरः को पढ़े तो वह रिज्क की तंगी में रहेगा। परन्तु अल्लाहतआला उसकी तंगहाली दूर करेगा।

सूरः सज्दा

जो कोई इस सूरः को स्वप्न में पढ़े तो वह स्वस्थ और तन्दुरुस्त रहेगा।

सूरः अहजाब

स्वप्न में सूरः अहजाब पढ़े तो उसकी आयु में वृद्धि होगी; परन्तु वह मित्रों के साथ विश्वासघात करेगा।

सूरः सबा

जो कोई इस सूरः को पढ़े तो वह बहुत बहादुर और निडर होगा तथा उसे हथियारों से प्रेम होगा।

सूरः फातिह

स्वप्न में इस सूरः को पढ़े तो उसे अल्लाहतआला के साक्षात् दर्शन हो जायेंगे।

सूरः यासीब

जो इस सूरः को स्वप्न में पढ़े तो वह पुण्य कर्म करने वाला होगा।

Scanned by CamScanner

सूरः साफ्फात

स्वप्न में सूरः साफ्फात पढ़े तो उसको दो पुत्रों की प्राप्ति होगी और वह मेहनत की रोटी खाने वाला शख्स होगा।

सूरः स्वाद

जो कोई स्वप्न में इस सूरः को पढ़े तो वह अत्यधिक स्वाभिमानी तथा स्त्रियों में रुचि रखने वाला होगा।

सूरः तौबा

जो शख्स स्वप्न में सूरः तौबा पढ़े तो उसकी मित्रता सभ्य और सज्जनों से होगी।

सूरः यूनुस

जिसने स्वप्न में सूरः यूनुस को पढ़ा तो उसे कुछ आने वाली मुसीबतों के संकेत मिलते हैं। हालांकि वह शख्स सदैव प्रत्येक की भलाई के लिए तैयार रहेगा।

सूरः हूद

जो कोई स्वप्न में सूरः हूद को पढ़ता है, वह अत्यधिक यात्रा करने वाला होता है और उसके शत्रु अधिक होते हैं।

सूरः यूसुफ

जो शख्स स्वप्न में सूरः यूसुफ पढ़े तो उसके परिवारजन ही उसके विरुद्ध हो जायेंगे, परन्तु वह यात्राओं से लाभ उठायेगा।

सूरः रअद

जिसने स्वप्न में सूरः रअद को पढ़ा तो वह तंगहाली, परेशानियाँ और जीवन के अंतिम समय के निकट आने का संकेत है।

सूरः इब्राहीम

जो कोई स्वप्न में सूरः इब्राहीम पढ़े तो वह शख्स तस्बीह करने वालों में से होगा।

सूरः मुकाबिर (तकासुर)

इस सूरः को पढ़े तो उसको सब्र की तौफीक होगी।

सूरः हुम्जा

इस सूरः को पढ़े तो वह पूंजी का संचय करेगा और उसे भले कार्यों में खर्च करेगा।

सूरः फील

इस सूरः को स्वप्न में पढ़े तो वह शत्रुओं पर विजय हासिल करेगा।

सूरः कुरैश

इस सूरः को पढ़े तो वह गरीबों का मददगार और मजहब व कौम का नाम रोशन करेगा।

सूरः माऊन

इस सूरः को पढ़े तो वह अपने दुश्मनों पर फतह व कामयाबी हासिल करेगा।

सूरः कौसर

इस सूरः को पढ़े तो जीवन के अंतिम समय में उसकी प्रसिद्धि बढ़ेगी।

सूरः काफिरून

इस सूरः को पढ़े तो उसको काफिरों से जिहाद की तौफीक होगी।

सूरः ताहा

जो कोई स्वप्न में सूरः ताहा पढ़ता है तो वह धर्मपरायण व्यक्ति होता है।

सूरः अंबिया

जो शख्स स्वप्न में सूरः अंबिया पढ़े तो लोग उसकी तारीफ करेंगे।

सूरः हज

जिसने स्वप्न में सूरः हज पढ़ा तो उसे हज की तौफीक होगी। अगर वह रोगी है तो उसकी मृत्यु नजदीक आने का संकेत है।

सूरः मुमिनून

जो कोई व्यक्ति स्वप्न में सूरः मुमिनून पढ़ता है, उसे एक खतरनाक रोग होने का अंदेशा रहता है।

सूरः नूर

जो स्वप्न में सूरः नूर पढ़े तो वह सदैव स्वस्थ रहेगा और भलाई के कार्य करेगा।

सूरः फुरकान

जिसने स्वप्न में सूरः फुरकान पढ़ा तो वह सत्यवादी और नेक शख्स होगा।

सूरः निसा

जो कोई सूरः निसा को स्वप्न में पढ़ता है तो उसे जीवन के अंतिम पड़ाव में बुरे बर्ताव वाली एक अति सुन्दर स्त्री का साथ मिलता है।

Scanned by CamScanner

सूरः माइदा

जिसने स्वप्न में सूरः माइदा को पढ़ा, वह शख्स बहुत मेहमाननवाज होता है।

सूरः अनआम

जो शख्स सूरः अनआम को स्वप्न में पढ़ता है, वह दीन-धर्म को मानने वाला व्यक्ति होता है।

सूरः आराफ

जिस किसी ने स्वप्न में सूरः आराफ को पढ़ा हो, वह शख्स हर इल्म से लाभ उठायेगा।

सूरः अन्फाल

जो कोई स्वप्न में सूरः अन्फाल पढ़ता है, उसे सम्मान और लोकप्रियता हासिल होगी।

सूरः नस्र

जो कोई शख्स स्वप्न में सूरः नस्र को पढ़ेगा तो उसकी शीघ्र मृत्यु होने की सम्भावनायें बनती हैं। क्योंकि यह सूरः रसूलुल्लाह सल्लल्० के लिए नाजिल हुई है अर्थात् इसके उतरने के पश्चात् ही उनकी मृत्यु हुई थी। इब्ने सीरीन रहमतुल्लाहु अलैहि ने फरमाया कि यह अंतिम सूरः है, जो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पर आसमान से उतरी हुई है।

सूरः मस्द (लहब)

इस सूरः को स्वप्न में पढ़ने वाला लक्ष्य की प्राप्ति अवश्य कर लेगा। उसके परिवार में सदस्यों की संख्या कम होगी और उसका जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

सूरः इख्लास

जो कोई शख्स स्वप्न में इस सूरः को पढ़ेगा तो उसकी कोई भी संतान जीवित नहीं रहेगी।

सूरः फलक

इस सूरः को स्वप्न में पढ़ने वाला तमाम प्रकार की बुराइयों से जीवन भर बचा रहेगा।

सूरः नास

इस सूरः को स्वप्न में पढ़े तो वह तमाम परेशानियों से बचा रहकर अल्लाहतआला की पनाह में महफूज रहेगा।

इस्लामी शाबर प्रयोग

किसी भी मन्त्र का काट करने का मन्त्र

तेली की खोपड़ी चाट चाट के मैदान, ऊपर चढ़ा मुहम्मद सुल्तान, मुहम्मद सुल्तान किसका बेटा, फातिमा का बेटा, सूअर खाय हलाल करे पैं दे पांव वज्र की कील काट तो माता के दूध हराम कह।

किसी भी शुभ समय अथवा जुमेरात (गुरुवार) की रात्रि को पूरी रात भर इस मन्त्र का जप करते रहने से यह मन्त्र सिद्ध हो जाता है।

हजरत पैगम्बर अली की चौकी

यहीं सार सार सार, जिन्न देव परी नवस्कंधार, एक खाए दूसरे को फार, चहुं ओर अग्नि पसार, मलायक अस चार, दुहाई दस्तखे जिब्राइल, बाई पे खींचे काइल, दाईं दस्त दस्त, हुसैन पीठ खड़े खेड़ें, आमिल कलेजे राखे इस्राइल, दुहाई मुहम्मद अलैलाह इलाह की, कंगूर लिल्लाह की खाई, हजरत पैगम्बर अली की चौकी, नखा मुहम्मद रसूलिल्लाह की दुहाई।

जब कभी भी कोई अमल करना हो तो इस मन्त्र को पढ़कर सात दफा ताली बजावें। किसी भी साधना से पूर्व इस मन्त्र को सात बार पढ़कर अपने चारों ओर सुरक्षा रेखा भी खींची जा सकती है। रोग झाड़ने हेतु इसका झाड़ा सात बार देना चाहिये।

सुरक्षा-मन्त्र

छोटी-मोटी थमंत वार को वार बांधे, पार को पार बांधे, मरघट मसान बांधे, टोना और टंवर बांधे, जादू वीर बांधे, टोठ और मूठ बांधे, बिच्छू और सांप बांधे, भेड़िया-बाघ बांधे, लखूरी सियार बांधे, अस्सी अस्सी दोष बांधे, कालिका लिलार बांधे, योगिनी संहार बांधे, ताडिका कलेज बांधे, उत्तर-दक्षिण-पूर्व-पश्चिम बांधे, मरी मसानी बांधे, और बांधे डायन भूत के गुण, लाइल्लाह को कोट इल्लल्लाह की खाई, मुहम्मद रसूल्लिल्लाह की चौकी, हजरत अली की दुहाई।

ग्रहणकाल हो तो ग्रहण प्रारम्भ से ग्रहण के अन्त तक निरन्तर जप करने से यह मन्त्र सिद्ध हो जाता है। यदि ग्रहण का समय १०-१५ मिनट हो तो भी मन्त्र

Scanned by CamScanner

सिद्ध हो जाता है। किसी भी प्रकार की साधना-सिद्धि अथवा तांत्रिक प्रयोग आरम्भ करने से पूर्व इस मन्त्र को मात्र एक दफा पढ़ लेने से ही साधक पूर्णतः सुरक्षित रहता है।

गो जोगिन सिद्धि-मंत्र

अगारी जो गुरु थागे जोगिन गुरु डंड बतियां करियां बलईयां री जोगन मुख अचरिता गायति रही रातियां गो जोगिन चल इन अकेलियां गो मारो हैह तालियां गो जोगिन बांधऊं नजरियां गो जोगिन आ पहियां न आये तो दुहाई मईया बनिता की, दुहाई सलिमा पैगम्बर की, दुहाई सलाई छू।

शुभ तिथि-नक्षत्र में या जुम्मा को पास में धूप-दीप आदि जला ले और चमेली के फुलों की माला समीप रखकर सावधानी-पूर्वक रात्रि भर उक्त मन्त्र का जप करता रहे। गो जोगिन प्रकट हो तो पुष्पमाला तुरन्त ही उसे पहना दे तो वह प्रसन्न होकर अलौकिक सिद्धि प्रदान कर देगी।

मुट्ठी पीर की सिद्धि-मन्त्र

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम ! साह चक्र की बावड़ी, गले मोतियन का हार, लंका सो को समुद्र सी खाई, जहाँ फिरे मुहम्मदा वीर की दुहाई, कौन वीर आगे चले, सुलेमान वीर चले, दर्शनी वीर चले, नादिरशाह वीर चले, मुट्ठी पीर चले, नहीं चले तो हजरत सुलेमान की दुहाई, शब्दा सांचा, पिण्ड कांचा, फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।

किसी भी जुमेरात (गुरुवार) के दिन रात के समय किसी बबूल के वृक्ष के नीचे पश्चिम की ओर मुख करके बैठ जाय और एक माह में उक्त का कुल एक लाख दफा जप पूर्ण कर ले। समाप्ति के बाद जब मुट्ठी पीर हाजिर हो जायँ तो उनसे मनचाहा वरदान मांग ले।

हमजाद सिद्ध-मन्त्र

आगम निगम की खबर लगावे, सोऽहं पारब्रह्म को नमस्कार।

इस मन्त्र को चालीस दिनों तक प्रतिदिन २५० दफा जप करने से हमजाद सिद्ध हो जाता है। साधक एक स्थान पर बैठे-बैठे ही दूर देशों तक का हाल पता कर सकता है।

जिन उच्चाटन-मन्त्र

मां बादशाह सब बादशाहों के सफेद घोड़ा, सफेद पाखर, जिस पर चढ़े जिन्नों के बादशाह, बारह कोस अगाड़ी, बारह कोस पिछाड़ी, जो कुछ काम कहूं बजा लावे, मेरी भक्ति गुरु की शक्ति फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।

किसी भी शुभ समय पर इस मन्त्र को दस हजार दफा जप करके सिद्ध कर ले। फिर जिन्न-बाधा के रोगी पर इस मन्त्र से अभिमंत्रित जल छिड़क देने से जिन्न भाग जाता है।

वीर मुहम्मद मन्त्र-प्रयोग

अन्तरकुशी सत्य खुदाय तिउंगा कटोरा लोहे के कोट वज्र का ताला, अल्लाह नबी बैठे रखवाला, हाथ की पांव की उरिया धुरिया, तैंतीस कोस की बलाय जात रहे, वीर मुहम्मदा तेरी आन है।

इस मन्त्र का विधिवत् प्रयोग करने से मनुष्य के भूत-प्रेत-जिन्नादि समस्त दोषों का प्रभावी ढंग से निवारण किया जा सकता है।

व्यापारवृद्धिकारक मन्त्र

ओम नमो सात समुद्र के बीच शिला जिस पर सुलेमान पैगम्बर बैठा सुलेमान पैगम्बर के चार मुवक्किल पूर्व को धाया देव-दानवों को बांधि लाया दूसरा मुवक्किल पश्चिम को धाया भूत-प्रेत कू बांधि लाया तीसरा मुवक्किल उत्तर को धाया अयुत पितृ को बांधि लाया चौथा मुवक्किल दक्षिण को धाया डाकिनी शाकिनी को पकड़ि लाया चार मुवक्किल चहुं दिशि धावें छलद्रि कोऊ रहन न पावें रोग-दोष को दूर भगावें शब्द सांचा, पिण्ड कांचा फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।

कपड़े के चार पुतले बनावें और इस मन्त्र को पढ़कर उन चारों पुतलों पर फूंककर उन्हें अभिमन्त्रित कर ले। तत्पश्चात् अपने व्यावसायिक स्थल के चारों कोनों में एक-एक पुतला उक्त मन्त्र को पढ़ते हुए गाड़ दे। इसके बाद प्रतिदिन व्यापार स्थल पर जाने से पूर्व एक माला इस मन्त्र का अवश्य जपे।

सर्ववशीकरण मन्त्र

दुहाई बाबा हनुमान की दुहाई, मरघट वाली की दुहाई, चौगान वाली की दुहाई, मुरदे खाने वाली की दुहाई, पाँचों पीरों की दुहाई, सैय्यद बादशाह की दुहाई, ला इलाही लिल्लाह मोहम्मद उर रसूल लिल्लाह, दुहाई पवन की, दुहाई बावरी की, मीरा साहिबा की दुहाई, कालका माई की दुहाई, नगरकोट वाली की दुहाई, बाबा बालकनाथ की दुहाई, गुरु गोरखनाथ की दुहाई, अलखिया बाबा की दुहाई, मरघट वाली की दुहाई, भैरों काली की दुहाई, बंगाली बाबा की दुहाई, पहलवान की दुहाई।

किसी भी सूर्यग्रहण के अवसर पर सम्पूर्ण ग्रहणकाल में उक्त मन्त्र को निरन्तर जप करके मन्त्र को सिद्ध कर ले। खाने की वस्तु (यथा—लौंग, सुपारी, इलायची,

Scanned by CamScanner

मिठाई, टॉफी, चॉकलेट, पान इत्यादि) पर उक्त मन्त्र को इक्कीस दफा पढ़कर अभिमन्त्रित कर ले और जिसे वश मे करना हो, उसे वह वस्तु किसी भी तरह खिला दे।

धनलाभ मन्त्र

या मुसब्बिब वल असबाल।

इस मन्त्र को किसी सादे सफेद कागज पर ५०१ दफा लिखकर सिद्ध कर ले। तत्पश्चात् एक अन्य कागज पर इस मन्त्र को लिखकर घर में पूजा-स्थल पर रखने से घर में सुख-शान्ति मे वृद्धि और धनलाभ होने लगता है।

आकस्मिक धनप्राप्ति-हेतु मन्त्र

बैठे चबूतरे पढे कुरान, हजार काम दुनिया का करे, एक काम मेरा कर, न करे तो तीन लाख तैंतीस हजार पैगम्बरों की दुहाई।

किसी भी शुभ मुहूर्त में इस मन्त्र को ५१००० दफा जप करके सिद्ध कर ले। वदख्त जरूरत पर इसे १०१ बार पढ़े।

वशीकरण मन्त्र

अल्लाह बीच हथेली, मुहम्मद बीच कपार, उसका नाम मोहिनी मोहे जग संसार। मजे करे मार मार, उसे मेरे बाएं कदम तरे डार, जो न माने मुहम्मद की आन, उस पर पड़े बज्र का बान, बहक्के लाइल्लाह अल्लाह, है मुहम्मद मेरा रसूलिल्लाह।

किसी भी रविवार से आरम्भ करके शनिवार तक प्रतिदिन ११०१ की संख्या मे उपरोक्त मन्त्र का जप एक निश्चित समय पर करे। लोबान की धूनी दे, अगरबत्ती जलाकर रखे तथा अपने पास मिठाई रखे। किसी भी खाने की वस्तु पर सात दफा उपरोक्त मन्त्र पढ़कर अभिमन्त्रित कर ले और वह वस्तु जिसे भी खिलायेंगे, वह वशीभूत होगा।

सर्वमनोकामनापूरक मन्त्र

मखनी हाथी जर्द अम्बरी, उस पर बैठी कमाल खां की सवारी, कमालखां मुगल पठान, बैठे चबूतरे पढ़े कुरान, हजार काम दुनिया का करे, एक काम मेरा कर, न करे तो तीन लाख तैंतीस हजार पैगम्बरों की दुहाई, तेरे पैगम्बरों की दुहाई।

प्रतिदिन नियमपूर्वक अधिकाधिक संख्या में इसे जपने से अत्यधिक लाभ होता है।

वशीकरण मन्त्र

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम आलमोसि हो वल्लाह।

किसी भी जुमे (शुक्रवार) के दिन से आरम्भ करके चालीस दिनों तक प्रतिदिन एक माला इस मन्त्र का जपने से ४० दिन पश्चात् यह मन्त्र सिद्ध हो जायेगा। वशीकरण-हेतु किसी भी खाने-पीने की वस्तु को उक्त मन्त्र से अभिमन्त्रित कर फूँक मारकर साध्य स्त्री-पुरुष को खिला देने से वह वशीभूत हो जायेगा।

मकुशल यात्रा हेतु मन्त्र

शेख फरीद की कामरी अंधियारी निशा तीन चीज बराय ओम नमो स्वाहा।

सर्वप्रथम किसी शुभ समय में उक्त मन्त्र को ११००० दफा जप करके सिद्ध कर ले। तत्पश्चात् जब कभी यात्रा पर जाय तो जाने से पूर्व यह मन्त्र तीन दफा अवश्य पढ़कर ही यात्रा आरम्भ करे।

सुपारी-वशीकरण मन्त्र

अमुक गुरु गुफतार जाग-जाग अलाउद्दीन शैतान सात बार अमुक के जिपा आन जो न माने तो तेरी अम्मा की तलाक हमशीरा की तलाक।

इस मन्त्र को किसी भी जुमेरात को ११४४ दफा पढ़कर सिद्ध कर ले। अब किसी साबूत सुपारी को ३१ दफा उक्त मन्त्र से अभिमन्त्रित कर ले। इस सुपारी को जिसे भी खिला देंगे, वह वशीभूत होगा।

वशीकरण मन्त्र

बड़ पीपल का थान जहां बैठा अजामील शैतान मेरी शबीह मेरी सूरत बन 'अमुक' को जा रान जो राने तो धोबी की नाद चमार की खाल कुलाल की माटी पड़े जो राजा चाहे राजा का मैं चाहूं अपने काज को मेरा काम न होगा तो आनसी में तेरा दामनगीर रहूंगा।

किसी भी माह के कृष्णपक्ष के शनिवार से आरम्भ करके ३१ दिनों तक अर्द्धरात्रि के वक्त २१ राई के दाने हाथ में लेकर प्रत्येक दाने को उक्त मन्त्र से २१ दफा अभिमन्त्रित करके साध्य स्त्री का नाम लेते हुए अग्नि में डालते जायँ। इस प्रबल प्रयोग के प्रभाव से साध्य स्त्री अवश्य ही साधक के वशीभूत हो जायेगी।

मुसीबत दूर करने हेतु संकटमोचक मन्त्र

इलाही बहुर्मत सईद मही अलदीन इलाही बहुर्मत शेख मही अलदीन इलाही बहुर्मत गौस मही अलदीन इलाही बहुर्मत ख्वाजा मही अलदीन इलाही बहुर्मत गरीब मही अलदीन इलाही बहुर्मत मसकीन मही अलदीन इलाही बहुर्मत

Scanned by CamScanner

लेख मही अलदीन इलाही बहुर्मत कुतुब मही अलदीन इलाही बहुर्मत मखदूम मही अलदीन इलाही बहुर्मत दरवेश अलदीन इलाही बहुर्मत वली मही अलदीन।

इस मन्त्र के द्वारा समस्त परेशानियों से सरलता से छुटकारा पाया जा सकता है। किसी भी नौचन्दी जुमेरात से नियमित इस मन्त्र का जप आरम्भ कर दे और जब तक मुसीबतें/परेशानियाँ दूर न हो जायँ, तब तक प्रतिदिन श्रद्धापूर्वक इस मन्त्र का जप करता रहे।

भूत-प्रेतादि दोषनाशक गंडा

ओम नमो आदेश गुरू को, लड़गढ़ी सों मुहम्मद पढाण, चढ्या श्वेत घोड़ा, पलाण, भूत बांधि, प्रेत बांधि, चौंसठ जोगिनी बांधि, अड़सठ स्थान बांधि, बांधि, बांधि रे चोखी तुरकिनी का पूत, बेगि बांधि, जो तू न बांधे तो अपनी माता की शैय्या पर पांव धरे, मेरी भक्ति गुरु की शक्ति फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।

इस प्रयोग को करते समय आमिल (तांत्रिक) को अपने पास दीपक जलाकर रखना चाहिए, लोबान की धूनी दे तथा समीप में थोड़ी मिठाई अवश्य रखे। अब रोगी के सिर से लेकर पाँव तक की लम्बाई का सात रंग वाला डोरा नाप कर उक्त मन्त्र को पढ़ते हुए उस सूत के डोरे में ३१ गांठें लगाकर गण्डा तैयार कर ले। इस प्रकार से तैयार गण्डे को उस रोगी के गले में पहना दे। गण्डे के प्रभाव से रोगी की समस्त ऊपरी बाधायें दूर हो जाती हैं।

●

Scanned by CamScanner

कुफ्ल मन्त्र

पहला कुफ्ल

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम बिस्मिल्लाहिस्स मीइल बसीरिल्लाजी लैसा कमिस्लेही शयदूनहुवा बिकुल्ले शयइन हकीम बिरहमते काया अरहमर्राहिमीन साल्लिल्लाहो अला-मुहम्मदिन व अला आलेही व असहाविहि अजमईन०।

दूसरा कुफ्ल

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम बिस्मिहिल खालेकिल अलीमिल्लजी लैसा कमिस्लेही शयइन व हुवल फत्ताहुल अलीम बिरहमते का या अरहमर्राहिमीन०।

तीसरा कुफ्ल

बिस्मिल्लाहिर्रहमार्निहीम बिस्मिल्लाहिस्समीइल अलीमिल्लजी लैसा कमिस्लेही शयइन हुवल गनी इलकदीरो बिरहमतेका या अरहमर्राहिमीन०।

चौथा कुफ्ल

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम बिस्ल्लाहिस्समीइल अलीमिल्लजी लैसा कमिस्लेही शयइन व हुवल अजीजुल कीरीम बिरहमतेका या अरहमर्राहिमीन०।

पाँचवाँ कुफ्ल

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम बिस्मिल्लाहिस्समीइल अलीमिल्लजी लैसा कमिस्लेही शयइन व बहुवल अली मिलखबीर बिरहमतेब य या अरहमर्राहिमीन०।

छठा कुफ्ल

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम बिस्मिल्लाहिल अजीजिर्रहोमिल्लजी लैसा कमिस्लेही शयइन व हुवल अजीजुल गफूर बल्लाहो खैसन हाफिजा व हुवा अरहमर्राहि-मीन०।

उपरोक्त छः कुफ्लों का निम्न रूप से उपयोग किया जाता है—

पहला कुफ्ल—भूत-प्रेतादि व विष-प्रभाव-नाशक।
दूसरा कुफ्ल—मासिक धर्म नियमित करने व शीघ्र प्रसव-हेतु।
तीसरा कुफ्ल—घर छोड़कर भागे व्यक्ति को वापिस बुलाने-हेतु।
चौथा कुफ्ल—गुमशुदा पालतू पशु को वापिस लौटाने-हेतु।

Scanned by CamScanner

पाँचवाँ कुफ्ल—स्मरण शक्ति में वृद्धि करने-हेतु।
छठाँ कुफ्ल—मिर्गी, पागलपन व उन्माद रोग के उपचारार्थ।

पहले कुफ्ल को अथवा सभी छः कुफ्लों को एक कागज पर लिखकर ऊपरी बाधाग्रस्त रोगी के हाथ में बांध दे।

दूसरे कुफ्ल को मिठाई पर सात दफा पढ़कर जिस स्त्री का मासिक धर्म रुक गया हो अथवा कोई स्त्री प्रसववेदना से पीड़ित हो तो उसे वह मिठाई खिला दे।

तीसरे कुफ्ल अथवा सभी कुफ्लों को सात कंकड़ों पर सात-सात दफा पढ़कर उन्हें अग्नि में स्वाहा कर दे। भागा व्यक्ति वापस आ जायेगा।

भागे जानवर हेतु चौथे कुफ्ल को पानी के ऊपर पढ़कर उस पानी को किसी नदी अथवा कुएं में डाल देने से पाँच-छः दिनों में ही गुमशुदा जानवर वापिस लौट आयेगा।

पाँचवें कुफ्ल अथवा सभी कुफ्लों से पानी को सात दफा अभिमन्त्रित करके पन्द्रह दिनों तक नित्य प्रयोग करे और नित्य वह पानी पी जाय। उस व्यक्ति की स्मरण शक्ति बढ़ेगी।

छठे कुफ्ल को रोगी के कान में सात दफा उच्च स्वर में बोले।

सूरः यूसुफ (पारा-११-१२)

इस सूरः को लिखकर अथवा इसका ताबीज बनाकर जो कोई भी शख्स इस ताबीज को अपनी दाहिनी बाजू पर बांधे तो उसकी पत्नी उससे और ज्यादा प्रेम करने लगेगी।

सूरः इख्लास (पारा-३०)

जो कोई भी शख्स रोजाना सुबहो-शाम इसे पढ़ेगा, वो तमामोतमान आफतों से महफूज बना रहेगा।

सूरः कहफ (पारा-१६)

जो कोई भी शख्स हर जुम्मे को इस सूरः को एक बार पूरा पढ़ लेगा तो अगले जुम्मे तक उसे खुशी मिलेगी।

सूरः जुहा (पारा-३०)

सात दिनों तक लगातार दिन में सात बार सूरः जुहा को पढ़े तो खोई हुई चीज मिल जायेगी तथा घर से गया हुआ व्यक्ति वापस आ जायेगा।

सूरः अस्त्र (पारा-३०)

माल को जमीन में गाड़ते समय इस सूरः को पढ़कर दम करे तो माल सुरक्षित रहेगा।

Scanned by CamScanner

सूरः फुरकान (पारा-२८)

इस सूरः को लिखकर गले में अथवा बाजू पर बांधने से उसे कोई भी खतरनाक जानवर नुकसान नहीं पहुंचायेगा।

सूरः नमल (पारा-१९)

यदि इस सूरः को हिरण की झिल्ली पर लिखकर जो कोई भी शख्स अपने पास रखेगा तो उसे दीन-दुनिया से भलाई मिलेगी।

सूरः मुतफिफ्फीन (पारा-३०)

यह सूरः समस्त प्रकार के कीड़े-मकोड़ों को भगाने में बेहद मददगार साबित हुई है।

सूरः इन्शिकाफ (पारा-३०)

यदि इस सूरः को किसी परेशान अथवा बेचैन आदमी पर पढ़कर दम करे तो उसे तुरन्त ही राहत और शन्ति मिल जायेगी।

सूरः नहल (पारा-१४)

इस सूरः को लिखकर किसी बगीचे में गाड़ दे तो वहाँ के सारे वृक्षों के फल नष्ट हो जायेंगे। यदि इसे लिखकर किसी समूह अथवा जलसे के मध्य रख दे तो सभी लोग तबाह हो जायेंगे।

सूरः लुकमान (पारा-२१)

इस सूरः को लिखकर पीने से पेट से सम्बन्धित समस्त रोग नष्ट हो जायेंगे और बुखार भी जाता रहेगा।

सूरः फतहा (पारा-२६)

रमजान शरीफ का चान्द निकलते समय तीन बार सुरः फतहा को पढ़ने से वर्ष भर सुख-समृद्धि बनी रहेगी।

सूरः मुजादला (पारा-२८)

इस सूरः को किसी रोगी के पास बैठकर पढ़ने से उसका रोग जाता रहेगा। यदि इस सूरः को कागज पर लिखकर अनाज के गोदाम में रख दे तो सारा अनाज सुरक्षित रहेगा।

सूरः अलहाक्का (पारा-२९)

सूरः अलहाक्का को जाफरान से लिखकर गर्भवती स्त्री को बाँधने से गर्भ समस्त प्रकार की बाधाओं व परेशानियों से सुरक्षित रहेगा।

Scanned by CamScanner

सूरः गाशियह (पारा-३०)

यदि खाने वाली खाद्य-सामग्री में विष मिला होने का संदेह हो तो खाने से पहले खाद्य-सामग्री पर इस सूरः को पढ़कर दम कर ले तो वह खाना हानि नहीं पहुँचायेगा।

सूरः लहब (पारा-३०)

शरीर में किसी भी स्थान या अंग में दर्द हो तो इस सूरः को लिखकर दर्द वाले स्थान पर बांध देने से दर्द जाता रहेगा।

सूरः राअद (पारा-१३)

इस सूरः को किसी बड़ी नयी रकाबी पर रात के अंधेरे में जब बिजली कड़क रही हो तब लिखकर बरसात के पानी से धोकर रात्रि के समय उस पानी को हाकिम के दरवाजे पर छिड़क दे तो इन्शा अल्लाह उसी दिन उसका कर्ज समाप्त हो जायेगा।

सूरः जिन्न (पारा-२९)

जिस आदमी को आसेब आने की शिकायत हो तो उस पर सूरः जिन्न को एक बार पढ़कर दम करे या फ़िर इस सूरः को लिखकर उसकी बाजू पर बांध दे तो आसेब जाता रहेगा।

सूरः हूद (पारा११-१२)

इस सूरः को हिरण की खाल पर लिखकर जो कोई भी शख्स अपने पास रखेगा तो वह सर्वत्र विजय प्राप्त करेगा। यदि इस सूरः को जाफरन से लिखकर तीन दिनों तक लगातार सुबहो-शाम कोई शख्स पी ले तो उसका सारा भय जाता रहेगा और दिल मजबूत हो जायेगा।

सूरः नाजिआत (पारा-३०)

यदि इस सूरः को किसी ढाल पर लिखकर दुश्मनों का मुकाबला करे तो सफलता मिलेगी।

सूरः फील (पारा-३०)

शत्रु से मुकाबले के वक्त यदि इसे पढ़कर उनकी ओर फूंक मारे दे तो शत्रु से बचाव होगा और शत्रु पर हावी हो जायेंगे।

सूरः ताहा (पारा-१६)

जो कोई प्रतिदिन सुबह सबेरे सूरःताहा को पढ़े तो वह सबका प्रिय बन जायेगा और हर कोई उसे चाहने लगेगा।

Scanned by CamScanner

सूरः अलबुरुज (पारा-३०)

कोई औरत अगर बच्चे का दूध छुड़वाना चाहे तो इस सूरः को लिखकर उसकी भुजा पर बांध दे, इससे बच्चा आसानी से दूध छोड़ देगा।

सूरः अल कद्र (पारा-३०)

अगर किसी से मुहब्बत है तो उसके बाल पकड़ कर इस सूरः को पढ़े, इससे मुहब्बत में वृद्धि होगी और उसे आपकी कोई बात बुरी नहीं लगेगी।

सूरः हिज्र (पारा-१३)

इस सूरः को जाफरान से लिखकर शादी-शुदा औरत को पिलाया जाय तो उसका दूध बढ़ जायेगा।

सूरः युसूफ (पारा-११-१२)

इस सूरः को लिखकर या ताबीज में बनाकर जो व्यक्ति अपनी दाहिनी बाजू पर धारण करता है, उसकी पत्नी उससे अत्यधिक प्रेम करने लगती है। कुंवारे लोग अपने प्रेम को बढ़ाने के लिए इस सूरः का प्रयोग कर सकते हैं।

सूरः जासियह (पारा-२५)

बच्चा पैदा होते समय इस सूरः को लिखकर बांधने से बच्चा समस्त आसेब तथा खतरनाक बाधाओं से बचा रहता है।

सूरः वाकिआ (पारा-२६)

इस सूरः को जो आदमी रात में सोते समय एक बार पढ़ ले तो वह कभी भूखा नहीं रहेगा। इसे बार-बार पढ़ने से धन में वृद्धि होती है।

सूरः जिन्न

यदि कोई व्यक्ति भूत बाधा से पीड़ित हो तो इस सूरः को एक बार पढ़कर फूँक मारे अथवा इस सूरः को लिखकर उसकी दाहिनी बाजू में बांध दे तो उसके असर से वह ऊपरी बलाओं से मुक्त हो जायेगा।

सूरः अल फज्र (पारा-३०)

इस सूरः को आधी रात में पढ़कर पत्नी के साथ सहवास किया जाये तो नेक औलाद पैदा होगी और वह औलाद लड़का ही होगा।

सूर नबा (पारा-३०)

यह चमत्कारी सूरः पढ़कर या बाजू में बांधकर किसी उच्चाधिकारी या हाकिम के पास जाय तो वह आपके हक में काम करेगा।

Scanned by CamScanner

सूरः तहरीम (पारा-२९)

इस सूरः को मिर्गी रोग से पीड़ित व्यक्ति के ऊपर पढ़कर दम किया जाय तो उसे आराम मिलेगा व मिर्गी रोक ठीक हो जायेगा। अगर कोई नींद की बीमारी से पीड़ित है तो उसे चैन की नींद आयेगी। इसके अलावा किसी के ऊपर कर्जे का बोझ हो तो इस सूरः की तिलावत करने से कर्जे से मुक्ति पा जाएगा।

सूरः फतिहा (पारा-१)

इस सूरः को एक सौ ग्यारह बार पढ़कर हथकड़ी पर दम किया जाये तो कैदी को जल्द ही रिहाई मिलेगी। आखिरी रात में इकतालीस दफा इसे पढ़ने से बिना मेहनत किये रोजी मिल जायेगी।

सूरः मरयम (पारा-१३)

इस सूरः को कांच के गिलास में लिखकर रखे तो घर में सुख-शान्ति व सुख-समृद्धि बनी रहती है, अगर सूरः को लिखकर घर की दीवार पर टांग दिया जाय तो घर तमाम आफतों से सुरक्षित रहता है।

सूरः मुल्क (पारा-२९)

यदि किसी की आँखें दुखती हैं तो इस सूरः को लगातार तीन दिन तक तीन बार पढ़कर दम करे तो जरूर आराम मिलेगा।

सूरः तकासुर (पारा-३०)

यदि किसी को आधा सीसी का दर्द हो तो असर की नमाज के बाद इस सूरः को पढ़कर दम करे तो दर्द से आराम मिल जायेगा।

सूरः बनी इसराईल (पारा-१५)

इस सूरः की मदद से अगर कोई बच्चा न बोलता हो तो बोलने लगता है। इसे जाफरान से लिखकर पानी में धोकर बच्चे को पिला दे। इस सूरः के प्रभाव से बच्चा अवश्य ही बोलने लगेगा।

वशीकरण टोटका

- इंदोरनि, चिनावरी और मैनसिल को बराबर-बराबर लेकर जौकुट करके अपने अंग में धूल लेने से देखने वाला व्यक्ति मोहित हो जाता है।
- बिजोरे की जड़ और धतूरे के बीज को प्याज के साथ महीन पीसकर जिसे सुंघाया जाय, वह वश में हो जाता है।
- मंगलवार के दिन जब अमावस्या हो तो उस दिन दैनिक क्रिया से निवृत्त होकर पवित्रतापूर्वक वन में जाकर उत्तर की ओर मुंह करके खड़े होकर अपामार्ग

Scanned by CamScanner

के वृक्ष को देखे। फिर उसी स्थान पर ब्राह्मण को बुलाकर उस वृक्ष की विधिपूर्वक पूजा करे तथा ब्राह्मण को १६ माशा स्वर्ण का दान दे। उसके बाद उस ब्राह्मण के द्वारा अपामार्ग के बीजों को लेकर घर चले आवे। मार्ग में किसी से कुछ न बोले। उन बीजों को साफ करके अगर एक बीज राजा को खिला दिया जाय तो राजा तक जीवन भर के लिए वश में रहता है।

● चिता की भस्म, कूट, बच, तगर और कुमकुम—इन सबको एक साथ पीसकर स्त्री के मस्तक पर और पुरुष के पांव के नीचे डालने से वे वशीभूत हो जाते हैं।

● बेलपुत्र और मातुलंग को बकरी के दूध में घिसकर तिलक लगाने से श्रेष्ठ वशीकरण होता है।

● पुष्य नक्षत्र में अपामार्ग के बीज लेकर उन्हें भोजन तथा पानी के साथ राजा को सेवन कराने से राजा भी वशीभूत हो जाता है।

● उल्लू के मांस में बकरे का मांस मिलाकर एक रत्ती प्रमाण पानी के साथ जिसे दिया जाय, वह दास होकर चरणों में आ गिरता है।

● रात्रि के समय स्वयं का वीर्य हाथ में लेकर बाँई उंगली से जिस स्त्री-पुरुष के पैर के अंगूठे में लगा दिया जाय, वह वशीभूत हो जाता है।

● घीग्वार के कंद में भांग के बीज पीसकर तिलक करने से वशीकरण होता है।

● छछूंदर, काले सर्प का फन तथा बिच्छू के डंक को लाकर संध्या के समय अपने अंग में धूप देने वाला व्यक्ति जिसको देखे, वही मोहित हो जाता है।

● नीलकमल, गुग्गुल और अगर—इन सबको बराबर-बराबर मात्रा में लेकर अपने सभी अंगों में धूनी दे तो देखते ही सभी मोहित हो जाते हैं।

● पुष्य नक्षत्र में सिंघी की जड़ को उखाड़ लाए। उसे कमर पर बांधकर राजसभा में जाए तो सभी वश में हो जायेंगे।

● उदुम्बर के फूल की बत्ती बनाकर मक्खन भरे दीपक में जलाकर रात्रि में काजल पारने और उस काजल को आँखों में लगाने से सब लोग मोहित हो जाते हैं।

● धतूरे के पंचांग को चूर्ण कर उसे भस्म तथा सर्प के रुधिर में मिलाकर संध्या के समय अपने शरीर पर धूप देने से जो देखता है, वही मोहित हो जाता है।

● उल्लू के मांस को छाया में सुखाकर चूर्ण बना ले। उस चूर्ण को जिस स्त्री-पुरुष के मस्तक पर डाला जाय, वह वशीभूत हो जाता है।

● तगर, कूट, हरताल और केसर—इन सबको बराबर मात्रा में लेकर अनामिका उंगली के रक्त में पीसकर मस्तक पर तिलक लगाने से देखने वाले सब लोग वशीभूत हो जाते हैं।

● खंजन की बीट व मरे हुए जुगनू को पीसकर टिकिया-सी बनाकर उसे

Scanned by CamScanner

पृथ्वी में गाड़कर फूँक दे। जब जल जाय तब उस भस्म को अपने शरीर पर लगाये तो देखने वाले सब मोहित हो जायेंगे।

• पुष्य नक्षत्र की अंधरी रात्रि में संध्या के समय दीपक जलाकर उसकी लौ से काजल बनाये। उस काजल में मोर की बीट, हरताल और सुहागा मिलाकर जिसके मस्तक पर डाल दिया जायेगा, वह वशीभूत हो जाएगा।

• चैत्र मास के कृष्णपक्ष की अष्टमी के दिन चीते के पेड़ को न्यौत आयें, फिर नवमी के दिन उसे लाकर धूप-दीप देकर अपने पास रखने से सभी लोग मोहित हो जाते हैं।

• चन्द्रग्रहण के समय सफेद सरफांको की जड़ को विधिपूर्वक उखाड़कर पानी के साथ सील पर पीसे तथा उसका आँख में अंजन करे तो देखने वाले सभी लोग वशीभूत हो जाते हैं।

• पुष्य नक्षत्र में पुनर्नवा की जड़ को लाकर दाँयीं भुजा में बांधने पर सब लोग वशीभूत हो जाते हैं।

• सुदर्शन की जड़ को भुजा में बांधकर राजा के पास जाने से राजा तक वश में हो जाता है।

• चंदन, रोली, गोरोचन तथा कपूर—इनको घोंटकर लगाने से राजागण वशीभूत हो जाते हैं।

• मेंढासिंगी, बच, राल, खस, चन्दन और छोटी इलायची—इन सबको बराबर-बराबर मात्रा में लेकर कूट कर छान ले। फिर पहनने के वस्त्रों में इस धूप की धूनी दे। इससे सब स्त्री-पुरुष वशीभूत हो जाते हैं।

• श्रवण नक्षत्र के दिन लाया गया बेंत का टुकड़ा दाहिने हाथ में धारण करने से युद्ध में विजय प्राप्त होती है।

• चंदन और बरगद की जड़ को पानी में पीसकर और बराबर मात्रा में भस्म मिलाकर मस्तक पर तिलक लगाने से देखने वाले लोग वशीभूत हो जाते हैं।

• रजस्वला स्त्री के रक्त में गोरोचन मिलाकर मस्तक पर तिलक करके जिसकी ओर देखा जाय, वह वशीभूत हो जाता है।

• रविवार के दिन दोपहर के पहले श्मशान में जाये। अपने दोनों हाथ पीछे की ओर करके एक लकड़ी को उठा लाये। उस लकड़ी का किसी एकांत स्थान में रखकर पूजन करे। इस तरह २१ दिन पूजन करता रहे। तत्पश्चात् बढ़ई के घर उस लकड़ी को ले जाकर सात टुकड़े करवाये। इसमें से एक टुकड़े को शत्रु के घर गाड़ दे तथा शेष टुकड़ों को नदी में बहा दे। इस तरह करने से शत्रु वश में हो जाता है।

• काली जिह्वा वाली स्त्री के द्वारा प्रशंसित व्यक्ति या वस्तु में विकार उत्पन्न

Scanned by CamScanner

हो जाता है। यदि वही स्त्री उस व्यक्ति या वस्तु की निन्दा करे तो वह विकार समाप्त हो जाता है।

● उदुंबर की जड़ का ललाट पर तिलक लगाने से उत्तम वशीकरण होता है।

● पंचमी तिथि को हुर-हुर की जड़ खोद लाये। जड़ को सुखाकर व उसको पीसकर चूर्ण करके पान में रखकर जिसे खिला दिया जाय, वह आकर्षित होकर समीप चला आता है।

● अपने दोनों हाथों व दोनों पैरों के नाखूनों को जलाकर किसी को भी उस भस्म को खिला दे तो भस्म खाते ही वह आपके वश में हो जाएगा।

● पुष्य नक्षत्र में अपामार्ग के बीज लाकर खाने-पीने की किसी वस्तु के साथ किसी को भी खिला देने से वह वश में हो जाता है।

● भोजपत्र के ऊपर लाल चन्दन से शत्रु का नाम लिखकर शहद में डुबो देने से शत्रु वशीभूत हो जाता है।

● पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में किसी बगीचे में जाकर अनार तोड़ लाये। उस अनार को धूप देकर अपनी दाँईं भुजा में बांधकर राजसभा में जाय तो राजा वशीभूत हो जायेगा।

● मुस्ता की जड़ को मुँह में रखकर जिसके नाम का उच्चारण किया जाय, वह वशीभूत हो जाता है।

● भरणी अथवा पुष्य नक्षत्र में चम्पा की कली लाकर हाथ में बांधने से लोग वशीभूत हो जाते हैं।

● शहद में खस एवं चन्दन मिलाकर उससे तिलक करे। इसके पश्चात् जिस स्त्री या पुरुष के गले में बाह डालेंगे, वह वश में हो जायेगा।

● भरणी अथवा पुष्य नक्षत्र में यदि सुदर्शन की जड़ लाकर भुजा में बांधी जाय तो सभी पर प्रभावशाली वशीकरण होता है।

● पुष्य नक्षत्र में लाई गयी चमेली की जड़ को ताबीज में धारण करने से शत्रु भी वश में हो जाता है और उस पर विजय प्राप्त की जा सकती है।

वशीकरण इत्र

मुहम्मत की इत्र बनाने हेतु चमेली, गुलाब, मोगरा इत्यादि किसी भी खुशबूदार फूल का असली इत्र ही काम में लाया जाना चाहिये। सूरः मुज्मिल शरीफ का ग्यारह दफा सस्वर उच्चारण करे। तत्पश्चात् ग्यारह दफा ही दरूद शरीर का सस्वर जप करके इत्र पर दम करे। इस प्रकार मुहब्बत का इत्र बनकर तैयार हो जाता है। इस इत्र को जो कोई भी सूंघ लेगा, वही आपके वश में होकर आपसे मुहब्बत करने लग जायेगा।

Scanned by CamScanner

वशीकरण अंगूठी

अपने महबूब के हाथ की किसी भी (अथवा अनामिका) अंगुली की नाप का सामान्य-सा आइडिया लेकर चाँदी की एक शुद्ध अंगूठी तैयार कर ले। इस अंगूठी में नगीने वाली जगह मोम में सिंदूर मिलाकर उसकी गोली बनाकर फिट कर ले।

अब इस अंगूठी पर प्रतिदिन चालीस दफा 'कुलहुअल्लाह शरीफ' तथा चालीस दफा ही 'आयतुल कुर्सी' पढ़कर दम करे। इस प्रकार से यह प्रयोग बिना नागा लगातार इक्कीस दिनों तक करता रहे। इक्कीस दिनों के पश्चात् इस अंगूठी को किसी भी प्रकार से प्रयत्न करके अपने महबूब के हाथ में पहना दे।

वशीकरण सुरमा

मुहब्बत का सुरमा बनाने की विधि इस प्रकार है—सर्वप्रथम किसी भी प्रकार से अपने महबूब द्वारा इस्तेमाल किया गया कोई भी कपड़े का एक टुकड़ा प्राप्त कर ले। अब खालिस काला सुरमा लेकर उसे उस कपड़े में लपेट ले। तत्पश्चात् कनेर के पुष्प लेकर उन्हें इमामदस्ते में कूट ले और उसमें कपड़े में लिपटा हुआ सुरमा रखकर एक गोला-सा बना ले। इस गोले को छाया में सुखा ले। इसके बाद दस सेर गोबर के उपले (कन्डे) लेकर उन्हें जला ले और उस अग्नि में उस गोले को पका ले। ठण्ढ़ा होने पर गोले को निकाल ले और सप्ताह भर तक इस गोले को खरल में कूट-पीकर एकदम बारीक सुरमा तैयार कर ले। इस प्रकार से 'मुहब्बत का सुरमा' बनकर तैयार हो जाता है।

प्रात:काल स्नान के पश्चात् दोनों आँखों में सलाई से वह सुरमा लगाकर अपने महबूब के सामने जाय तो वह आपसे सम्मोहित होकर आपके कदमों में गिर जायेगा और आपकी मुहब्बत में दीवाना हो जायेगा।

ध्यान रखें कि जिस वक्त सुरमा लगाकर महबूब के पास जा रहे हों तो रास्ते में न तो किसी से नजरें मिलायें और न ही किसी से बात करें। वर्ना जिससे भी आपकी नजरें मिल जायेंगी, वही आपका दीवाना होकर पीछे-पीछे चला आयेगा।

अनेक अमल

सफर में कामयाबी हेतु—सफर में जाने से पूर्व वुजू करके 'या हफीजु' को ९९८ दफा पढ़कर फिर इसके प्रारम्भ में तथा अन्त में दो-दो दफा 'दारूद' पढ़े और तत्पश्चात् सफर के लिए निकले तो जिस उद्देश्य के लिए सफर में जा रहे हैं, उसमें कामयाबी मिलेगी।

क्रोध-समाप्ति हेतु—अगर किसी व्यक्ति को बेवजह और ज्यादा मात्रा में क्रोध आता हो तो उसे चाहिये कि क्रोधावेश के वक्त इस मन्त्र को पढ़े—

Scanned by CamScanner

आऊजु बिल्लाहि मिनश्शेयता निर्रजीम।

इसे पढ़ने के बाद क्रोध अवश्य ही समाप्त हो जाता है। यह एक बेहतरीन अमल (टोटका) है।

गृह-सुरक्षा हेतु—रात्रि में सोने से पूर्व तीन दफा 'आयतुल कुर्सी' को 'बिस्मिल्ला' के साथ पूरी पढ़कर तीन दफा इतनी जोर से ताली बजावे कि उस ताली की आवाज से पूरा घर (मकान) गूंज उठे।

इस साधारण मगर बेहद प्रभावशाली अमल (टोटके) का प्रयोग करते रहने से वह घर सदैव चोर-डाकुओं तथा अन्य प्रकार की बाधाओं से सुरक्षित बना रहेगा।

भयनाशक अमल—यदि किसी जालिम से यातना पहुँचाने का डर हो तो प्राय: निम्न कलिमा पढ़ना चाहिए। किसी प्रकार की तकलीफ नहीं पहुँचेगी।

इसिबियल्लाहु व नेमल वकील।

दु:ख-दर्द निवारक अमल—जो आदमी बहुत अधिक दु:ख-दर्द का शिकार हो या उसे कोई ऐसी मुहिम का सामना हो, जिसका सुधार उसकी ताकत से बाहर हो तो उसे चाहिए कि सुबह की नमाज पढ़कर एक सौ बार यह पढ़े—

ला हवला वलाकुव्वता इल्ला बिल्लाहिल अलिय्यिल अजीमव्या हरयु या कय्यूम या फरदु या वितरा या अ-ह-दु-या स-म-दु।

इंशाअल्लाह हर प्रकार के दु:खों से निजात पा जाएगा।

धनवान बनने का अमल—दौलतमंद बनने के लिए सुबह की फर्ज नमाज के बाद रोजाना २५ बार 'सूर: नसर' दिल की गहराई के साथ कुछ दिन तक पढ़े, इसके पढ़ने से गरीबी दूर हो जायेगी और वह मालामाल हो जायेगा।

गरीबी दूर करने हेतु—जो आदमी अपनी गरीबी से तंग आ गया हो, उसे चाहिये कि अधिकांश समय में यह दुआ पढ़ता रहे। खुदा के हुक्म से उसकी तंगी आसानी में और उसकी गरीबी मालदारी में बदल जायेगी—

व मा काइमिल इज्ज वलगुल्का वल बका या जुल जलाली वल जवदि वल फजली वल अताया व जुल अर्शुल हुदा या फजलुललिमा युरीद।

हर कार्य में सफलता हेतु अमल—यदि कोई आदमी यह चाहे कि उसकी सारी की सारी इच्छा एवं मनोकामनाएँ पूरी हो जायँ तो उसको चाहिये कि वह पाँच साल तक बिना किसी नागा इस अमल को पढ़ा करे और जब तक अमल खत्म न हो जाय, एक दिन का भी नागा न करे, वर्ना सारी मेहनत बेकार हो जायेगी। अमल यह है—**अल्लाहु हू हू हू।**

Scanned by CamScanner

इस इस्म मुबारक को एक हजार बार दरिया में अपने पांव लटकाये पढ़ता रहे। इस बीच में यदि कोई डरावनी शक्ल नजर आये तो किसी हाल में भी डरना नहीं चाहिये और किसी डर व आतंक को दिल में जगह नहीं देना चाहिये।

लाभ-प्राप्ति के लिए अमल—यदि यह देखा जाय कि किसी कारण अनाज का भाव कम हो गया है और बराबर नुकसान होता जा रहा है तो परेशान होने की जरूरत नहीं और न ही अपने अनाज को सस्ते दामों में बेचने की जरूरत है; बल्कि खुदा पर भरोसा करते हुए इस अमल को शुरू कर दे। यदि खुदा ने चाहा तो गैब से अनाज की बहुत अधिक मांग पैदा कर देगा, जिससे आपको लाभ ही लाभ होता चला जायेगा। इस अमल को पाँच दिन तक बराबर पढ़ना होगा। अमल है—**अन्जर फी या रहीम या करीम या गफूर या सखी।**

रोजाना ग्यारह सौ बार इसे पढ़े। एक दिन का भी नागा नहीं होना चाहिये। अपना ध्यान एक ही ओर लगाये रखे और दिल से इस अमल को करता रहे, फिर देखिये अनाज की मांग किस प्रकार होती है। दाम दिन-ब-दिन बढ़ना शुरू हो जायेगा।

माल-संतान की सुरक्षा हेतु—जो आदमी आयतुल कुर्सी को अपने माल या अपनी औलाद पर पढ़कर दम करे या लिखकर गले में लटका दे तो शैतानी हमलों से व बला से वे दोनों महफूज रहेंगे।

जिन्न-आसेब से बचाव—यदि आयतुल कुर्सी को लिखकर घर में दाखिल होने वाले दरवाजे पर लटका दी जाए या हर दिन तीन बार पढ़कर घर में फूंक दे तो जिन्न व भूत उस घर में कभी भी दाखिल न हो सकेंगे।

हर बीमारी का इलाज

सूरः फातिहा हर बीमारी की दवा है। फज्र की नमाज के फर्ज व सुन्नतों के बीच ४१ दफा पढ़कर रोगी के ऊपर दम कर दे। हर बीमारी दूर हो जाएगी।

मनोकामना-पूर्ति का अमल

इशा की नमाज के बाद चार रकअत नमाज और पढ़े, जिसकी पहली रकअत में सूरः फातिहा के बाद आयतुल कुर्सी तीन बार और बाकी रकअतों में सूरः फातिहा के बाद सूरः इख्लास और सूरः फलक और सूरः नास एक बार पढ़े और सलाम के बाद दुआ मांगे तो आपकी दिली मुराद अल्लाह पूरी कर देगा।

भूख व तंगहाली से बचाव

भूख व तंगी दूर करने के लिए **लाहवला वला कुव्वता इल्ला बिल्लाहिल**

Scanned by CamScanner

अलीयिल अजीम पढ़ना बड़ा जरूरी है। जो भी पढ़ेगा, थोड़े ही दिनों में मालामाल हो जाएगा।

दुःख, परेशानी व कैद से छुटकारा पाने हेतु

हर प्रकार की बीमारी, दुःख, परेशानी और कैद से निजात हासिल करने के लिए नीचे लिखी आयते करीमा को दिल की गहराई के साथ पढ़े। यह आयत हर रोग के लिए बड़ी अकसीर है—

ला इलाहा इल्ला अन्ता सुबहानका इन्नी कुन्तु मिनज्जालिमीन।

लाइलाज मामलों का हल

एक रिवायत में आया है कि यदि लाइलाज मामले पेश आयें तो ये कलिमें पढ़ना चाहिये—

हसबियल्लाहु नेमल मवला व नेमल वकील।

कर्ज की अदायगी

यदि कोई कर्ज से परेशान हो तो उसे चाहिये नीचे लिखी आयतें पढ़े, इन्शाअल्लाह कर्ज से निजात पा जाएगा।

अल्लाहुम्मा अकफिनी बिहलालिका अन हरामिका व अगनेनी बिफजलिका व अम्मन सवाका।

दुःखों से निजात पाने हेतु

जो आदमी हर सुबह-शाम ये कलिमे सात-सात बार पढ़ेगा, अल्लाह उसे दुनियाँ व आखिरत के दुःखों से निजात देगा—

हसवियल्लाहु ला इलाहा इल्लाहू अलयहि तवक कलतुव हुवा रब्बुल आर्शिल अजीम।

छोटे बच्चों की सुरक्षा हेतु

बच्चों को हर बला व मुसीबत से सुरक्षित रखने के लिए और बुरी नजर से बचाने के लिए नीचे लिखे कलिमे लिखकर बच्चे के गले में डाल दे—

आऊजु बिकलिमातिल्लाहि मिन शर्रि कुल्ली शयतानिन व हागविन व मिन शर्रि कल्लि अयनिन लाम्मतिन।

निन्यानवें मर्जों की दवा

नीचे का कलिमा ९९ बीमारियों की एक दवा है और इनमें से एक छोटी बीमारी दुःख व गम है। वह कलिमा यह है—

ला हवला वलाकुव्वता इल्लाबिल्लाहि।

Scanned by CamScanner

मिर्गी से बचाव हेतु

जिसे मिर्गी की बीमारी हो और दौर पड़ते हों और वह बेहोश हो जाता हो तो उसे बेहोशी की हालत में उसके सीधे कान में अजान और उलटे कान में इकामत देनी चाहिये। इसी प्रकार सात या ग्यारह बार करने पर रोग खत्म हो जाता है, वर्ना मर्ज में कमी तो अवश्य हो जाती है।

मुकदमे में सफलता-प्राप्ति हेतु

यदि कोई मुकदमे में फंस जाए तो जुहर की नमाज के बाद तीन या सात आदमी वुजू करके बैठ कर १२ हजार बार यह आयत पढ़ें—

व फवजा इश्हदी इलल्लाहा इन्नल्लाहा बसीरून बिलाअिबाद।

शुरू व बाद में ११-११ बार दरूद शरीफ पढ़ें। हर आदमी पढ़ते-पढ़ते अगर-बत्ती व लोबान की खुश्बू सुलगाता जाये। हर दिन पढ़ने के बाद कोई भी मीठी चीज पर सूरः फतिहा पढ़कर बांट दिया करे। इन्शाअल्लाह उसे मुकदमे से निजात हो जाएगी।

आँखों की रोशनी के लिए

इशा की नमाज के बाद 'या बसीरू' तीन बार पढ़कर और सीधे हाथ की शहादत की उंगली पर दम करके आँखों पर वह उंगली फेर लिया करे तो इस अमल से आँखों की रोशनी तेज हो जाएगी तथा आँखों की बहुत सी बीमारियाँ भी आपने आप से दूर हो जायेंगी।

गैब से रोजी मिले

जो आदमी सूराः काफिरून (पारा-३०) और सूरः नसर (पारा-३०) मिलाकर बीस दिन तक पढ़े और इसे लगातार पढ़ता रहे तो उसे गैब से रोजी मिलेगी। इसे सुबह की नमाज के बाद पढ़ा करे।

खेत की सुरक्षा हेतु

यदि किसी के खेत को जानवर खाते हों या खेत को खराब कर जाते हों तो दरिया की पाक रेत पर वुजू करके चार बार आयतुल कुर्सी पढ़कर यह रेत थोड़ी-सी खेत के चारो कोनों में डाल दे। अल्लाह के हुक्म से खेती पूरी तरह महफूज रहेगी, लेकिन इसके लिए विश्वास और भरोसा होना शर्त है। इस अमल के बीच आपकी खेती को न तो जंगली जानवर और न दुश्मन ही किसी प्रकार का नुकसान पहुँचा सकेंगे।

भूली हुई वस्तु याद आ जाए

यदि कोई चीज किसी जगह पर रखकर भूल गये हैं और वह याद न आ रही

Scanned by CamScanner

हो तो इसके लिए आयत **इन्ना लिल्लाहि व इन्ना इलेयहि राजिऊन** पढ़ना शुरू कर दें। इसके पढ़ने की कोई संख्या नहीं है। जब तक भूली हुई चीज याद न आए, बराबर पढ़ते रहें। इन्शाअल्लाह वह चीज याद आ जाएगी और आपको मिल जाएगी। इस अमल से चोरी हुई चीज भी कभी-कभी मिल गयी है।

अनाज में वृद्धि के लिए

किसान जब खेत से अनाज लाकर दूसरी जगह रखे तो पहले यह अमल करे कि इस अनाज में से मुट्ठी भर अनाज लेकर उस पर सात बार आयतुल कुर्सी पढ़कर दम करे और फिर उस अनाज को जिस पर मुट्ठी में लेकर अमल पढ़ा है, पहली बार उस जगह डाल दे, जहाँ अनाज जमा होता है और फिर अनाज लाकर वहाँ जमा करता जाए। अल्लाह के हुक्म से इस अनाज में बरक्कत होगी। यदि अनाज दस-बीस मन आता है तो वह २५ या ३० मन से भी अधिक हो जाएगा।

गये हुए व्यक्ति को वापस बुलाने हेतु

यदि किसी के घर का कोई सदस्य अथवा कोई अजीज शख्स गुम हो गया हो अथवा घर छोड़कर चला गया हो तो उसे वापिस बुलाने हेतु सर्वप्रथम सात दफा सूर:यासीन को पढ़े। जब 'मुकर्रमीन' पर आये तो भागे हुए शख्स का नाम ले और पुराने ताले पर दम करके, उसे बन्द करके हवा में उछाल दे। ताले को उस दिशा में उछाले, जिधर की ओर हवा बह रही हो।

इस प्रयोग को करने से खोया हुआ अथवा भागा हुआ व्यक्ति कुछ ही दिनों में चमत्कारिक रूप से घर वापिस लौट आएगा।

प्रेम-प्राप्ति हेतु

यदि किसी को अपने प्रति आकर्षित करना हो अथवा अपनी मुहब्बत में किसी को बेकरार करना हो तो किसी भी धातु के गिलास में पानी भरकर उस पर सात दफा **या बुद्दूहु** पढ़कर पानी को दम करें।

फिर उसमें से थोड़ा-सा पानी अपने मुँह में डालकर गरारा करें और उस पानी को वापिस गिलास में डाल दें। अब जो कोई स्त्री इस पानी को पीयेगी, वही आपकी मुहब्बत में बेकरार हो जायेगी।

मनोकामनापूर्ति-हेतु

किसी भी प्रकार की मनोकामना अथवा जरूरत की पूर्ति हेतु यह एक आजमाया हुआ प्रयोग है। इसे अवश्य करके देखें।

किसी भी जुमेरात के दिन मगरिब की नमाज के पश्चात् एकांत में बैठकर दोनों

Scanned by CamScanner

हाथ आसमान की ओर उठाकर सौ दफा **या रब्बि या रब्बि या रब्बि** पढ़ें। इसे पढ़ने के पश्चात् खुदा से जो भी माँगेंगे, वही मुराद पूरी हो जायेगी।

यदि तंगहाली व परेशानियों में ज्यादती हो गयी हो तो शुरू के महीने में नौचंदी जुमेरात से प्रारम्भ करके लगातार सात दिनों तक प्रतिदिन एक हजार दफा इस तहरीर को पढ़ें। इस अमल को करने वाले की तंगहाली दूर होकर उसे तमाम परेशानियों से निजात मिल जायेगी।

गर्म लोहा हाथ से उठाना

जलभंगर और मलहठी के पत्तों का अर्क लिया जाये। इस अर्क को थोड़ा गाढ़ा कर लें, फिर अपने हाथों पर अच्छी तरह मल लें और हाथों को छाया में सुखा लें। इसके बाद आप गर्म लोहा आसानी से उठा सकते हैं, आपका हाथ नहीं जलेगा। देखने वाले इसे जादू ही समझेंगे। यह शेबदा रात में दिखायें तो ज्यादा अच्छा रहेगा।

आग से शरीर न जले

अण्डे के छिलके में भैन पारा बराबर वजन लेकर इसे सिरके में मिला लें। इसके बाद इस लेप को अपने शरीर पर मल लें। बस इस लेप के कारण शरीर पर आग का प्रभाव नहीं होगा। जलती हुई आग में आराम से कूद जाइये।

लगी हुई आग को बुझाना

यदि कहीं आग लग जाये तो एक लोटे में पानी भरकर आग की ओर रुख करके खड़े हो जाइये और आग को सम्बोधित करके कहें—ऐ आग देवता तुम ठण्ढे हो जाओ। ये शब्द बार-बार कहते जायँ और उल्टी सांस खीचें और लोटे का पानी पीते जायँ; बस आग बुझ जायेगी।

आग ही न जले

बेद के पेड़ की जड़ और घोड़े के खुर बराबर वजन लेकर उसे पीसकर चूल्हे या भट्टी में डाल दें। इसके डालते ही आग नहीं जलेगी, केवल धुआं ही उठता रहेगा।

चूल्हे को बांधना

शनिवार या रविवार की अमावस को वनबसी लायें और उसे जलाकर गधे के पेशाब में बुझा दें और कोयला बना लें। फिर इन कोयलों को जिस भट्टी या चूल्हे में डालेंगे, वह बंध जायेगा अर्थात् इस पर कोई चीज नहीं पक सकेगी, बल्कि आग ही न जलेगी।

दूसरा तरीका यह है कि इंजीर की लकड़ी मेंढ़क की चर्बी में मिलाकर चूल्हे

Scanned by CamScanner

के अन्दर डाल दें तो जब तक लकड़ी चूल्हे के अन्दर रहेगी, तब तक उसमें आग नहीं जलेगी।

पानी में मछली पैदा हो

मछली के अण्डे लेकर मिट्टी में मिलाकर ओलों में रख दें। जब ओले थम जायँ तो मिट्टी की छांव में रख दें। जब किसी को शोबदा दिखाना हो तो एक थाली में पानी रखकर इस मिट्टी को ऊपर से डाल दें, तुरन्त मछलियाँ पैदा हो जायेंगी।

शीशा चिराग जैसा जले

तंग मुँह के शीशे में नमक व सिरका भरकर आग पर रखें, जब जोश आ जाये और धुआं उठने लगे तो दियासलाई का शोला उसे लगा दें। जब तक धुआं शीशे में रहेगा, चिराग की तरह रोशन रहेगा। किन्तु शर्त यह है कि धुआं बाहर न निकले।

बिना रोशनी रात में पढ़ें

जो कोई हुदहुद का खून सुखाकर सुरमे के बतौर आँखों में लगा ले तो रात को बिना रोशनी के आसानी से पढ़ा जा सकता है।

काँच को चबाना

पहले शीशे को इतना गर्म कर लें कि वह स्वयं आग बन जाये, फिर अदरक के अर्क में डुबो दें और चबाना शुरू कर दें। मुँह में कोई घाव नहीं होगा।

ज्वर-नाशक टोटके

१. मकड़ी के जाले को रोगी के गले में लटकाने-मात्र से ज्वर दूर हो जाता है।

२. रविवार के दिन ज्वररोगी के हाथ से सूर्योदय होने से कुछ देर पहले ही मूंज के पौधे में गिरह दिलवाने से ज्वर दूर हो जाता है।

३. मूसाकानी की जड़ को रोगी के हाथ में बांध देने से ज्वर दूर हो जाता है।

विषमज्वर-नाशक प्रयोग

१. सफेद कनेर की जड़ को रविवार के दिन उखाड़ कर रोगी के दाँयें कान अथवा भुजा में बांध देने से विषमज्वर दूर हो जाता है।

२. रविवार के दिन अपामार्ग की जड़ को उखाड़ लायें। फिर उसे सूत के डोरे में लपेट कर पुरुषरोगी की दाँयीं तथा स्त्रीरोगी की बाँयीं भुजा में बांध दें। इससे विषमज्वर दूर हो जायेगा।

३. चौलाई की जड़ को रोगी के सर पर बांध देने से विषमज्वर दूर हो जाता है।

Scanned by CamScanner

मोटापा कम करने हेतु

किसी भी रविवार को अपनी दाहिने हाथ की अनामिका अंगुली में काला धागा बाँध लें और उसके ऊपर शुद्ध रांगे से बनी हुई अंगूठी या छल्ला इस प्रकार से पहल लें कि वह काला धागा पूर्ण रूप से ढँक जाय। इस प्रयोग को करने से शनैः-शनैः मोटापा स्वतः ही कम होता चला जाएगा।

खाँसी के निवारण हेतु

किसी भी मंगलवार अथवा शुक्रवार के दिन लोबान पौधे की जड़ विधिपूर्वक ले आवें और उसे रोगी के गले में पहना दें तो समस्त प्रकार की खांसी में राहत मिलेगी।

पागलपन दूर करने हेतु

यदि किसी मनुष्य का पागलपन अथवा उन्माद रोग सभी प्रकार की चिकित्सा कराने के बावजूद भी ठीक नहीं हो पा रहा हो तो वह पूर्ण श्रद्धापूर्वक निम्न प्रयोग करे तो शीघ्र ही फायदा होगा। यह प्रयोग मुझे एक पहुँचे हुए फकीर ने बताया था, इस प्रयोग को मैं उनके बताये अनुसार ज्यों-का-त्यों प्रस्तुत कर रहा हूँ—

किसी भी रंग के कुत्ते के अगले पैर का एक नाखून और कौवे के पैर का एक नाखून और बिच्छू का डंक अथवा एक पैर—इन तीनों चीजों को किसी भी नर ऊंट के चमड़े में मिलाकर एक ताबीजनुमा बना लें और इस ताबीज को रोगी मनुष्य के गले में धारण करवा दें।

इस प्रयोग के परिणामस्वरूप रोगी का पागलपन कुछ समय अथवा कुछ माह के अन्दर ही ठीक हो जाएगा। उस फकीर बाबा के अनुसार यह एक सरल, अनुभूत; परन्तु अत्यन्त प्रभावशाली अमल है।

भूत-बाधा व ग्रहशांति के टोटके

१. चन्दन, कूट, बच, सैंधा नमक, घी, तेल और चर्बी को मिलाकर धूप देने से बालकों के राक्षस एवं ग्रह-दोष शान्त हो जाते हैं।

२. काली सरसों तथा कालीमिर्च को पीसकर आँखों में अंजन करने से भूत-बाधा दूर हो जाती है।

३. अश्विनी नक्षत्र में घोड़े के खुर का नाखून लेकर रख लें। आवश्यकता के समय उस नाखून को अग्नि में डालकर धूनी देने से भूत-प्रेत की बाधा दूर हो जाती है।

४. सफेद अपराजिता के पत्तों के रस में पिसी हुई जावित्री डालकर नस्य लेने से डाकिनी, शाकिनी, दानव, भूत-प्रेतादि की बाधा दूर हो जाती है।

Scanned by CamScanner

५. काशीफल के फूलों के रस में हल्दी को पीसकर पत्थर के खरल में खूब घोटें। फिर उसे अंजन की भाँति आँखों में आँजने से भूत-प्रेतादि की बाधा दूर होती है।

मिर्गी रोग-नाशक प्रयोग

१. गाय के बाँयें सींग की अंगूठी बनवाकर दाँयें हाथ की कनिष्ठिका अंगुली में पहनने से मिर्गी रोगी का दौरा आना रुक जाता है।

२. जंगली सूअर के नाखून को अंगूठी की भाँति तैयार करवाकर मंगलवार के दिन दाहिने हाथ की कनिष्ठिका अंगुली में पहनने से भी मिर्गी का दौरा शीघ्र रुक जाता है।

३. असली हींग एक तोला लेकर उसे ताबीज की तरह कपड़े में सीकर गले में पहने रहने से मिर्गी का दौरा आना रुक जाता है।

पथरी रोग-नाशक टोटके

दाँयें हाथ की मध्यमा अंगुली में लोहे की अंगूठी पहनने से पथरी की पीड़ा दूर हो जाती है।

बालों को लम्बा एवं घना करने के लिए

प्राय: प्रत्येक युवती-स्त्री की चाहत रहती है कि उसके बाल इतने लम्बे और घने हों कि दूसरी स्त्रियाँ उन्हें देखकर ईर्ष्या कर उठें। इस प्रकार से बालों को अत्यधिक लम्बा और घना करने हेतु काले घोड़े की लीद छाया में सुखाकर जला लें। अब इस लीद की राख बन जाने पर उसे तिल्ली के तेल में मिला लें और प्रतिदिन इस तेल से बालों में मालिश करें। इस तेल का नियमित रूप से लम्बे समय तक प्रयोग करते रहने से बाल घने और लम्बे हो जायेंगे।

बवासीर-नाशक प्रयोग

१. धतूरे की जड़ को कमर में बांधने से बवासीर नष्ट हो जाता है।

२. बवासीर के मस्सों पर सांप की केंचुली बांधने से भी निश्चय ही लाभ होता है।

३. किसी भी बृहस्पतिवार के दिन भेड़ की खाल की अँगूठी बनाकर उसी दिन अपने दाहिने हाथ की मध्यमा अंगुली में उस अंगूठी को पहन लें तो बवासीर रोग में शर्तिया फायदा होगा।

संग्रहणी नष्ट करने हेतु

अक्सर कई लोगों को संग्रहणी रोग हो जाता है और अनेकों प्रकार की दवाईयाँ लेने के पश्चात् भी कोई लाभ होता नजर नहीं आता; ऐसे में गेहुंअन साँप की पूरी की पूरी केंचुली को एक कपड़े में लपेट कर रोगी के पेट में बांध दें तो संग्रहणी रोग नष्ट हो जाता है।

Scanned by CamScanner

आधीशीशी-नाशक सिद्ध टोटका

आधाशीशी रोग के निवारण हेतु यह सिद्ध टोटका मुझे अपने शहर के एक बुजुर्ग मौलवी ने बताया था। इस टोटके को विधिपूर्वक करने से निश्चित रूप से आधाशीशी का रोग सदैव के लिए दूर हो जाता है। प्रयोग इस प्रकार है—

किसी भी दिन प्रातः सूर्योदय के पूर्व मुँह अंधेरे उठकर चौराहे पर जायँ और दक्षिण दिशा की ओर मुँह करके एक गुड़ की डली अपने दाँतों से जिस हिस्से में आधाशीशी हो उसी तरफ के दाँतों से काटकर चौराहे पर फेंक दें और बिना पीछे मुड़कर देखे अपने घर वापिस लौट आयें तो आधाशीशी रोग तत्काल दूर हो जाता है। यह प्रयोग गोपनीय रूप से करने पर ही लाभकारी होता है।

भूतज्वर तथा सन्निपातज्वर-नाशक टोटके

१. हुलहुल की जड़ को रोगी के कान में डालने से भूतज्वर शीघ्र उतर जाता है।

२. अपामार्ग की जड़ को रोगी की भुजा में बाँध देने से भूतज्वर दूर हो जाता है।

३. लाल पलाश की जड़ को रोगी की भुजा में बाँध देने से भूत-प्रेतादि के ज्वर तथा अन्य प्रकार के ज्वर भी दूर हो जाते हैं।

४. तगर, बाकुची तथा नीम के अंजन को रोगी की आँखों में आंजने से भूत-ज्वर दूर हो जाता है।

५. अश्विनी नक्षत्र में निर्गुण्डी की छाल तथा उसके फूलों की गोली बनाकर बकरे के रोम के साथ रोगी की भुजा में बांध देने से सन्निपातज्वर दूर हो जाता है।

६. गुग्गुल, लहसुन, घी, सर्प की केंचुल, बन्दर के बाल, मुर्गे की बीट तथा कबूतर की बीट—इन सबको एकत्र करके रोगी को इनकी धूप देने से भूतज्वर तथा इकतरा आदि ज्वर दूर हो जाते हैं।

रात्रिज्वर तथा जीर्णज्वर-नाशक टोटके

१. मकोय की जड़ को रोगी के कान में बाँधने से रात्रि में आने वाला ज्वर दूर हो जाता है।

२. भांगरे की जड़ में डोरा लपेटकर उसे रोगी के कान में बाँधने से रात्रि में आने वाला ज्वर दूर हो जाता है।

३. रोगी के शरीर में बकरी के रक्त का प्रवेश करा देने से जीर्णज्वर दूर हो जाता है।

दीवाना करने का मन्त्र

जल्द जल्द-जल्द कामसा बुवालीत स्वाहा।

इस मन्त्र द्वारा किसी खुशबूदार चीज पर १००० बार पढ़कर फूँक मारें। अब जिस पर आशिक हों, उसे दें, वह आपके इश्क में दीवाना हो जायेगा।

Scanned by CamScanner

माशूका के लिए मन्त्र

आओ उज्जैन हल स्वाहा।

इस मन्त्र को सात बार किसी फूल पर पढ़कर माशूका पर मारें और उसे सूंघने को दें तो वह वशीफूत हो जायेगी।

मुहब्बत के लिए नक्श

६१,२१,११,५५,११,५१,१४,१५,२,९,१० ज फलां विन्त फलां

अगर आप किसी को अपने इश्क में दीवाना बनाना चाहते हों तो इस नक्श को सफेद कागज पर काली स्याही से लिखें। नीचे अपना व प्रेमिका और अपनी माँ व प्रेमिका की माँ का नाम लिखें और आग में जला दें। एक दो नक्श जलाने में ही काम हो जायेगा। अगर न हो तो सात दिन तक यही अमल करते रहें। कामयाबी मिल जायेगी।

मिट्टी द्वारा वशीकरण

अल्लाहुम्मा या रब्बा जिबरील व इसराफील व मीकाईल व इजराईल व हमल कल अर्शि वल कुर्सिय्यि व मिन्नासि मिन तजहदू मिन इनि इन्नहु दलो यसरी-ल्लजीना कलम् इज य खनाल अजाबा इन्नल कुव्वता ल्लाहा जमीआ व इन्न-ल्लाहा शदीदुल अजाब फलां बिन फलां अला हुब्बा फलां बिन्त फलां।

यदि किसी को अपनी मुहब्बत में दीवाना करता चाहते हैं तो उसके दाँयें पाँव की मिट्टी लाकर उस पर सात बार उपर्युक्त मन्त्र द्वारा फूँक मारें और आग में डाल दें। यह प्रयोग रविवार के दिन करें, प्रेमिका दीवानी हो जायेगी।

पानी वशीकरण मन्त्र

हल हल जल जल अमसकी बस कर को।

अगर किसी संगदिल ने रातों की नींद हराम कर दी हो तो इस मन्त्र से पानी पर सात बार फूंक मारें और प्रेमिका को पिला दें। यह प्रयोग सात दिन लगातार करें। प्रेमिका आपके प्यार में बेकरार हो जायेगी।

वशीकरण का लाजवाब मन्त्र

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम अल्लाहुम्मा या मुसख्खरनी मन फिस्सावाति वलअर्जा सख्खरनी फलाना अल्लाहुम्मा सबत लहु फजुल्लहुबी अल्लाहुम्मा इरहम वक बमहलती अला अमान फी कलबी व-अ-लहु अला रिजकुजा मुहिब्बन अलल महबूब हबा काना हब्बतन बिहक्क या अल्लाहु या रहमान या रहीम बिरह-मतिका या अरहमर्राहिमीन।

यदि रात में २१ बार किसी मीठी चीज के ऊपर पढ़कर महबूब को खिला दिया जाय तो वह दिल-जान से आशिक हो जायेगी।

Scanned by CamScanner

यदि शनिवार की रात को फूल के ऊपर ५० बार पढ़कर सुंघाया जाय तो महबूबा बुलबुल की तरह दौड़ी चली आयेगी।

यदि रविवार की रात को पीपल के सात दानों पर सात बर पढ़कर आग में डाल दें तो महबूब परवाने की तरह चली आएगी।

यदि लौंग के ऊपर २५ बार पढ़कर लौंग महबूब को खिला दें तो महबूब गुलाम बन जायेगी।

यदि पानी पर ४० बार पढ़कर फूंक मारें और उस पानी से अपना मुँह धोकर महबूब के पास जायँ तो उसे अपना बना लेंगे।

यदि सुरमे पर ६ बार पढ़कर सुरमा आँखों में लगाकर महबूब के पास या प्रेमिका के पास जायँ तो देखते ही वह दीवाना हो जायेगी।

यदि मोम के ऊपर १११ बार पढ़कर मोम को आग में डाल दिया जाय तो महबूबा मोम की तरह नरमदिल हो जायेगी।

यदि शक्कर या गुड़ पर १०० बार पढ़कर फूँक मारें और महबूब को खिला दें तो उसे अपना गुलाम बना लेंगे।

यदि कंघी पर १००० बार पढ़कर फूँक मारें और यह कंघी महबूबा अपने सिर में फिराये तो आशिक हो जायेगी।

प्रेमिका के लिए मन्त्र

युहिब्बू नहुम कहुबिल्लाहि वल्लजीनाआमनू अशददा हुब्बल ल्लिाहि।

इस मन्त्र को १४ बार जुमे की रात में किसी मिठाई या मेवे या जो प्रेमिका को पसन्द हो, पढ़कर खिलायें। दूसरी तरकीब यह है कि हर दिन ४० बार पढ़कर फूँक मारकर खिला दें।

नमकवशीकरण मन्त्र

अलम नशरह लका सदरका वाली सूरः।

शाम के बाद प्रेमिका की दिल में कल्पना करते हुए इस मन्त्र को सात बार पढ़ें और नमक पर फूँक मारें। इस नमक को आग में डाल दें। ईश्वर की कृपा से कामयाबी मिलेगी।

कतिपय अन्य उपयोगी प्रयोग

साधना-सिद्ध के समय सुरक्षा का मन्त्र—नीचे दिये जा रहे मन्त्र को कम से कम १००० बार जपकर सिद्ध कर लें। चाहें तो ग्रहणकाल में शुरू से लेकर

Scanned by CamScanner

अन्त तक निरन्तर जप करके मन्त्र-सिद्ध कर लें। ग्रहणकाल में मन्त्रों की कोई संख्या नहीं है। अगर ग्रहण १०-१५ मिनट का भी हो तो मन्त्र सिद्ध हो जाता है। एक बार मन्त्र सिद्ध कर लेने के बाद आजीवन काम आता है। साधना-सिद्धि अथवा तांत्रिक प्रयोग के समय मात्र एक बार मन्त्र पढ़कर अपने ऊपर फूँक मार लें तो प्रत्येक अला-बला से महफूज रहेंगे। मन्त्र है—

छोटी मोटी थमंत वार को वार बांधें, पार को पार बांधें, मरघट मलान बांधें, टोना और टवर बांधें, जादू वीर बांधें, दीठ और मूठ बांधें, बिच्छू और सांप बांधें, भेड़िया-बाघ बांधें, लखूरी सियार बांधें, अस्सी-अस्सी दोष बांधें, कलिका लिलाट बांधें, योगिनी संहार बांधें, ताड़िका कलेज बांधें, उत्तर-दक्षिण-पूर्व-पश्चिम बांधें, मरी मसानी बांधें और बांधें डायन भूत के गुण लाइल्लाह को कोट इल्लल्लाह की खाई, मुहम्मद रसूल्लिल्लाह की चौकी, हजरत अली की दुहाई।

किसी भी मन्त्र के लिए काट का मन्त्र

किसी भी जुमेरात (गुरुवार) की रात को पूरी रात भर इस मन्त्र का जप करते रहने से मन्त्र सिद्ध हो जाता है। सिद्ध करने के बाद किसी भी मन्त्र का काट करने के लिए इस मन्त्र का प्रयोग करने से पूर्व में किसी के द्वारा किये गये मांत्रिक प्रयोग से छुटकारा मिल जायेगा। मन्त्र इस प्रकार है—

तेली की खोपड़ी चाट-चाट के मैदान, ऊपर चढ़ा मुहम्मद सुल्तान, मुहम्मद सुल्तान किसका बेटा, फातिमा का बेटा, सूअर खाय हलाल करें पै दे पांव वज्र की कील तो माता के दूध को हराम कह।

रोजगार बाधानाशक मन्त्र

ॐ नमो सात समुद्र के बीच शिला जिस पर सुलेमान पैगम्बर बैठा सुलेमान पैगम्बर के चार मुवक्किल पूर्व को धाया, देव दानवों को बांधि लाया, दूसरा मुवक्किल पश्चिम को धाया भूत-प्रेत कू बांधि लाया तीसरा मुवक्किल उत्तर को छाया अपुत पितृ को बांधि लाया-चौथा मुवक्किल दक्षिण को धाया डाकिनी शाकिनी को पकड़ि लाया। चार मुवक्किल चहुं दिशि धावें छल-छिद्र कोऊ रह न पावें रोग-दोष को दूर भगावें शब्द सांचा, पिण्ड कांचा, फूरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।

यदि किसी का धन्धा ठप्प पड़ गया हो, दुकान चलती नहीं हो या व्यापारबाधाएं आने लगीं हों तो इस शाबर मन्त्र का विधिपूर्वक प्रयोग करें। प्रयोग इस प्रकार है कि कपड़े के चार पुतले बनावें और इस मन्त्र को पढ़कर उन चारो पुतलों पर फूँक मारकर उन्हें अभिमन्त्रित कर लें। फिर अपने व्यावसायिक स्थान पर चारो कोनों में

Scanned by CamScanner

एक-एक पुतला उक्त मन्त्र को पढ़ते हुए गाड़ दें। इसे दिन-प्रतिदिन व्यापार स्थल पर जाने से पहले एक माला इस मन्त्र का जप कर लें। इस प्रकार करने से दुकान या व्यापार की समस्त बाधाएँ नष्ट हो जायेंगी।

आँख की फूली काटने के लिए मन्त्र

उत्तर कूल काछ सूत योगी का बाछ इसमाइल योगी की बेटी एक माशे चूल्हा एक काटे फूला काछ।

यह एक स्वयंसिद्ध मन्त्र है। फिर भी किसी शुभ नक्षत्र में एक माला जप करने से सिद्ध हो जाता है। किसी की आँख में फूली हो गयी हो तो लोहे की कील से इकतीस बार जमीन में ठोंके तो आँख की फूली स्वत: कट जायेगी।

गरीबी दूर करने हेतु मन्त्र

वम काइमिल अिज्जी वल मुल्का वल बका अी या जुल जलाली वल जूदि वल फजली वल आताया व जुल आर्शिल महीदु या फ आ लु लिमा युरीद।

गरीबी दूर करने के लिए यह दुआ पढ़ते रहें।

बिच्छू के जहर हेतु—यदि किसी को बिच्छू ने डंक मार दिया हो तो सात बार सूर: फातिहा पढ़कर फूँक मारें तो बिच्छू का जहर उतर जायेगा।

बताशे को तेल में भिगोकर अगर पानी में डालें तो वह घुलेगा नहीं।

औरत के दिल का भेद जानने के लिए उल्लू के दिल को कतान के कपड़े में लपेट कर सोती हुई औरत के सीने पर रख दें, सारा भेद बता देगी।

बाकले व हरताल को फीस कर गोलियाँ बना लें। इन गोलियों को कबूतर खाएगा तो बेहोश होकर गिर पड़ेगा। पकड़ने के बाद उसके मुँह पर जीत टपका दें तो वह होश में आ जाएगा।

फिटकरी के पानी से कागज पर लिखें। जब सूख जाए तो पढ़ा न जाए और यदि पानी में डालें तो आसानी से पढ़ लें।

कबूतर के खून से अगर लिखा जाए तो दिन में न पढ़ा जाए और रात में पढ़ लिया जाए।

औरत की छातियाँ गायब

रविवार के दिन एक चमगादड़ लाएँ और सात रविवार गुगल की धुनी दें; फिर दोपहर को नंगा होकर रूई और थोड़ी लाजवन्ती लपेटें। फिर तांबे के चिराग में मालकंगनी का तेल डालकर पका लें। फिर इसको हाथों पर मलकर जिस औरत

Scanned by CamScanner

को दिखायें और मुट्ठी बंद कर लें तो छातियाँ गायब हो जायँ तथा खोलें तो वापस आ जायँ।

वशीकरण

एक अदद कपास का फूल लाओ और सुरमे के साथ उसे खरल कर लो और हैज के कपड़े में मिलाकर पलीता बना लें। जिराग जलाकर काजल पार लें। अब निगाह रखें और गले में डालें। जो देखेगा, इश्क में गिरफ्तार हो जाएगा।

इंजीर की लकड़ी लाकर कुतिया को मारें, इसके बाद उस लकड़ी को जला दें। गोलियाँ बनाएं, जिस किसी को मारें, वह मुहब्बत में उसके दर पर कुतिया की तरह फिरेगी।

परियों का खलल दूर करने का मन्त्र

ओम् महकूब कूबमह विमलमह बड़ी मढ़ी में चार देव कौण-कौण अहंकार महंकार मुहम्मदा वीर ताइया सिलार बजाऊँ ख्वाजे मुअय्युद्दीन तुम्हारी शुखबोई में चढ़ी कमाण सुलैमान परी लंक परी को हुकम कीजै कौन कौन परी स्याह परी सबज परी हूर परी अर्श कुर्स की लाऊली बीबी फातमा कीली झीली आयना पाना फल आय लेना सवा सेर शर्बत का प्याला आप ले आप हाजिर होना मीर मुहीमुद्दीन मखदूम जहानी या शेख सरफ अहिया पठाण आप हाजिर न हो तो रोज कयामत के दामनगीर हूँगा।

प्रयोग की जगह को अच्छी तरह से झाड़कर वहाँ आटे का चौमुखा दीपक जलायें। आठ पान का बीड़ा लेकर तथा शर्बत का कच्चा प्याला भरकर जिस रोगी पर परियों का खलल हो, उसे चौराहे पर खड़ा करके मन्त्र से १५ बार झाड़ा दें, फिर सब वस्तुओं को कुएँ की मेंड़ पर रख आएँ तो परियों का खलल दूर हो जाता है। इस प्रयोग को करने के लिए आते-जाते समय बोलना नहीं चाहिए।

भूत-वगैरह का गण्डा

ओम् नमो आदेश गुरू को लड़गढ़ी सों मुहम्मद पठाण चढ्या श्वेत घोड़ा श्वेत पलाण भूत बांधि प्रेत बांधि काचिया मसाण बाँधि चौंसठ जोगिनी बांधि अड़सठ स्याना बांधि, बांधि, बांधि रे चोखी तुरकिनी का पूत बेगि बांधि जो तू न बांधे तो अपनी माता की सैया पर पांव धरे, मेरी भक्ति गुरु की शक्ति फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।

पाँच पैसे की (अब सवा रुपये की) मिठाई तथा दीपक को सामने रखकर लोबान की धूनी दें तथा रोगी की चोटी से लेकर एड़ी तक एक सतलड़ा डोर को

Scanned by CamScanner

नापकर उक्त मन्त्र को पढ़ते हुए उसमें २१ गांठें लगायें। फिर उसे रोगी के गले में बांध दें। इस गण्डे को धारण करने से भूत-प्रेतादि का दोष दूर हो जाता है।

मुहम्मदापीर का मन्त्र

ओम् नमो हाकान्त जुगराज फाटंत काया जिस कारण जुगराज मैं तोकों ध्याया, हंकारत जुगराज आया घोरन्त आया, सिर के फूल बखेरत आया, और की चौकी उठावन्त आया, आपकी चौकी बैठावंत आया, और का किवाड़ तोड़ता आया, आपका किवाड़ भेड़ता आया, बाँधि बाँधि किसको बाँधि, भूत को बाँधि प्रेत को बाँधि, देव-दानव को बांधि, उड़न्त गड़ंत योगिनी को बांधि, चौर-चिरणागार को बांधि, तिरसठ कलुवा को बांधि, चौंसठ जोगिनी को बांधि, बावन वीर को बांधि, आकाश की परियों को बांधि, डाकिनी-शाकिनी को बांधि, चेटक को बांधि, छल को बांधि, विद्र को बांधि, द्वार को बांधि, हाट को बांधि, गली को बांधि, गिरारे को बांधि, किया को बांधि, कराये को बांधि, अपनी को बांधि, पराई को बाँधि, लीली को बाँधि, पीली को बाँधि, स्याह को बाँधि, सफेद को बाँधि, लाली को बाँधि, बाँधि बाँधी रे गढ़ गजनी के मुहम्मदापीर चलै तेरे संग सत्त सौ बीर, जो बिसरि जाय तौ सौ राजा हलाल जाय, उल्टी मार, पछाड़ मार, धाड़ मार, कजा चढ़ाय, सुड़िया हलाय, शीश खिलाय, शब्द साँचा पिण्ड काँचा फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।

किसी ग्रहण की रात में इस मन्त्र को १००८ की संख्या में जपें तथा मांस-मंदिरा का भोग लगायें तो मुहम्मदापीर आकर उपस्थित होता है और प्रार्थना करने पर भूत-प्रेत, डाकिनी-शाकिनी आदि को भगा देता है।

आफत दूर करने का (दिग्बन्धन) मन्त्र

याहि सार सार जिन्न देव परी जबर कुफार एक खाई दूसरी गिर्द पसार गिर्द बगिर्द मलायक असवार दायें दस्त रखे जिब्राईल, बाँये दस्त रखे मीकाईल, पीठ रखे इस्राफील, पेट रखे इज्राईल, दस्त चपटसन दस्त रास्त हुसैन पेशवा मुहम्मद गिर्द बगिर्द अली ला इलाह कोट इल्लिल्लाह की खाई हजरत अली की चौकी बैठी मुहम्मद रसूलिल्लाह की दुहाई।

इस मन्त्र को ७ बार पढ़कर चारो ओर हाथ फिराकर चुटकी बजाने से दिशा-बन्धन होता है अर्थात् सब ओर की आफतें दूर होती हैं। इस मन्त्र को पढ़कर अपने चारो ओर लकीर खींचकर उसके घेरे में बैठने अथवा सोने से देह-रक्षा होती है। मसानादि का प्रकोप होने पर इस मन्त्र का उच्चारण करने से संकट दूर हो जाता है।

Scanned by CamScanner

मुसीबत टालने का मन्त्र

शेख फरीद की कामरी और अँधियारी निसि।
तीनों चीज बराइये आग ओला-पानी-बिस॥

यदि रास्ते में आग लग जाए या पानी बरसने लगे या ओले पड़े या किसी के द्वारा जहर देने का भय हो तो इस मन्त्र को तीन बार पढ़कर ताली बजाने से मुसीबत टल जाती है।

कार्यसाधना मन्त्र

१. ओम् नमो सात समुद्र के बीच शिला जिस पर सुलेमान पैगम्बर बैठा, सुलेमान पैगम्बर के चारों दिक चार मवक्किल तारिया, सारिया, जारिया, जमारिया, एक मवक्किल पूरब को धाया, देव-दानवों को बाँधि लाया, दूसरा मवक्किल पश्चिम को धाया भूत-प्रेत को बाँधि लाया, तीसरा मवक्किल उत्तर को धाया अऊत-पित को बाँधि लाया, चौथा मवक्किल दक्खिन को धाया डाकिनी शाकिनी को पकड़ लाया। चार चार मवक्किल चहुँ दिशि धावें, छल-छिद्र कोऊ रहन न पावे, रोग दोष सब दूर बहावे। शब्द साँचा पिण्ड कांचा फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।

कपड़े के चार पुतले बनाकर आधी रात के समय चारो कोनों में गाढ़ दें, फिर धूप-दीप देकर १०८ बार उक्त मन्त्र को जपें तो इच्छित-कार्य सिद्ध होता है। पहले इस मन्त्र को ग्रहण, दिवाली या होली की रात में एक लाख की संख्या में जप कर सिद्ध कर लेना चाहिए।

२. ओम् नमो बिस्मिल्लाहि रहिमान रहीम गजनी सों चला मुहम्मदा पीर, चला चला सवासेर का तोला खाय, अस्सी कोस का धावा जाय, सफेद घोड़ा सफेद पलान, जापै चढ़ा मुहम्मदा ज्वान, नौ सौ कुत्तक आगै चलें, कुत्तक पीछे चलें, काँधा पीछे भारत डाला ध्याया चलै चालि-चालि रे मुहम्मदा पीर, तेरे सम नहीं कोई बीर, हमारे चोर को ल्याव, सात समुद्र की खाई सों ल्याव, ब्रह्मा के वेद सों ल्याव, काजी की कुरान सों ल्वाय, अट्ठारह पुराण सों ल्याव, जाव जाव जहाँ होय तहाँ सों गढ़ा सों पर्वत सों कोट सों किला सों ल्याव, मुहल्ला गली सों ल्याव, कूँचा चौराहा सों ल्याव, श्वेत खाना सों ल्याव, बारह आभूषन सोलह सिंगार सों ल्याव, काजल कजरौटा सों ल्याव, मढ़ी की मौंठ सों, हाट-बाजार सों ल्याव, खाट सों, पाया सों, नौ नाड़ी बहत्तर कोठा की घूमती बलाय सों ल्याव, हाजिर करौ, हाड़-हाड़ चाम-चाम निख-निख रोम-रोम सों ल्याव, रे ताहया सिलार जिन्द पीर मारतौ पीटतौ

Scanned by CamScanner

तोड़तौ पछाड़तौ हाथ हथकड़ी पाँव बेड़ी गला में तौक उल्टा कब्जा चढ़ाय मुख बुलाय सीम खिलाय कैसे कैसे हूँ ल्याव, बिन लिये मत आव, ओम् नमो आदेस गुरु को।

रात के समय गोबर का चौका लगाकर धूप, दीप, चन्दन, माला तथा नैवेद्य चढ़ाकर सवा सेर मोहनभोग का भोग लगाकर इस मन्त्र को १०८ बार जपा जाय तो मन्त्र सिद्ध हो जाता है।

जब किसी काम को सिद्ध करना हो तो उस समय इस मन्त्र को पढ़कर उड़द को मस्तक पर रक्खें तो कार्य सिद्ध होता है। इस मन्त्र से भूत-प्रेतादि को भी दूर किया जा सकता है।

पीर का कलमा

या जरव्वाजखिज्र मैं तेरा इलियास लिल्लामकादिल चित्त मेरे पास।

कुएँ के ठाणे पर रात्रि के समय एकान्त स्थान में लोबान की धूप देते हुए इस मन्त्र की उल्टी माला १०८ बार पढ़ने से २१ दिन के भीतर पीर प्रत्यक्ष होकर प्रश्न का उत्तर देता है।

बच्चों के लिए गंडा

बंध तो बंध मौला मुर्त्तजा अली का बंध, कीड़े और मकोड़े का बंध, ताप और तिजारी का बंध, जूड़ी और बुखार का बंध, नजर और गुजर का बंध, दीठ और मूठ का बंध, कीये और कराये का बंध, भेजे और भिजाये का बंध, नावत पर हाथन का बंधन बंध तो बांध मौला मुर्त्तजा अली का बंध, राह और बाट का बंध, जमीन और आसमान का बंध, घर और बाहर का बंध, पवन और पानी का बंध, कूवा और पनिहारी का बंध, लौह और कलम का बंध, बंध तो बंध मौला मुर्त्तजा अली का बंध।

रोगी को एड़ी से चोटी तक डोरे से नापकर इस मन्त्र द्वारा उसमें ७ गाँठ लगायें तथा सवा पाव मिठाई मँगाकर मुर्त्तजा अली के नाम से बालकों में बाँट दें। फिर गण्डे को लोबान की धूनी देकर रोगी के गले में बाँध दें। प्रत्येक गण्डे को इसी विधि से बाँधना चाहिए।

दिन के मन्त्र

एक हफ्ते (सप्ताह) में सात दिन हैं। सातों दिन के सात अलग-अलग मन्त्र हैं। इन मन्त्रों को अलग-अलग दिनों में पढ़ने से विभिन्न मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मन्त्र इस प्रकार हैं—

Scanned by CamScanner

शुक्रवार (जुमा) का मन्त्र—**या अल्ला हो या वाहिदो।**
शनिवार का मन्त्र—**या रहमानो या रहीमो।**
रविवार का मन्त्र—**या वाहिदो या अहदो।**
सोमवार का मन्त्र—**या समदो या फरदो।**
मंगलवार का मन्त्र—**या हयियो यो कयियूमो।**
बुधवार का मन्त्र—**या हन्नानो या सन्तानो।**
बृहस्पति का मन्त्र—**या जुल जलाल बल इकराम।**

उक्त मन्त्रों की साधना हेतु किसी स्वच्छ स्थान में एक नया चिराग रखकर उसमें शुद्ध घी अथवा कोई सुगन्धित तेल भरकर जलायें। फिर इमाम हुसन तथा इमाम हुसैन का आवाहन करें और दीपक के आगे फूल, इत्र और मिठाई चढ़ाकर लोबान की धूनी दें। इसके बाद मन्त्र को १००० की संख्या में जपें। मन्त्र-जप के आरम्भ में एक बार 'बिस्मिल्लाह' तथा तीन बार 'दरूद' अवश्य पढ़ें तथा मन्त्र के अन्त में भी ३ बार 'दरूद' पढ़ना चाहिए। उक्त प्रकार से ७ दिन तक जप करने से प्रयोग पूरा होता है। मन्त्र-साधना-काल में दिन में सिर्फ एक बार हल्का भोजन करना चाहिए, पृथ्वी पर सोना चाहिये तथा ब्रह्मचर्य का पूरी तरह पालन करना चाहिए। इस प्रकार जिस इच्छा को लेकर इन मन्त्रों का साधन किया जाता है, वह पूरी होती है। अलग-अलग दिनों में उस दिन से सम्बन्धित मन्त्र का जप भी करना चाहिए।

मोहताज न रखने वाला 'से' मन्त्र

निम्नलिखित 'से' के मन्त्र का प्रतिदिन ९०३ की संख्या में जप करने वाला मनुष्य किसी का मोहताज नहीं रहता। मन्त्र इस प्रकार है—

या किलकाईल बहक्क या जीम जा जव्वादी।

इस मन्त्र का जप सूर्योदय से पूर्व ही आरम्भ कर दिया जाय तो सर्वोत्तम रहता है। मन्त्र के आरम्भ में पूरी 'बिसमिल्लाह' तथा अन्त में ११ या २१ बार 'दरूद' पढ़नी चाहिए।

मनोभिलाषा-पूरक 'जीम' मन्त्र

या किलकाईल बहक्क या जीम या जव्वादी।

उक्त मन्त्र को ७ रात तक नित्य ३००० की संख्या में जपने से ख्वाब (स्वप्न) में पैगम्बर साहब के दर्शन होते हैं। यदि मन्त्र को १००० की संख्या में काँसे की थाली पर लिखकर उसे मीठे पानी से धोएं और वह पानी किसी नामर्द आदमी को पिला दिया जाय तो उसे मर्दाना ताकत हासिल होती है। काँसे की थाली पर 'जीम'

Scanned by CamScanner

अक्षर फारसी लिपि में ही लिखना चाहिए। इस मन्त्र के साथ भी 'बिसमिल्लाह' और 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् ही समझना चाहिए।

शत्रुभय-नाशक 'हे' मन्त्र

या तनकाफील बहक्क या हे या हमीदो।

इस मन्त्र को ४१ दिनों तक नित्य ६२ बार जप करने से शत्रु का भय दूर हो जाता है। इसके साथ 'बिस्मिल्लाह' तथा 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् समझना चाहिये।

मनुष्य को लौटाने वाला 'खे' मन्त्र

या महकाईल बहक्क या खे या खलिको।

- इस मन्त्र को आधी रात के समय किसी एकान्त स्थान में आकाश के नीचे खड़े होकर १००० की संख्या में जपने तथा जो व्यक्ति घर से चला गया हो, उसके उद्देश्य से आकाश की ओर फूँक मारने से वह गया हुआ व्यक्ति शीघ्र घर लौट आता है।
- 'खे' को फारसी अक्षरों में ६०० की संख्या में लिखकर तकिया के नीचे रखकर सोए तथा उक्त मन्त्र का १००० की संख्या में जप करने से ख्वाब (स्वप्न) में गये हुए मनुष्य के बारे में सारा हाल-चाल मालूम हो जाता है।
- यदि 'खे' के अन्त में 'या खबीरो' शब्द और बढ़ा लिया जाय तो अधिक हाल मालूम होता है। इसके साथ ही 'बिसमिल्लाह' और 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् जानना चाहिये।

शत्रुनाशक तथा धनवृद्धि-कारक 'दाल' मन्त्र

या दरदाईल बहक्क या दाल या दैयानो।

सूर्योदय से पहले इस मन्त्र को १००० की संख्या में पढ़ने से धन की वृद्धि होती है। धनवृद्धि के लिए इस मन्त्र का प्रतिदिन जप करते रहना आवश्यक है।

सूर्योदय से पहले इस मन्त्र को ७० बार पढ़ कर शत्रु के घर की ओर फूँक मारने से उसका नाश हो जाता है। यह क्रिया ३० दिनों तक नित्य नियमित रूप से करनी चाहिए। इसके साथ भी 'बिसमिल्लाह' और 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् जानना चाहिये।

धनवृद्धि अथवा वशीकरण-हेतु 'जाल' मन्त्र

या जुहराईल बहक्क या जाल या जुल जलाल बलइक्राम।

हाकिम की मेहरबानी प्राप्त करने अथवा धनवृद्धि के लिए इस मन्त्र का एक

Scanned by CamScanner

मास तक नित्य प्रातःकाल ११०० की संख्या मे जप करना चाहिए। यदि किसी को वश में करना हो तो इस मन्त्र द्वारा मिठाई को ७०० बार अभिमन्त्रित करके साध्य स्त्री-पुरुष को खिला देने में वह वशीभूत हो जाता है। इसके साथ 'बिसमिल्लाह' तथा 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् समझना चाहिये।

गड़ा धन प्राप्त करने का मन्त्र 'रे' मन्त्र

या असवा कील बहक्क या रे या रहीम।

• इस मन्त्र को ३० दिनों तक नित्य प्रातःकाल १००० की संख्या में जपें। अन्तिम दिन एक सफेद रंग के मुर्गे के कान में 'या' 'रे' इस मन्त्र को ८०० बार पढ़कर उसे छोड़ दें, तदुपरान्त वह जिस स्थान पर जाकर रुके और जिस जगह अपनी चोंच मारे, वहीं पर धन गड़ा हुआ है, यह समझ लेना चाहिए।

• फारसी लिपि में 'रे' को किसी मिट्टी की रकाबी पर ६०० की संख्या में लिखने के बाद उसके ऊपर इतना नमक बिछा दें कि अक्षर दिखाई न दे, तदुपरान्त रात के समय उस रकाबी (तश्तरी या प्लेट) को अपने सिराहने रखकर सोने से स्वप्न में गड़े हुए धन वाला स्थान दिख़ाई देता है।

• एक कागज के ऊपर फारसी लिपि में ८०० की संख्या में 'रे' अक्षर लिखकर उस कागज को मोड़कर अपने कान में रखें। एक घड़ी बाद उसे कान से निकालकर काँसे की थाली अथवा कलईदार रकाबी में रखकर ऊपर से इतना नमक बिछा दें कि सभी अक्षर ढँक जायँ, तदुपरान्त रात्रि के समय पुनः ८०० बार मन्त्र पढ़कर सो जायँ तो स्वप्न में गढ़े हुए धन के स्थान के विषय में ज्ञात हो जाएगा। इस यन्त्र के साथ 'बिस्मिल्लाह' तथा 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् समझना चाहिए।

शत्रु-भयनाशक 'जे' मन्त्र

या सरफाईल बहक्क या जे या जाकियो।

इस मन्त्र का १ माह तक नित्य ५०० की संख्या में जप करते रहने से शत्रु का भय दूर हो जाता है। साथ ही 'बिस्मिल्लाह' तथा 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् समझना चाहिए।

इच्छित अनुभव-प्रदायक 'सीन' मन्त्र

या हमवाकील बहक्क या सीन या समीओ।

इस मन्त्र को दोपहर में २ बजे के समय ७ बार जपने से इच्छित अनुभव प्राप्त होता है। इस मन्त्र के साथ बिस्मिल्लाह' तथा दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् समझना चाहिये।

Scanned by CamScanner

शत्रु-मुखस्तम्भक एवं गर्भ-ज्ञान-प्रदायक 'शीन' मन्त्र

या इजराईल बहक्क या शीन शहीदो।

● इस मन्त्र को ३०० बार पढ़ने के बाद कागज के ४० टुकड़ों पर फारसी लिपि में 'शीन' अक्षर को लिखकर उन टुकड़ों को ४० रोटी की तहों में रखकर पकावें, फिर उनमें से एक-एक रोटी एक-एक कुत्ते को अलग-अलग खिला दें तो शत्रु का मुख बंद हो जाता है।

● रात्रि के समय इस मन्त्र को ३०० बार पढ़कर सो जायँ तो गर्भवती के पेट का हाल अर्थात् उसके गर्भ में लड़का है या लड़की स्वप्न में मालूम हो जाता है। इस मन्त्र के साथ 'बिस्मिल्लाह' तथा 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् समझना चाहिये।

शत्रुता-विनाशक एवं थकान-नाशक 'स्वाद' मन्त्र

या अजमाईल बहक्क या स्वाद या समदो।

● पानी से भरा हुआ घड़ा अपने सामने रख लें, फिर उस पर निगाह (दृष्टि) जमाकर ४० दिनों तक नित्य ८०० की संख्या में उक्त मन्त्र का जप करें तो शत्रु दुश्मनी भुलाकर मित्र बन जाता है।

● यदि राह में चलते समय इस मन्त्र का ५०० बार जप किया जाय तो मार्ग में चलने से थकावट नहीं आती। इस मन्त्र के साथ 'बिस्मिल्लाह' तथा 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् जानना चाहिये।

हृदयदौर्बल्यनाशक तथा शत्रुजिह्वास्तम्भक 'ज्वाद' मन्त्र

या इतराईल बहक्क या ज्वाद या जारो।

● इस मन्त्र को नित्य १००० बार जपने से दिल की कमजोरी (हृदय दुर्बलता) दूर हो जाती है। इस मन्त्र के साथ 'बिस्मिल्लाह' तथा दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् है।

वशीकरणकारक एवं कार्यसाधक 'तोय' मन्त्र

या इस्माईल बहक्क या तोय या ताहिरो।

● किसी कार्य की सिद्धि के लिये कागज के टुकड़ों पर फारसी लिपि में अलग-अलग 'तोय' अक्षर लिखकर उन्हें आटे की गोलियों में अलग-अलग भर दें; फिर उन गोलियों के ऊपर पूर्वोक्त मन्त्र को ७०० बार पढ़कर फूँक मारें। तत्पश्चात् उन आटे की गोलियों को दरिया (नदी) के पानी में बहा दें तो ७ दिन के भीतर इच्छित कार्य सिद्ध हो जाता है।

Scanned by CamScanner

● वशीकरण के लिए एक कागज के ऊपर ७०० की संख्या में फारसी लिपि में तोय लिखकर उनके नीचे—

या इस्माईल फलाने की फलाने को बस में करो बहक्क या तोय या ताहिरो।

इस वाक्य को लिखकर उस कागज का फलीता बनाकर सुगन्धित तेल में जलायें तथा इत्र, फूल, दीपक को उसके आगे रखकर लोबान की धूनी दें। इस तरह ७ दिनों तक नित्य यही प्रयोग दुहराने तथा नित्य ७०० की संख्या में उक्त मन्त्र का जप करने से इच्छित स्त्री या पुरुष वशीभूत हो जाता है। मन्त्र का जप करते समय जिसे वश में करना हो, दीपक का मुँह उसके घर की ओर रखना चाहिए।

कागज पर जो वाक्य लिखा जाएगा उसमें 'फलाने को, फलाने के' के स्थान पर जिस व्यक्ति को वश में करना हो, उसका तथा जिसको वश में कराना हो उसका— दोनों का नाम लिखना चाहिये। इस मन्त्र के साथ 'बिस्मिल्लाह' तथा 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् समझना चाहिये।

शत्रुभय-नाशक 'जोय' मन्त्र

या लौजाईल बहक्क या जोय या जाहिरो।

प्रतिदिन प्रात:काल ४० की संख्या में ९ दिनों तक इस मन्त्र को जपते रहने से शत्रु का भय दूर हो जाता है। इस मन्त्र के साथ 'बिस्मिल्लाह' तथा 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् है।

वणीकरणकारक 'ऐन' मन्त्र

या लौमाईल बहक्क या ऐन या अजीमो।

सफेद कागज के ऊपर कस्तूरी तथा केशर से फारसी लिपि में ७ बार 'ऐन' लिखकर उसे उक्त मन्त्र द्वारा ७० बार अभिमन्त्रित करें अर्थात् अक्षर मन्त्र-लिखित कागज पर उक्त मन्त्र पढ़कर ७० बार फूँक मारें, तत्पश्चात् उसे मिठाई में मिलाकर अथवा पानी में घोल कर जिसे खिला-पिला दीया जाएगा, वही वशीभूत हो जाएगा। इस मन्त्र के साथ 'बिस्मिल्लाह' एवं 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् है।

शत्रु-नाशक 'गैन' मन्त्र

या लौरबाईल बहक्क या गैन या गुफूरो।

महुए के पत्ते पर सफेद कागज पर फारसी लिपि में ७० बार 'गैन' अक्षर लिखकर उसके ऊपर उक्त मन्त्र को १२८६ बार पढ़-पढ़ कर फूंक मारें; फिर उसे पत्ते या कागज को शत्रु के घर में गाढ़ देने से शत्रु का घर गिर जाता है तथा उसका

Scanned by CamScanner

नाम भी मिट जाता है। इस मन्त्र के साथ 'बिस्मिल्लाह' तथा 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् है।

आकर्षण, वशीकरण तथा शत्रु-पीड़ाकारक 'फे' मन्त्र

या सरहमा कील बहक्क या फे या फत्ता हो।

● किसी सफेद कागज के ऊपर फारसी लिपि में १००० की संख्या में 'फे' अक्षर लिखकर उसके नीचे जिस व्यक्ति को आकर्षित या वशीभूत करना हो, उसका तथा उसकी माँ का नाम एवं अपना तथा अपनी माँ का नाम इस प्रकार लिखना चाहिए—

या सरहमाकील फलानी का बेटा फलाना मुझ फलानी के बेटे फलाने के बस में हो बहक्क या फे या फत्ता हो।

इस वाक्य में जहाँ 'फलानी का बेटा फलाना' आया है, वहाँ जिसे वश में करना हो, उसकी माँ का तथा उसका नाम लिखना चाहिए और जहाँ 'मुझ फलानी के बेटे फलाने' आया है, वहाँ अपनी माँ का तथा अपना नाम लिखना चाहिए।

उक्त प्रकार से वाक्य तथा नाम आदि लिखने के बाद उस कागज का फलीता बनाकर जलायें तथा उस पर इत्र, फूल, मिठाई आदि चढ़ाकर पूर्वोक्त मन्त्र को ८०० बार पढ़ें। इस प्रकार साधना करने से इच्छित स्त्री-पुरुष हजार कोस की दूरी से भी चलकर साधक के सामने आ खड़ा होता है।

● मंगलवार के दिन किसी मनुष्य की खोपड़ी पर एक सांस में ८० बार फारसी लिपि में 'फे' अक्षर लिखकर उसे शत्रु के घर की नींव में गाढ़ देने से उस घर में नित्य नई आफतें आती रहती हैं। इस मन्त्र के साथ 'बिस्मिल्लाह' एवं 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् है।

नींद हराम करने वाला 'काफ' मन्त्र

या इतराईल बहक्क या काफ या काफियो।

एक सफेद कागज के ऊपर फारसी लिपि में ४०० 'काफ' अक्षर लिखकर उसके नीचे **या इतराईल फलानी के बेटे फलाने की नींद बन्द करा बहक्क या काफ या कुद्दूसो** लिखे। इस वाक्य में जहाँ 'फलानी के बेटे फलाने' आया है, वहाँ जिस व्यक्ति की नींद हराम करनी हो, उसकी माँ का तथा उसका नाम लिखना चाहिये। फिर उस कागज को पूर्वोक्त मन्त्र 'या इतराईल...' द्वारा ४०० बार अभिमन्त्रित करे अर्थात् मन्त्र पढ़-पढ़कर फूँक मारे, तत्पश्चात् उस कागज को किसी भारी पत्थर के नीचे दबा दें तो साध्य व्यक्ति की नींद बंध जाती है अर्थात् उसे नींद नहीं आती।

Scanned by CamScanner

इस मन्त्र के साथ 'बिस्मिल्लाह' तथा 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् है।

विद्यावर्द्धक 'गाफ' मन्त्र

या हुतजाइल बहक्क या गाफ या गाफियो।

एक सफेद कागज पर फारसी लिपि में २०० की संख्या में 'गाफ' लिखकर उस कागज पर पूर्वोक्त मन्त्र 'या हुतजाइल....' को ४०० बार पढ़-पढ़ कर फूँक मारें, फिर उस कागज को लोबान की धूनी देकर जिस व्यक्ति की दाँई भुजा में बांध दिया जायेगा, उसे बहुत विद्या आयेगी। यह प्रयोग विद्या की वृद्धि करने वाला है। इस मन्त्र के साथ 'बिस्मिल्लाह' तथा 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् है।

सर्वप्रियता-दायक 'लाम' मन्त्र

या त्वात्वाईल बहक्क या लाम या लतीफो।

इस मन्त्र को प्रतिदिन १००० बार पढ़कर अपने ऊपर फूँक मारने वाला व्यक्ति अन्य सभी लोगों का प्रिय बन जाता है। इस मन्त्र के साथ 'बिस्मिल्लाह' तथा 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् है।

लोकप्रियता-दायक 'मीम' मन्त्र

या रोमाईल बहक्क या मीम महमनो।

सफेद कागज के ऊपर फारसी लिपि में ९०० बार 'मीम' लिखकर उस पर उक्त मन्त्र को १००० बार पढ़कर फूँक मारें, तदुपरान्त उसे किसी भारी पत्थर के नीचे दबा दें। इस प्रयोग को करने वाला व्यक्ति लोकप्रिय हो जाता है। इस मन्त्र के साथ 'बिस्मिल्लाह' तथा 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् है।

श्रेष्ठ विद्यादायक एवं स्वप्न में उत्तरदायक 'नून' मन्त्र

या लोलाईल या नून या नूरो।

- शुक्रवार अथवा वृहस्पतिवार की रात्रि को यह मन्त्र २०० बार पढ़कर सो जाने से इच्छित प्रश्न का उत्तर स्वप्न में मिलता है।
- यदि ४० दिनों तक नित्य १००० की संख्या में इस मन्त्र का जप किया जाय तो श्रेष्ठ विद्या प्राप्त होती है। इस मन्त्र के साथ 'बिस्मिल्लाह' एवं 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् है।

मनोरथ-पूर्तिदायक 'वाव' मन्त्र

या रफ्तामाईल बहक्क या वाव या वहावों।

इस मन्त्र को पढ़ते हुए कहीं भी जाने से मनोरथ पूरा होता है। यह ध्यान

Scanned by CamScanner

रखना चाहिये कि रास्ते में कोई रोक-टोक न हो। यदि कोई रोके-टोके तो उसके सामने ७० बार मन्त्र पढ़कर फूँक मार देना चाहिये, तदुपरान्त आगे बढ़ना चाहिये। इस मन्त्र के प्रभावस्वरूप किसी मनोरथ को लेकर यात्रा करने से उसकी पूर्ति होती है। इस मन्त्र के साथ 'बिस्मिल्लाह' एवं 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् है।

भवनसुरक्षा-कारक 'हे' मन्त्र

या दौराईल बहक्क या हे या हादिया।

ईंट के ऊपर फारसी लिपि में ७० बार 'हे' लिखकर तथा उसके ऊपर पूर्वोक्त मन्त्र 'या दौराईल' को ७० बार पढ़कर उसे ईंट को नींव में गाढ़ दें तो वह मकान वर्षों तक सुरक्षित बना रहेगा। टूटेगा-फूटेगा नहीं।

ईंट के स्थान पर ४ ठीकरियों पर 'हे' अक्षर लिखकर उन्हें भी उक्त विधि से नींव में गाढ़ा जा सकता है। इस मन्त्र के साथ 'बिस्मिल्लाह' एवं 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् है।

जिह्वा-स्तम्भनकारक 'ये' मन्त्र

या साराकीताईल बहक्क ये यहियो।

इस मन्त्र को प्रतिदिन १६० बार जप करने वाले के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति की जीभ नहीं चल पाती अर्थात् दूसरे व्यक्ति का जिह्वास्तम्भन हो जाता है।

इस मन्त्र के साथ भी 'बिस्मिल्लाह' तथा 'दरूद' पढ़ने का नियम पूर्ववत् ही है।

कामनापूरक मन्त्र

निम्नलिखित मन्त्र का हिन्दू-मुस्लिम मिश्रित होकर नित्य पाठ करें। मनोकामना पूर्ण होगी—

हरि ॐ। अस्मल्लाइल्ले मित्रावरूणदिव्या दिव्याणि धत्ते। इल्ले वरुणो राजा पुनर्ददुः हवामि मित्रे इल्लां इलल्ले इल्लां वरुणो मित्रो तेजकामाः हातारमिंद्रो महासुरेन्द्रः अल्लो ज्येष्ठं श्रेष्ठं पूर्णं ब्रह्माणं अल्लां अदल्लामुकमेकं अल्लां मुकानिषातकं अल्लो अज्ञेनहुत हुत्वः अल्लसूर्य चन्द्र सर्वनक्षत्राः अल्लो ऋषिणां सर्व दिव्या, इन्द्राय पूर्वमपा परम अन्तरिक्षं विश्वरूपं दिव्याणि धत्ते इल्ललेवरूणो राजा पुनर्ददुः इल्लां कबरइल्लां इल्लेति इल्लला। अल्ला इलल्ला अनादि स्व-रूपाय अथर्वणीशाखां ह्रं ह्रीं जनान् पशुत् सिंहान् जलचरान् अदृष्टं कुरु-कुरु फट्, असुर संहारणीं ह्रीं अल्लो रसूल मोहम्मदकवरस्य अल्लो अल्लां इल्लं लेति इल्लल्लाः। इति अल्लां सूक्त अथर्वणी समाप्तं। ॐ शांतिः शांतिः शांति।

Scanned by CamScanner

गृहरक्षाकवच मन्त्र

घर बान्धम दोर मान्धम उटन बन्धन आर। बन्धन करीनू आमी नामे ते अल्लार। जिब्राईल, मीकाईल, ईस्राफील, आर। इज्राईल अल्लार गोलाम हुकुम बर्दार। बाड़िर चारि कोने ईहादेर राखिया मौजूद। अल्लाह वो नबीर नामे भेजिया दरूद। बन्धन करीनूं आमी (फलानार) बड़ी। मेहर करिवे अल्ला आपे पाक बारी। एई बाड़ीर ऊपर ते भूत-प्रेत डाईने योगिनी, देव दैत्य यदि थाके केहो। मारिया गुर्जर बाढ़ी दूर करके देहो। या इलाहो, माबूद, करीम, रहीम, साबूद, बहक लाइलाहा इल्लल्लाहा मोहम्मदुर रसूलल्लाह।

किसी भी शनिवार या मंगलवार को चार काली मिट्टी के घड़े लाकर उनमें सात गांवों की मिट्टी लाकर रखें। शनिवार या मंगलवार को ही किसी लुहार के यहाँ से चार लोहे की कांटी बनवायें और सात घाट का पानी तथा बिना फूले सीमल गाछ की जड़ लाकर इन समस्त वस्तुओं के चार हिस्से करके चारो घड़ों में रखकर प्रत्येक घड़े में तीन-तीन बार उक्त मन्त्र पढ़कर उनका मुँह ढक्कन से अच्छी तरह बन्द करके थोड़ा-सा सरसों का तेल घड़ों के ऊपर लगा दें। अब चारो घड़ों को घर के चारो कोनों में अजान देते हुए एक-एक घड़ा एक-एक कोने में गाड़ दें। इस प्रकार का प्रयोग पूर्णत: गोपनीयता के साथ करें। ऐसा करने से वह घर ताजिन्दगी सभी आफतों से महफूज बना रहेगा।

गृह-रक्षामन्त्र

या अल्लाह पाक, इस आंगन को मैं आज करता हूँ बन्द, हजरत सुलेमानी की बरकत से बन्द, हजरत मूसा की आज्ञा से बन्द, हजरत अली की शमेशर से बन्द, हजरत अहमद के कलाम से बन्द, या रहमान की रहमत से बन्द, या करीम की करम से बन्द, या खालिक की बरकत से बन्द, या मालिक की रहमत से बंद, या अल्लाह पाक मालिक रब्बुल गफूर, हमारे इस दोआ को तू करले कबूल, बहक्के हक ला इलाहा इल्लल्लाह मोहम्मदुरसूलल्लाह।

घर की अस्थायी रक्षा करने के लिए यह एक आसान किन्तु शीघ्र प्रभावशाली और विशेष चमत्कारी मन्त्रप्रयोग है। रात्रि में सोने से पूर्व बुजू (हाथ, पाँव, मुँह धोकर) करके पानी के साथ पाँच दफा उक्त मन्त्र पढ़कर ताली मारकर सो जाये। इस ताली की आवाज घर के जितने हिस्से तक पहुंच जायेगी, घर का उतना ही भाग पूर्णत: रक्षित रहेगा। इस प्रयोग को प्रतिदिन रात्रि में नियमपूर्वक करते रहने से किसी भी प्रकार की कोई हानि नहीं होगी।

आग कम करने का मन्त्र

रहमकुन अए इलाही पाक बारी, इस घर के ऊपर अपने फजल से कर तू

Scanned by CamScanner

रहमत-जारी। जैसी रहमत की थी तूने खलील पर, वैसी रहमत कर तू ए परवरदिगार। बहके इकला हलाहा इल्लल्लाहा मुहम्मदुर रसूलल्लाह।

यदि अचानक किसी घर में आग लग जाय तो चाहिए कि तुरन्त वुजू (हाथ, पाँव, धोकर) करके पाक-साफ होकर थोड़ी-सी साफ-सुथरी मिट्टी अपने हाथों में लेकर इक्कीस बार उक्त मन्त्र को पढ़कर मिट्टी पर फूँक मार दें तो आश्चर्यजनक रूप से उस घर में लगी हुई आग में कमी हो जायेगी।

देह-रक्षक मुस्लिम मन्त्र

दोआ आयतल कुर्सी बन्दन कोरान, बाहिरे-भीतरे सुब्हान, लोहे की कोठरी, ताम्बे का किवाड़, सामने की छड़ी पैगम्बरेर बाड़ी, अमुकेर शरीर र दिनेर चारि पहर, रातिर चारि पहर किन्छू नाहिं देखी खाली, बहके हक लाएलाहा इल्लल्लाह महम्मदुर रसूलल्लाह।

एक बुजुर्ग मौलवी ने इस मन्त्र के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि यह एक अत्यन्त ही सरल एवं हानिरहित होने के साथ-साथ शीघ्र प्रभावशाली रक्षक मन्त्र है। उस मौलवी के कथनानुसार प्रतिदिन नमाज के पूर्व इस मन्त्र को जप करके अपने दोनों हाथ पूरे शरीर पर फेर लेने से साधक का शरीर तमाम तरह की भौतिक तथा पारलौकिक बाधाओं से पूर्णतः महफूज हो जाता है। फिर उसे किसी भी प्रकार की मानसिक, शारीरिक और आत्मिक परेशानी उत्पन्न नहीं होती है।

पीर-पैगम्बर बुलाने का मन्त्र

ॐ बिसमिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम, या जिब्राईल, या तत काफीलया, अज्राईल, या मेखाईल बहक, या बन्थु हयन-हयन, ईस्मन-ईस्मन, बहक लाइल्लाहो इल्ला हो, मोहम्मद रसूलल्लाहो खतुमां सलेमान बिंदाउद अले सलाम हजर-काब्द, हजरकाब्द, हजरकाब्द।

यह एक अत्यन्त चमत्कारी मन्त्रप्रयोग है। प्रतिदिन रात्रि में सोते समय धूप-लोबान करके चालीस दिनों तक नित्य प्रति रात्रि में १०८ दफा इस मन्त्र का पाठ करते रहें। प्रयोग- समाप्ति के पश्चात् पीर-पैगम्बर अथवा कोई पवित्र रूह सफेद वस्त्र धारण किये हुए साधक के समक्ष प्रकट होकर उसे मुँहमांगा वरदान देने को कहेगी। साधक को ऐसे में चाहिए कि वह तुरन्त ही कोई अच्छी मुराद मांग ले। यदि उसने कोई वरदान नहीं मांगा तो वह रूह साधक पर नाराज होकर उसका अनिष्ट भी कर सकती है। इस प्रयोग को विशेष सावधानी के साथ किसी आमिल के निर्देशन में ही करना चाहिये।

Scanned by CamScanner

पान वशीकरण मन्त्र

ॐ श्री रामनागरबेली अकनकबीरी, सुनिये नारी बात हमारी, एक पान रंग मंगाय, एक पान से जसो लावै, एक पान मुख बुलावै, हमको छोड़ि और को देखें, तो तेरा कलेजा मोहम्मदा पीर छक्खै।

इस मन्त्र के द्वारा अभिमन्त्रित पान जिस किसी भी स्त्री को खिलाया जाएगा तो निश्चित ही वह स्त्री साधक के वशीभूत हो जाती है।

इस प्रयोग के तहत तीन नागरबेल के पान लेकर उक्त मन्त्र को इक्कीस दफा पढ़कर उन पानों को दम करके उनमें से एक पान अथवा तीनों ही पान जिस किसी स्त्री को खिलावें तो वह वशीभूत हो जायेगी। ध्यान रखें कि इस साधना का दुरुपयोग न करें; अन्यथा हानि भी हो सकती है।

मनोकामना-पूरक प्रयोग

या इस्राफील बहक्क या अल्लाहो।

सर्वप्रथम उर्दू के सवा पाव आटे में खमीर उठाकर तथा उसकी रोटी बनाकर उसे दो तह वाले एक सफेद रूमाल में रक्खें। फिर उसमें से चौथाई रोटी की जंगली झरबेरी के बराबर की १०१ गोलियाँ बनाकर प्रत्येक गोली को उक्त मन्त्र से ग्यारह-ग्यारह बार अभिमन्त्रित करें, तदुपरांत शेष रोटी सहित सभी गोलियों को नदी में मछलियों को खाने के लिए डाल दें। इस प्रकार ४० दिन तक प्रयोग करने से साधक की सभी मनोकनाएँ पूर्ण होती हैं तथा रोजी भी प्राप्त होती है।

उक्त मन्त्र के आरम्भ में एक बार पूरी 'बिस्मिल्लाह' तथा आदि और अन्त में ७-७ बार 'दरूद' पढ़ना आवश्यक है।

दरिद्रता-नाशक प्रयोग

या कबीयो या गनीयो या मलीयो या बकीयो।

प्रात:काल किसी से बातचीत करने से पूर्व हाथ, मुँह धोकर एक बार पूरी 'बिस्मिल्लाह' पढ़ने के बाद उक्त मन्त्र का १२०० बार जप करे।

इस मन्त्र के आदि तथा अन्त में २१-२१ बार 'दरूद' का पाठ भी अवश्य करना चाहिये। इस प्रयोग को निरन्तर ४० दिनों तक करते रहने से दरिद्रता दूर होती है। यदि इस प्रयोग को प्रतिदिन किया जाय तो दरिद्रता से हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाता है।

रोजी-प्राप्ति का प्रयोग

या वुद्दूह या या हयियो या कयियूमो या अल्लाहो या फरदो या बितरो या

Scanned by CamScanner

समदो या रहीमो या वारिसो या अहदो या लमयलिदो बलम युलद बलमयकुन लुहू कुफवन अहद।

रोजी मिलने के लिए सर्वप्रथम पहले एक बार पूरी 'बिस्मिल्लाह' पढ़कर फिर उक्त मन्त्र को ७ दिनों तक नित्य १००० की संख्या में जपना चाहिये। मन्त्र-जप के आरम्भ तथा अन्त में तीन-तीन बार 'दरूद' पढ़ना आवश्यक है।

उक्त मन्त्र के प्रयोग से रोजी प्राप्त होती है। जब रोजी मिलनी आरम्भ हो जाय, तब नित्य १०८ बार इस मन्त्र का जप करते रहना आवश्यक है।

रोजी-दायक प्रयोग

रोजी तथा लाभ पाने के लिए आधी रात के समय सबसे पहले एक बार पूरी 'बिस्मिल्लाह' पढ़कर फिर इस मन्त्र को १००० बार पढ़ें—

या गफूरो।

उक्त मन्त्र को पढ़ने के पहले तथा बाद में २१ बार 'दरूद' पढ़ना आवश्यक है। इक्कीस दिनों तक उक्त प्रयोग करने से लाभ तथा रोजी-प्राप्ति की सूरत दिखाई देने लगती है। जब रोजी मिलने लगे तब इस मन्त्र का नित्य १०८ बार जप करते रहना चाहिये।

रोजी-दायक प्रयोग

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम या इस्राफील बहक्क या अल्लाहो अल्ला हुस्नसल्ला मुहम्मद नव धारक नसल्लम।

शुक्रवार या वृहस्पतिवार से इस प्रयोग को आरम्भ करना चाहिये। सर्वप्रथम सवा पाव उर्द के आटे की दो रोटियाँ हाथ से बनाकर उन्हें एक सफेद रूमाल में रक्खें; फिर उन रोटियों से झरबेर के बराबर की १०१ गोलियाँ बनायें तथा उनमें से प्रत्येक गोली को उक्त मन्त्र को अभिमन्त्रित करें। तदुपरान्त उन गोलियों तथा शेष बची हुई रोटी को रूमाल में रखकर किसी नदी के किनारे पहुँचें और गोलियों को नदी की धारा में फेंक कर शेष बची रोटी को टुकड़े-टुकड़े करके पक्षियों को खिला दें। उक्त प्रयोग को ४० दिनों तक नित्य नियमित रूप से करते रहने पर रोजी प्राप्त होती है। मन्त्र के आरम्भ में पहले एक बार पूरी 'बिस्मिल्लाह' शुरू में तथा आखिर में ७-७ बार 'दरूद' पढ़ना चाहिये।

मनोकामनापूर्ति मन्त्र

राजसभा-मोहन प्रयोग

पहले एक पूरी 'बिस्मिल्लाह' पढ़कर फिर नीचे लिखे मन्त्र को अपने दोनों

Scanned by CamScanner

हाथों की हथेलियों पर ७ बार पढ़ने के बाद दोनों हथेलियों को अपने मुँह पर फेरकर जिस राजसभा में पहुँचा जायेगा, वहीं सफलता प्राप्त होगी तथा सब लोग मोहित (प्रसन्न) हो जायेंगे। मन्त्र इस प्रकार है—

सलामुन कौलुनमिनरविर्रहीम तनजीकुल अजीजुर्रहीम।

इस मन्त्र के आरम्भ में एक बार 'बिस्मिल्लाह' तथा अन्त में ७ बार 'दरूद' पढ़ना आवश्यक है।

सभा-मोहन प्रयोग

कालूँ मुँह घोई करूँ सलाम मेरी आँखों में सुरमा बसे जो देखे सो पाँथन पड़े दुहाई गौसुल आदम दस्तगीर की छूः छूः छूः।

शुक्रवार के दिन सवा लाख गेहूँ के दाने लेकर एक-एक दाने पर एक-एक मन्त्र पढ़ें। फिर उनमें से आधे दानों को पिसवाकर उस आटे में घी-शक्कर मिलाकर हलुवा तैयार करें और गौसुल आदम दस्तगीर को नियाज देकर उसे स्वयं खायें। फिर उक्त मन्त्र को ७ बार पढ़कर अपनी आँखों में सुरमा आँज कर जिस सभा में पहुँचेंगे, वहाँ के सब लोग मोहित हो जायेंगे।

राज्य-कर्मचारी वशीकरण प्रयोग

बिस्मिल्लाह दाना कुल्हू अल्लाह यगाना दिलह सख्त तुम हो दाना हमारे बीच फलाने को करो दिवाना।

उक्त मन्त्र में जहाँ 'फलाना' शब्द आया है, वहाँ जिस राज्य-कर्मचारी को वश में करना हो, उसके नाम का उच्चारण करना चाहिये।

इकतालीस बिनौले लाकर आधी रात के समय उनमें से एक-एक बिनौले को इकतालीस-इकतालीस बार अभिमन्त्रित करके अग्नि में डालता जाय। इस क्रिया को निरन्तर तीन दिनों तक करते रहने से इच्छित राज्य-कर्मचारी वशीभूत हो जाता है।

कार्यसाधन से पूर्व २१ दिनों तक उक्त मन्त्र को २१ बिनौलों पर २१-२१ बार पढ़कर अग्नि में आहुति देने से मन्त्र सिद्ध होता है। मन्त्र के सिद्ध हो जाने के बाद ही इसे प्रयोग में लाना चाहिये।

वशीकरणकारक काले कलवे का प्रयोग

काला कलवा चौसठ बीर मेरा कलवा गंगा तोर जहाँ को भेजूँ वहाँ को जाइ, मास मच्छी को छुवन न जाय, अपना मारा आपहि खाय, चलत बाण मारूँ उलट मूठ मारूँ मार मार कलवा तेरी आस चार चौमुखा दीया न बाती जा मारूँ वाही की छाती इतना काम मेरा न करे तो मुझे अपनी माँ का दूध पिया हराम है।

Scanned by CamScanner

घी का दीपक जलाकर गूगल की धूनी दें तथा जोड़ा फूल और मिठाई रखकर २१ दिनों तक नित्य १००८ की संख्या में उक्त मन्त्र जप करें तो यह मन्त्र सिद्ध हो जाता है।

वशीकरण प्रयोग

१. सबसे पहले एक बार पूरी 'बिस्मिल्लाह' पढ़कर फिर इस मन्त्र को १००० बार पढ़ें—**अल्लाहुस्समद।**

उक्त मन्त्र के प्रारम्भ तथा अन्त में ग्यारह-ग्यारह बार 'दरूद' भी पढ़नी चाहिये। इस विधि से मन्त्र सिद्ध हो जायेगा।

'दरूद' का मन्त्र इस प्रकार है—**अल्ला हुम्मा सल्ले अला मुहम्मदिन व अला आले ही मुहम्मदिन व बारक व सल्लम।**

फिर आवश्यकता के समय उक्त मन्त्र को ११ बार पढ़कर अपने दोनों हाथों की हथेलियों पर फूँक मारे तथा फिर दोनों हथेलियों को बड़ी जोर से फर्श (पृथ्वी) पर मारते हुए इस प्रकार कहे—**या अल्लाह फलाने (या फलानी) की मेरे वस कर।**

उक्त वाक्य में जहाँ 'फलाने' या 'फलानी' शब्द आया है, वहाँ साध्य-पुरुष अथवा स्त्री का नाम उच्चारण करना चाहिये।

उक्त प्रयोग को निरन्तर २१ दिनों तक करते रहने से साध्य व्यक्ति साधक के वशीभूत हो जाता है।

२. लाइलाह इल्लिल्लाह धरती से आसमान तक लाइलाह इल्लिल्लाह अर्श से कुर्सी तक लाइलाह इल्लिल्लाह लोह से कलम तक लाइलाह इल्लिल्लाह मुहम्मद रसूलिल्लाह फलानी के बेटे फलाने को मेरे वस में कर।

वशीकरण के लिए सर्वप्रथम उक्त मन्त्र का २१ दिनों तक नित्य १४४ बार जप करें। मन्त्रजप से पूर्व एक बार पूरी 'बिस्मिल्लाह' तथा अन्त में ७ बार 'दरूद' पढ़ना आवश्यक है। उक्त मन्त्र में जहाँ 'फलानी के बेटे फलाने' शब्द आया है, वहाँ जिस व्यक्ति को वशीभूत करना हो, उसकी माँ के नाम के साथ उसके नाम का उच्चारण करना चाहिये। उक्त विधि से जब मन्त्र सिद्ध हो जाय, तब इसी मन्त्र द्वारा २१ बार अभिमन्त्रित पानी या मिठाई को जिस अभिलषित व्यक्ति को खिला-पिला दिया जायेगा, वह साधक के वशीभूत हो जायेगा।

स्त्रीमोहन प्रयोग

अल्लाह बीच हथेली के मुहम्मद बीच कपार, उसका नाम मोहिनी मोहे जग

Scanned by CamScanner

संसार। मुझे करे मार मार उसे बाँये कदम तरे डार, जो न माने मुहम्मद की आन, उस पर पड़ ब्रज का बान, बहक्क लाइलाह अल्लाह है मुहम्मद मेरा रसूलिल्लाह।

किसी भी शनिवार से आरम्भ करके दूसरे शनिवार तक प्रतिदिन १०१ बार इस मन्त्र का जप करें। जप करते समय घी का दीपक तथा मिठाई अपने सामने रक्खें तथा लोबान की धूप दें। इस प्रकार आठ दिन तक साधना (जप) करने से मन्त्र सिद्ध हो जायेगा।

प्रयोग के समय साध्य स्त्री के बाँयें पांव के नीचे की मिट्टी लाकर उसे इस मन्त्र द्वारा ७ बार अभिमन्त्रित करके मस्तक पर डाल देने से वह स्त्री मोहित होकर साधक के वशीभूत हो जाती है।

स्त्री-वशीकरण प्रयोग

१. इन्ना आत्वैना शैताना मेरी शिकल बन फलानी के पास जाना, उसे मेरे पास लाना, न लावे तो तेरी बहन भानजी पर तीन सौ तलाक।

एक चारपाई के पाँयते नंगे खड़े होकर हाथों में गुड़ की एक डली लेकर उस डली पर उक्त मन्त्र को १२१ बार पढ़ कर फूँके, तत्पश्चात् उस गुड़ की डली को खाट के नीचे रखकर सो जाय। प्रात:काल वह गुड़ बालकों को बाँट दे। इस प्रकार ७ दिन तक यह अमल करे तो साध्य स्त्री वशीभूत होकर पास आ जाती है। उक्त मन्त्र में जहाँ 'फलानी' शब्द आया है, वहाँ साध्य स्त्री के नाम का उच्चारण करना चाहिये।

२. कामरूदेस कामाख्या देवी जहाँ बसे इस्माइल जोगी इस्माइल जोगी ने दिया पान का बीड़ा, पहला बीड़ा आती जाती, दूजा बीड़ा दिखावें छाती, तीजा बीड़ा अंग लिपटाई, फलानी खाय पास चली आई, दुहाई श्री गुरू गोरखनाथ की।

दीपावली की रात में यह मन्त्र १४४ बार पढ़ने से सिद्ध हो जाता है। फिर आवश्यकता के समय बिना कटे पान के बीड़े को इस मन्त्र से ७ बार अभिमन्त्रित करके जिस स्त्री को खिला दिया जायेगा, वह वशीभूत हो जायेगी। इस मन्त्र में जहाँ 'फलानी' शब्द आया है, वहाँ अभिलषित स्त्री के नाम का उच्चारण करना चाहिए।

३. कामरूप देस कामाख्या देवी जहाँ बसे इस्माइल जोगी, इस्माइल जोगी ने लगाई फुलवारी, फूल तोड़े लोना चमारी, जो इस फूल की सूँघै बास,

Scanned by CamScanner

तिस का मन रहे हमारे पास, महल छोड़े, घर छोड़े, आँगन छोड़े, लोक-कुटुम्ब की लाज छोड़े, दुहाई लोना चमारी की, धनन्तरि की दुहाई फिरै।

शनिवार से आरम्भ करके २१ दिनों तक नित्य १४४ बार इस मन्त्र का जप करें तथा धूप-दीप और मदिरा रखकर पूजन करें। इस प्रकार मन्त्र से सिद्ध हो जाने पर किसी फूल को ७ बार इसी मन्त्र से अभिमन्त्रित करके साध्य स्त्री को दे दें तो वह उस फूल को सूँघते ही वशीभूत हो जायेगी।

४. बड़ पीपल का थान, जहाँ बैठा अजाजील शैतान मेरी शबीह मेरी सूरत बन फलानी को जा रान, जो न राने तो धोबी की नाद चमार की खाल कुलाल की माटी पड़े जो राजा चाहे राजा का, मैं चाहूँ अपने काज को, मेरा काम न होगा तो आनसी मैं तेरा दामनगीर रहूँगा।

किसी भी शनिवार से आरम्भ करके २१ दिनों तक आधी रात के समय नंगा होकर ११ राई के दाने हाथ में लेकर प्रत्येक दाने के ऊपर उक्त मन्त्र को ग्यारह-ग्यारह बार पढ़कर आग में डालता जाय। मन्त्र में जिस जगह पर 'फलानी' शब्द आया है, वहाँ साध्य स्त्री के नाम का उच्चारण करना चाहिये। उक्त क्रिया को नित्य नियमित रूप से करते रहने पर साध्य स्त्री वशीभूत होकर स्वयं सामने उपस्थित होती है।

५. अलफ गुरु गुफ्तार रहमान, जाग जाग रे अलहादीन शैतान सात बार फलानी को जा रान, न राने तो तेरी माँ की तलाक, बहिन की तीन तलाक।

६. अलफ अलोप एक रहमान, सुन शैतान मेरी शकल बन फलानी को जा रान, न राने तो तेरी माँ बहिन को तीन सौ तीन तलाक।

उक्त दोनों मन्त्रों में जहाँ 'फलानी' शब्द आया है, वहाँ साध्य स्त्री के नाम का उच्चारण करना चाहिये। दोनों मन्त्रों की प्रयोग-विधि इस प्रकार है—

बेसन का चौमुखा दीपक बनाकर उसके चारो कोनों पर चीटे का रक्त (खून) तथा अपने दाँयें हाथ की अनामिका (चौथी) अँगुली का रक्त (खून) लगाकर उसमें तेल भरकर चार बत्तियाँ रक्खें। फिर नंगे (निर्वस्त्र) होकर, दक्षिण दिशा की ओर मुँहकर बैठ जायँ तथा दीपक की बत्तियाँ जलाकर लोबान की धूप दें। भोग के लिए भुने हुए जौ अपने पास रखे।

रजोवेदना-निवारण मन्त्र

ॐ नमो आदेश देवी मनसा माई बड़ी बड़ी अदरख पतली पतली रेश बड़े विष के जल फाँसी दे शेष गुरु का वचन जाय खाला पिया पञ्च मुण्ड के बाम पद ठेली विषहरी राई की दुहाई फिरै।

Scanned by CamScanner

अदरख को तीन बार पढ़कर रोगिणी को खिलाने से ऋतुमती की वेदना शान्त होती है।

मासिक विकार-नाशक मन्त्र

आदेश श्री रामचन्द सिंह गुरु की तोडूँ गाँठ औंगा ठाली तोड़ दूँ लाय तोड़ि देऊँ सरित परित देकर पाय यह देखि हनुमन्त दौड़कर आय अमुक का देह शांति वीर भगाय श्री गुरु नरसिंह की दुहाई फिरै।

एक पान का बीड़ा लें, तीन बार यह मन्त्र पढ़कर खिलाने से समस्त प्रकार के मासिक विकार दूर होते हैं।

प्रसव कष्ट-निवारण मन्त्र

ॐ मन्मथ मन्मथ वाहि वाहि लम्बोदर मुञ्च मुञ्च स्वाहा। ॐ मुक्ता पाशा विपाशश्च मुक्ता सूर्य्येण रश्मयः। मुक्ता सर्व्व फयादर्भ एहि मारिच स्वाहा। एतन्मन्त्रेणाष्टवारं जयनमि मनय पितम तत्क्षणात् सुखप्रसवो भवति।

केवल एक हाथ से खींचा हुआ कुयें का जल लाकर ८ बार मन्त्र पढ़कर पिलाने से प्रसववेदना दूर होती है तथा बालक सुखपूर्वक होता है।

यहाँ यह ध्यान रखना चाहिये कि एक हाथ से कुयें का जल खींचने के बाद जमीन पर नहीं रखना चाहिये, अन्यथा प्रभाव निष्फल हो जाता है।

मृगी रोग-हरण मन्त्र

ॐ हलाहल सरगत मंडिया पुरिया श्री राम जी फूँके, मृगी बाई सूखे, सुख होई ॐ ठः ठः स्वाहा।

भोजपत्र पर अष्टगन्ध से इस मन्त्र को लिखकर गले में बाँधने मात्र से रोग चला जाता है।

रतौंधी-विनाशक मन्त्र

ॐ भाट भाटिनी निकली कहे चलि जाई उस पार जाइब हम जाऊँ समुद्र। भाटिनी बोली हम विआइब उसकी छाली बिछाइब हम उपसमाशि पर मुण्डा मुण्डा अण्डा।

स्त्रीसौभाग्य-वर्द्धक मन्त्र

ॐ हीं कपालिनी कुलकुण्डलिनि मे सिद्धिं देहि भाग्यं देहि देहि स्वाहा।

यह मन्त्र कृष्णपक्ष की चौदस से प्रारम्भ करके अगले महीने की कृष्णपक्ष की तेरस तक यानी एक मास तक नित्य एक सहस्र बार जप करने से स्त्रियों की

Scanned by CamScanner